अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर मंगलवार 11 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी

वर्ष 32 अंक 45 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 29.2°C

न्यूनतम तापमान 23.4°C

सूर्योदय - 5.45 | सूर्यास्त - 6.46

घर-घर तिरंगा अभियान को हर नागरिक सफल ... ⏩ 4

यश से ज्यादा मेहनती अभिनेता मैंने कभी नहीं ... ⏩ 7

अनुज परिहार को मिली बजरंग दल में प्रांत .. ⏩ 8

लोकसभा में बिना चर्चा के अधिकरण सुधार विधेयक पारित

नई दिल्ली (वार्ता)

लोकसभा में मानसून सत्र के आखिरी सप्ताह के पहले दिन सोमवार को भी विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा, जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद पीठासीन अधिकारी जगदम्बिका पाल ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी। दो बार के स्थगन के बाद जब दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू की तो विपक्षी सदस्य हंगामा करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गए और पिछले सप्ताह की तरह नारेबाजी करने लगे। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से हंगामा नहीं करने और सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करने का आग्रह किया। इस बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल सत्र के पहले दिन से ही संसद में गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे हैं और विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी यही मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर बयान देने के लिए तैयार हैं और सरकार इस मुद्दे पर चर्चा के बाद श्री शाह के जवाब के लिए भी तैयार है। पीठासीन अधिकारी ने कहा कि जब संसदीय कार्य मंत्री कह रहे हैं कि गृह मंत्री बयान देने के लिए तैयार हैं तो सभी सदस्यों को अपनी सीटों पर जाना चाहिए और सदन में व्यवस्था बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब गृह मंत्री चर्चा का जवाब देने के लिए तैयार हैं और सरकार भी चर्चा चाहती तो सदन को चलने दिया जाना चाहिए। हंगामे के बीच पीठासीन अधिकारी ने विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को अधिकरण सुधार विधेयक, 2026 सदन में पारित कराने के लिए पेश करने को कहा। मेघवाल ने विधेयक पेश करते हुए कहा कि यह किसी अधिकरण के क्षेत्राधिकार में बदलाव नहीं करता, बल्कि पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। श्री जगदम्बिका पाल ने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेने के लिए कई सदस्यों के नाम पुकारे, लेकिन हंगामे के कारण किसी सदस्य की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने विधेयक को सदन में पारित करने के लिए रखा और हंगामे के बीच विधेयक को बिना चर्चा के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। पीठासीन अधिकारी ने सदस्यों से अपनी सीटों पर जाने और सदन की व्यवस्था बनाए रखने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा जारी रहने पर उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

बैंककार बही साक्ष्य विधेयक भी पास

राज्य सभा ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के बहिर्गमन के बीच सोमवार को बैंककार बही साक्ष्य विधेयक-2026 को बिना किसी संशोधन के मंजूरी प्रदान कर दी। इसके साथ ही बैंकों के बही-खातों के डिजिटल रिकार्ड को कानूनी मान्यता देने वाले इस इस विधेयक पर संसद की मुहर लग गयी है। इस विधयेक को लोक सभा में पिछले सप्ताह में पारित किया गया था। यह विधेयक अधिनियमित हो जाने के बाद बैंकों की बही को साक्ष्य के रूप में स्वीकार किये जाने संबंधी 1891 के कानून की जगह लेगा। इस विधेयक में पुराने कानून के निरस्तीकरण का भी प्रावधान है। विधेयक पर संक्षिप्त बहस के बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदस्यों द्वारा उठाये गये मुद्दों का स्पष्टीकरण दिया।

विपक्षी दलों ने किया प्रदर्शन

छात्रों के साथ पुलिस कार्रवाई तथा चढ़ावा चोरी सहित कई मुद्दों पर विपक्षी दलों के सांसदों ने सोमवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर विरोध जताया। तख्तियों पर गृहमंत्री अमित शाह की तस्वीर भी थी, जिन पर संसद में उनकी अनुपस्थिति को लेकर नाराजगी व्यक्त की गई थी। प्रदर्शनकारियों में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल तथा प्रियंका गांधी वाड्रा शाहिद कांग्रेस के अन्य कई सांसद शामिल थे। संसद भवन परिसर में कांग्रेस के अलावा तृणमूल कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा, समाजवादी पार्टी तथा शिवसेना उद्धव गुट के साथ ही कई अन्य दलों के के सांसद भी शामिल थे।

तीन बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने कहा है कि वे भाजपा में शामिल नहीं होंगे और वे एनडीए का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे भाजपा की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे। ये तीनों उन 20 बागी टीएमसी सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में विलय किया था। इसके बाद एनडीए को समर्थन देने की घोषणा की थी।

पहली बार लाल किले की प्राचीर से गाया जाएगा वंदे मातरम

नई दिल्ली। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इस समारोह की अगुवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह मौका वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का भी प्रतीक होगा। पीएम मोदी दिल्ली के इस ऐतिहासिक स्मारक से राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और देश को संबोधित करेंगे। बयान में कहा गया, पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इस साल का समारोह युवा शक्ति पर केंद्रित होगा, जिसमें 2047 तक विकसित भारत बनने की देश की यात्रा में भारत की युवा आबादी के योगदान को उजागर किया जाएगा।

असम-अरुणाचल सीमा में ग्रामीणों पर फायरिंग

गुवाहटी। असम-अरुणाचल सीमा पर स्थित धेमाजी जिले के मिंगमांग बदती इंटर-स्टेट बॉर्डर पर अरुणाचल प्रदेश के अज्ञात बदमाशों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में 8 असमी गांववाले घायल हो गए, जिनमें से 7 की हालत गंभीर है। इस घटनाक्रम से दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच नया तनाव पैदा हो गया। यह पूरा घटनाक्रम बॉर्डर इलाके में अतिक्रमण को लेकर हुआ। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश बॉर्डर पर मिंगमांग बस्ती में हुई। उन्होंने कहा कि यह अरुणाचल प्रदेश के लोगों द्वारा असम में जमीन पर कथित कब्जे को लेकर हुए विवाद का नतीजा था। बाद में यह टकराव बढ़कर फायरिंग में बदल गया।

झारखंड : छात्र आंदोलन हुआ प्रचंड

विधानसभा के बाहर प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

रांची (वार्ता)

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहा छात्रों का आंदोलन सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत विधानसभा घेराव तक पहुंच गया। बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा के बाहर जुटे और अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। शुरुआत में छात्रों का आंदोलन कुछ घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्ण रहा। प्रशासन की ओर से भी प्रदर्शनकारियों के साथ संयम बरतते हुए उन्हें नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए प्रशासन की ओर से हल्के स्तर पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, बाद में कुछ छात्रों ने बैरिकेडिंग हटाकर विधानसभा की ओर बढ़ने का प्रयास किया। इससे मौके पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई।

पुलिस लगातार छात्रों को आगे बढ़ने से रोकती रही, जबकि प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर विधानसभा की ओर जाने पर अड़े रहे। इसी बीच चल रहे झारखंड मानसून सत्र को छोड़कर जेएलकेएम के डुमरी विधायक जयराम महतो भी विधानसभा के बाहर आंदोलनकारी छात्रों के बीच पहुंचे। उन्होंने छात्रों के साथ धरने पर बैठकर उनके आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। जयराम महतो के छात्रों के बीच पहुंचने और उनके साथ धरने पर बैठने से प्रदर्शनकारियों का उत्साह बढ़ा। छात्र जेपीएससी और जेएसएससी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के मामलों की निष्पक्ष जांच सहित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। विधानसभा घेराव के दौरान बड़ी संख्या में छात्रों की मौजूदगी के कारण प्रशासन ने भी मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी।

जेपीएससी के पूर्व चेयरमैन ख्यांगते गिरफ्तार

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन सोमवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत विधानसभा घेराव तक पहुंच गया। इसी बीच झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के पूर्व चेयरमैन एल. ख्यांगते को जेपीएससी परीक्षा में अनियमितता के मामले में सीआईडी की टीम ने आज गिरफ्तार कर लिया है। 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच सीआईडी कर रही है। इसी जांच के क्रम में पूर्व चेयरमैन एल. ख्यांगते से पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। उन्हें 28 जुलाई को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था। जांच एजेंसी इससे पहले ख्यांगते से कई दौर की पूछताछ कर चुकी है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी हिरासत में

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों के आंदोलन के बीच अब सियासी घमासान भी तेज हो गया है। सोमवार को रांची में विरोध प्रदर्शन कर रहे नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन में शामिल कई अन्य बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भी पुलिस ने कार्रवाई की। फिलहाल विधानसभा के बाहर छात्रों का प्रदर्शन जारी है।

लाठीचार्ज, वाटर कैनन, आंसू गैस

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों ने सोमवार को विधानसभा का घेराव किया। विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद प्रदर्शन बढ़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के छह गोले छोड़े। पुलिस की कार्रवाई में कई छात्र घायल हो गए।

सरकार छात्रों से समझौता करेः भाकपा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने कहा है कि झारखंड की राजधानी रांची में रोजगार, जेपीएससी और जेएसएससी में पारदर्शिता और पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठा रहे छात्रों पर हेमंत सरकार ने बर्बर लाठीचार्ज करवाया, दर्जनों छात्र घायल और सैकड़ों गिरफ्तार, यह घटना झारखंड सरकार की कायरता और असफलता का प्रमाण है। वहीं, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद राज्यसभा दीपक प्रकाश ने भी सोरेन सरकार पर तीखा हमला बोला है।

राहुल गांधी-मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्र सरकार से पूछे 3 सवाल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस ने तीन मांगें दोहराईं। पहली, छात्रों पर हुई कार्रवाई को लेकर अमित शाह देश के सामने जवाब दें। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पूरे मामले पर माफी मांगें। तीसरी, राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े सवालों का जवाब दिया जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो। दोनों नेताओं ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार को घेरा। राहुल गांधी ने पूछा कि निहत्थे छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस और इलेक्ट्रिक शॉक बैटन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया। वहीं, खड़गे ने राम मंदिर के चढ़ावे का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब मांगा। राहुल गांधी ने सबसे पहले छात्रों पर हुई कार्रवाई का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि बहस इस बात की नहीं है कि गृहमंत्री अमित शाह संसद में किस विषय पर बोलते हैं। असली सवाल यह है कि दिल्ली में निहत्थे छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस और इलेक्ट्रिक शॉक बैटन के इस्तेमाल की मंजूरी किसने दी। उनके मुताबिक, अगर यह फैसला गृह मंत्री की जानकारी में हुआ था तो जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। अगर जानकारी नहीं थी, तब भी यह गंभीर मामला है। ऐसे में देश के सामने पूरी सच्चाई रखी जानी चाहिए। कांग्रेस ने छात्रों के खिलाफ हुई कार्रवाई को गंभीर मामला बताया। राहुल गांधी का कहना था कि अपनी मांग रखने पहुंचे युवाओं के साथ जिस तरह का व्यवहार हुआ, वह स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश से माफी मांगनी चाहिए। साथ ही यह सवाल भी उठाया गया कि विपक्ष कई दिनों से इस मुद्दे पर जवाब मांग रहा है, लेकिन सरकार की तरफ से अब तक कोई स्पष्ट सफाई नहीं आई।

झारखंड के प्रदर्शन पर भी रखी राय

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रांची में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन का सवाल भी उठा। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर बल प्रयोग करना गलत है। उनका कहना था कि छात्रों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन का पूरा अधिकार है। सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए. बातचीत से समाधान निकालना ही बेहतर रास्ता है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलीं सुप्रिया सुले

20 मिनट की मुलाकात ने बढ़ा दिया सियासी पारा

नई दिल्ली। सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले ने पार्टी के आठ सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब 20 मिनट तक चली इस बातचीत के बाद एक बार फिर डिलिमिटेशन बिल को लेकर एनसीपी-एसपी के रुख को लेकर चर्चा होने लगी है। बता दें, कि सुप्रिया पहले ही साफ कर चुकी हैं कि उनकी पार्टी किसी भी परिसीमन विधेयक का समर्थन तभी करेगी, जब उनकी सभी जरूरी मांगों को विधेयक के ड्राफ्ट में शामिल किया जाएगा। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई इस बैठक को लेकर इंडिया गठबंधन के भीतर हलचल मच गई है। हालांकि इस पूरी बैठक के दौरान डीलिमिटेशन का मुद्दा नहीं उठा। एनसीपी-एसपी सांसदों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े विकास और जनहित के कई अहम मुद्दे प्रधानमंत्री के सामने रखे। बीड से सांसद बजरंग सोनवणे ने सोलापुर के उजनी बांध से बीड जिले तक पानी पहुंचाने की मांग उठाई। वहीं शिरूर के सांसद अमोल कोल्हे ने नासिक-पुणे रेलवे लाइन से जुड़े विवाद का मुद्दा प्रधानमंत्री के सामने रखा। भिवंडी के सांसद बालू मामा म्हात्रे ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम स्थानीय नेता डीबी पाटील के नाम पर रखने की मांग की। इसके अलावा सांसदों ने किसानों से जुड़े कई अहम मुद्दों पर भी चर्चा की। इस पूरी बैठक के बाद महाराष्ट्र की सियासत में बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुप्रिया सुले और एनसीपी-एसपी सांसदों की प्रधानमंत्री से मुलाकात का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पूरे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए किसी भी पार्टी के सांसदों का उनसे मिलना गलत नहीं है।

मप्र में बनेंगी एसआईएसएफ की तीन बटालियन

सीएम ने किया ऐलान- बैगा, भारिया, सहरिया की अलग कंपनियां बनेंगी

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में औद्योगिक संस्थानों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल (एसआईएसएफ) की तीन बटालियन गठित की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को भोपाल के रवीन्द्र भवन में पुलिस विभाग की नई भर्तियों और पदोन्नतियों को लेकर आयोजित आभार प्रदर्शन समारोह में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि तीन में से एक बटालियन खंडवा में बनाई जाएगी, जबकि दो अन्य बटालियनों के स्थान बाद में तय किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में विशेष रूप से प्रदेश के अति पिछड़े जनजातीय समूहों को अवसर देने के लिए बैगा, भारिया और सहरिया की कंपनियां गठित की जाएंगी। इन कंपनियों में इन समुदायों के युवाओं को शामिल किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग में लगातार नए पदों की स्वीकृति और भर्ती के साथ बल को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों की पदोन्नति का रास्ता अब खुल गया है और आगे भी पात्रता के आधार पर पदोन्नतियां होती रहेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल की तीन बटालियन बनाई जाएंगी। इनमें से एक बटालियन खंडवा में गठित करने की घोषणा उन्होंने मंच से की। दो अन्य बटालियनों का स्थान बाद में घोषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए इस बल को मजबूत किया जाएगा। राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल में बैगा, भारिया और सहरिया समुदाय की अलग-अलग कंपनियों के गठन की योजना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अति पिछड़े समूहों के युवाओं को पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था से जोड़ने के लिए इन कंपनियों का गठन किया जाएगा। इससे इन समुदायों के युवाओं को रोजगार के साथ सुरक्षा बल में प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि जुलाई 2026 में प्रदेश के सभी विभागों में पदोन्नतियां की गई हैं। पुलिस विभाग में 58 संवर्गों के 27,534 अफसरों और कर्मचारियों को पदोन्नति मिली है। इनमें 30 रक्षित निरीक्षक पदोन्नत होकर उप पुलिस अधीक्षक बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पदोन्नति से पुलिसकर्मियों का मनोबल और उत्साह बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के कंधों पर लगे सितारे उनकी क्षमता और जिम्मेदारी के साथ उनकी शोभा भी बढ़ा रहे हैं।

जिम्मेदारी और साहस का भाव जगाती है वर्दी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आमतौर पर यह धारणा रहती है कि पुलिस वाले हंसते नहीं हैं, लेकिन आज उनके चेहरों की प्रसन्नता देखकर संतोष और खुशी साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की वर्दी पहनने का अपना अलग अहसास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस देशभक्ति और जनसेवा के स्लोगन के आधार पर अपनी प्रतिबद्धता से देश में अलग पहचान बनाती है। उन्होंने पुलिस की वर्दी का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे पहनने के बाद व्यक्ति के भीतर जिम्मेदारी और साहस का अलग भाव पैदा होता है।

नाले में बही कार, 3 बच्चों समेत 9 की मौत

राजगढ़

राजगढ़ में ईको वैन नाले में बह गई। हादसे में तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत 9 लोगों शंकर सिंह, सागरबाई पति शंकर सिंह, रीनू पति हुकुम सिंह, राजवीर पिता हुकुम सिंह, जसप्रीत पिता हुकुम सिंह, विशाल चौहान, पूजा पति विशाल चौहान, रिशिका, आनंद सिंह की मौत हो गई। दो युवकों ने तैरकर जान बचाई। हादसा पचोर-सारंगपुर रोड पर पड़ाना कस्बे में सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे हुआ। पुलिस के मुताबिक, ईको सवार सभी लोग देवास के सतवास में धांसड़ गांव के रहने वाले हैं। वे कड़लावद गांव जा रहे थे। कार मुकेश सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है। वही कार चला रहा था। वह और हुकुम सिंह अस्पताल में भर्ती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। पड़ाना के पास झिरी नाले पर 30 फीट का पुल निर्माणाधीन है। तेज बारिश की वजह से पानी पुल के ऊपर बह रहा है। कार ड्राइवर मुकेश को अधूरा पुल नहीं दिखा। उसने कार आगे बढ़ा दी, जो नाले में बह गई।

बारिश में ढह गया 7 करोड़ से बनी सड़क का पुल, दूसरा भी दरक रहा, किसानों की मेहनत मलबे में, जवाबदेही पर बड़े सवाल

किसान पूछ रहे– हमारी मेहनत का हिसाब कौन देगा ?

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

बरसात की हर बूंद किसानों के लिए उम्मीद लेकर आती है, लेकिन डिंडौरी जिले के चाबीङ्कमेंहदवानी से कुशेरा मार्ग के किनारे रहने वाले कई किसानों के लिए यही बारिश दर्द और बेबसी की कहानी बन गई।

करोड़ों रुपये की लागत से बनी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क पर बना पुल तेज बारिश का सामना नहीं कर सका और देखते ही देखते धराशाई हो गया। वहीं भुरका में बना दूसरा पुल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त है और उसके भी कभी भी गिरने का खतरा बना हुआ है।

जिस सड़क को ग्रामीणों की जिंदगी आसान बनाने के लिए बनाया गया था, वही अब चिंता और डर का कारण बन गई है। मौके पर लगे सूचना बोर्ड के अनुसार 12.10 किलोमीटर लंबी इस सड़क पर करीब 7 करोड़ 10 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन पहली ही तेज बारिश में पुल का ढह जाना निर्माण गुणवत्ता और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। सबसे ज्यादा दर्द उन किसानों का है, जिनके खेतों में पुल का मलबा और बारिश का तेज बहाव पहुंच गया। कहीं खड़ी फसल बर्बाद हो गई तो कहीं खेतों की मिट्टी बह गई। जिन खेतों को सींचने के लिए किसान दिन-रात मेहनत करते हैं, आज वही खेत मलबे से पटे पड़े हैं। किसानों की आंखों में एक ही सवाल है– हमारी मेहनत की भरपाई कौन करेगा?

ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ किया गया होता तो करोड़ों रुपये का पुल पहली ही बारिश में नहीं टूटता। उनका आरोप है कि यदि समय रहते दूसरे क्षतिग्रस्त पुल की जांच और मरम्मत नहीं हुई तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि दोनों पुलों की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए, निर्माण गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच हो, दोषियों की जिम्मेदारी तय कर सख्त कार्रवाई की जाए और जिन किसानों की फसलें व खेत क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनका सर्वे कराकर शीघ्र उचित मुआवजा दिया जाए। अब सवाल केवल एक पुल के गिरने का नहीं है, बल्कि उन ग्रामीणों के टूटते भरोसे का भी है, जिन्होंने विकास के नाम पर करोड़ों रुपये की परियोजना से मजबूत सड़क और सुरक्षित सफर की उम्मीद की थी।

सावन के दूसरे सोमवार विराट मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा शहडोल

शहडोल (स्वतंत्रमत)। सावन माह के दूसरे सोमवार को शहडोल शहर के आस्था के प्रमुख केंद्र बाणगंगा स्थित ऐतिहासिक विराट मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान शिव के दर्शन एवं जलाभिषेक के लिए सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर सहित आसपास का पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से शिवमय नजर आया। बताया जाता है कि विराट मंदिर के कपाट करीब दो वर्षों बाद एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिए खोले गए हैं। कपाट खुलने के बाद सावन के दूसरे सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे। बाणगंगा स्थित यह प्राचीन विराटेश्वर मंदिर शहडोल की धार्मिक एवं ऐतिहासिक पहचान का महत्वपूर्ण केंद्र है। जिला प्रशासन की वेबसाइट के अनुसार यह कलचुरीकालीन मंदिर लगभग एक हजार वर्ष पुरानी स्थापत्य परंपरा से जुड़ा हुआ है।

बाणगंगा के पवित्र जल से किया अभिषेक- श्रद्धालुओं ने बाणगंगा के पवित्र जल में स्नान कर भगवान शिव को जल अर्पित किया। भक्तों का मानना है कि बाणगंगा का जल अत्यंत पवित्र है और भगवान शिव के चरणों में जल अर्पित करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी मनोकामना, मन्नत और अर्जी लेकर विराटेश्वर महादेव के दरबार में पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। सुबह से लेकर दिनभर मंदिर परिसर में भक्तों की आवाजाही बनी रही। महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालु हाथों में पूजा सामग्री एवं जल लेकर भगवान शिव के दर्शन के लिए कतार में खड़े नजर आए। हर ओर गूंजते 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

शाम को हुआ भंडारा, प्रसाद पाकर झूमे श्रद्धालु- सावन सोमवार के अवसर पर शाम को मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन भी किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद पाने के बाद भक्तों ने भगवान शिव के जयकारे लगाए और भक्ति में झूमते नजर आए। सावन के दूसरे सोमवार पर विराट मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर शहडोल की धार्मिक आस्था और बाणगंगा-विराटेश्वर धाम की महत्ता को प्रदर्शित किया। पूरे दिन मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंजता रहा।

सबकी नजर में समस्या, फिर भी समाधान नहीं ! नेता बदले, अधिकारी बदले... लेकिन नहीं बदली जिले की बदहाल तस्वीर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

जिला मुख्यालय में सड़क, बिजली, पेयजल, नाली, स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। यह हाल किसी एक वार्ड तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के अधिकांश क्षेत्रों में नागरिक इन्हीं परेशानियों का सामना कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि ये समस्याएं जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और जिम्मेदार विभागों की नजर में होने के बावजूद अब तक स्थायी समाधान का इंतजार कर रही हैं। गौरतलब है कि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र मां नर्मदा के तट पर विकास कार्यों के नाम पर कई बार सीसी सड़कों को खोदा गया। कहीं सीवर लाइन बिछाने तो कहीं केबल डालने के लिए सड़कें तोड़ी गईं, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद कई स्थानों पर सड़कें पहले जैसी स्थिति में बहाल नहीं की गईं। परिणामस्वरूप जगह-जगह बड़े गड्ढे और उबड़-खाबड़ सड़कें आम लोगों और श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

इस स्थिति का एक प्रमुख उदाहरण मां नर्मदा स्वर्ण मंदिर डैम घाट के समीप गुजराती धर्मशाला के सामने का मार्ग है, जहां सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्ढे लंबे समय से लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मार्ग से जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और मंत्रियों का भी आवागमन होता है, इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। शहरवासियों का कहना है कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और समय पर मरम्मत को लेकर जवाबदेही तय होना आवश्यक है। उनका मानना है कि यदि मुख्यालय के प्रमुख मार्गों की यह स्थिति है, तो अन्य क्षेत्रों की समस्याओं का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार विभाग इन मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए कब ठोस कदम उठाते हैं, ताकि जिला मुख्यालय के नागरिकों और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिल सके।

अतिवृष्टि से फसल नुकसान का होगा सर्वे किसानों को समय पर मिलेगी सहायता राशि

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश, फसल बीमा का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने पर जोर

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले में लगातार हो रही बारिश और अतिवृष्टि के बीच कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रभावित फसलों का मौके पर सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने वर्षा एवं फसलों की स्थिति की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों को फसल क्षति का सर्वे शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वर्षा के कारण फसलों, मकानों एवं अन्य परिसंपत्तियों को हुई क्षति का मौके पर जाकर आकलन किया जाए, ताकि प्रभावित किसानों एवं पात्र हितग्राहियों को नियमानुसार समय पर सहायता राशि उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने अधिक वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों और मार्गों का भी निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुचारू बना रहे।

फसल बीमा के लिए 17 अगस्त तक आवेदन5बैठक में बताया गया कि फसल बीमा योजना के आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 अगस्त 2026 कर दी गई है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पात्र किसानों को फसल बीमा योजना से जोड़ा जाए और उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कृत्रिम गर्भाधान, किसान क्रेडिट कार्ड, क्षीरधारा ग्राम अभियान तथा संक्रामक पशु रोगों की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण-समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने लंबे समय से लंबित शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। विशेष रूप से 50 से 100 दिवस से लंबित शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया।उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति तथा जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

स्वरोजगार योजनाओं एवं मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा करने पर जोर दिया। वहीं समग्र ई-केवाईसी, आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में आगामी 14 अगस्त 2026 को विकासखंड डिंडौरी के ग्राम शाहपुर में आयोजित होने वाले जनविश्वास अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां निर्धारित समय से पूर्व पूर्ण करने तथा कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, संयुक्त कलेक्टर, एसडीएम डिंडौरी, एसडीएम बजाग, डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजल चोरी की शिकायत पर एफआईआर नहीं, ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन मालिकों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

शहडोल (स्वतंत्रमत)। अमलाई थाना क्षेत्र में कथित डीजल चोरी को लेकर ट्रक मालिकों और पुलिस के बीच विवाद सामने आया है। क्षेत्रीय ट्रक ऑनर्स ट्रान्सपोर्ट एसोसिएशन ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर 3 अगस्त को दी गई शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं किए जाने का आरोप लगाया है। एसोसिएशन का कहना है कि इसके बाद शिकायतकर्ताओं के विरुद्ध मारपीट की शिकायत देकर दबाव बनाने का प्रयास किया गया।

बटुरा पेट्रोल पंप की घटना को लेकर उठे सवाल-एसोसिएशन के अनुसार बटुरा स्थित सरकार पेट्रोल पंप पर ट्रक से कथित डीजल चोरी की घटना सामने आई थी। मामले में 3 अगस्त को थाना अमलाई में शिकायत दी गई। ट्रक मालिकों का दावा है कि घटना से संबंधित सीसीटीव्ही फुटेज और वीडियो उपलब्ध हैं। एसोसिएशन ने पुलिस से सीसीटीव्ही फुटेज तत्काल सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि जांच में साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की संभावना न रहे।

इसी मामले में ट्रक मालिक जयंत जसवानी ने भी एसपी को शिकायत देकर अपने ट्रक क्रमांक सीजी 15 ईजी 8061 से कथित डीजल चोरी की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि उनके पास घटना का वीडियो मौजूद है। उन्होंने अपने विरुद्ध थाना बुढ़ार में दर्ज कराई गई मारपीट की शिकायत को झूठा और मनगढ़ंत बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।एसोसिएशन का आरोप है कि कथित डीजल चोरी की शिकायत के बाद 7 अगस्त को थाना बुढ़ार में शिकायतकर्ताओं एवं अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट की शिकायत प्रस्तुत की गई। एसोसिएशन ने इसे मूल शिकायत से ध्यान भटकाने और शिकायतकर्ताओं पर दबाव बनाने का प्रयास बताया है।

ट्रक मालिकों ने कुछ व्यक्तियों पर सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देने के आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि कथित डीजल चोरी के मामलों में कार्यवाही नहीं होने से वाहन मालिकों और चालकों में भय का माहौल है। एसोसिएशन ने एसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, सीसीटीव्ही एवं वीडियो साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा शिकायत पर नियमानुसार कार्यवाही की मांग की है।

कुत्ते को पीटकर पैर तोड़ने का आरोप, विरोध करने पर धमकी देने की शिकायत

पशु क्रूरता के मामले में कार्यवाही की मांग, सिटी कोतवाली में सौंपा आवेदन

शहडोल (स्वतंत्रमत)। निगम कॉलोनी में एक कुत्ते के साथ बेरहमी से मारपीट कर उसका पैर तोड़ने का आरोप लगाते हुए अटल कामधेनु गौसेवा संस्थान की ओर से सिटी कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता अभिजीत मोहन भट्ट ने निगम कॉलोनी निवासी हरी पटेल एवं उसके पुत्र पर पशुओं के साथ क्रूरता करने तथा विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत में बताया गया है कि एक निरपराध कुत्ते को कथित रूप से बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई और पैर टूट गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति द्वारा मोहल्ले में घूमने वाले कुत्तों एवं गौवंशों के साथ आए दिन मारपीट और क्रूरता की जाती है। इससे क्षेत्र में पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंता के साथ ही लोगों में भय एवं आक्रोश का वातावरण बना हुआ है। शिकायतकर्ता के अनुसार, संबंधित व्यक्ति को समझाने का प्रयास किया जाता है, तो उसके द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं। अभिजीत मोहन भट्ट ने थाना प्रभारी से पूरे प्रकरण की जांच की मांग की है।

उफनते पुल से बस निकालना पड़ा भारी, चालक-कंडक्टर पर मामला दर्ज

प्रशासन की अपील की अनदेखी पर बस जब्त, परिवहन विभाग ने मालिक को जारी किया नोटिस

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जिले में रविवार को हुई तेज बारिश के बाद नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच शहपुरा-मंडला मार्ग पर बिछिया में महानदी के पुल के ऊपर तेज बहाव के बावजूद यात्री बस निकालने का मामला सामने आया। घटना का वीडियो समाचार माध्यमों में प्रसारित होने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की है। पुलिस ने बस चालक और कंडक्टर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर बस को जब्त कर लिया है। बिछिया पुलिस चौकी में बस चालक संतोष झारिया और कंडक्टर आकाश के विरुद्ध बीएनएस की धारा 281, 125, मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 तथा आदेश की अवहेलना के संबंध में धारा 179 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने संबंधित बस को भी जब्त कर लिया है।

कलेक्टर-एसपी की अपील के बावजूद पुल पार करने का प्रयास-लगातार बारिश और नदी-नालों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिलेवासियों से सतर्कता बरतने तथा जलभराव वाले पुल-पुलियों को पार नहीं करने की अपील की गई थी। इसके बावजूद बस चालक ने उफनती महानदी के पुल को पार करने का प्रयास किया। पुल के ऊपर तेज बहाव के बीच बस गुजरने का वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। प्रशासन के अनुसार, इस तरह की लापरवाही से बस में सवार यात्रियों की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस ने संबंधित चालक और कंडक्टर के विरुद्ध कार्रवाई की है।

बस मालिक को परिवहन विभाग का नोटिस-मामले में जिला परिवहन कार्यालय ने भी कार्रवाई शुरू कर दी है। परिवहन विभाग द्वारा बस मालिक यशवंत चौकसे को नोटिस जारी कर बस से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विभाग द्वारा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बुढ़ार मे स्थायी एसडीएम कोर्ट खोलने सांसद हिमांद्री सिंह ने की पहल

शहडोल। शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद हिमांद्री सिंह ने बुढ़ार मे स्थायी एसडीएम कोर्ट खोलने के लिये पहल करते हुए मुख्यमंत्री डा मोहन यादव को पत्र लिख कर मुख्य सचिव अशोक बरनवाल से दूरभाष पर चर्चा की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सांसद हिमांद्री सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि शहडोल जिला अन्तर्गत बुढ़ार एक सघन आबादी वाला बडा व्यावसायिक केन्द्र है। इसके आसपास के बहुत से छोटे-बड़े गाँव के लोग राजस्व संबधी कार्यो के लिये बुढ़ार आते हैं। इसे देखते हुए पूर्व कलेक्टर ने बुढ़ार मे अस्थायी रुप से एसडीएम की पद स्थापना का आदेश किया था। जिसे वर्तमान मे समाप्त कर दिया गया है। बुढ़ार की भौगोलिक स्थिति और जनहित की मांग को देखते हुए बुढ़ार मे स्थायी रुप से एसडीएम कोर्ट और कार्यालय की स्थापना आवश्यक है। जिससे स्थानीय लोगों को त्वरित और सुगम प्रशासनिक व्यवस्था मिल सकेगी।

गहरे गड्ढे में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत, परिवार के बुझ गए दो चिराग

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र अंतर्गत गाड़ाघाट में ईंट भट्ठा संचालकों की लापरवाही के चलते एक ही परिवार के दो मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। घर से फुटबॉल खेलने निकले अमराडंडी निवासी 15 वर्षीय वारिश सिंह और उसके 10 वर्षीय छोटे भाई विवेक सिंह की मिट्टी खुदाई से बने पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों भाई घर से फुटबॉल खेलने के लिए निकले थे। इसी दौरान वे ईंट भट्ठे के पास मिट्टी खुदाई से बने गहरे गड्ढे में भरे पानी में डूब गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों बच्चों के शवों को गहरे पानी से बाहर निकलवाया। पुलिस ने दोनों शवों का आवश्यक कार्यवाही के बाद मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद ईंट भट्ठा संचालकों की सुरक्षा संबंधी लापरवाही को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

कलेक्टर ने जताया गहरा दुःख-घटना की सूचना प्राप्त होने पर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोनों बच्चों की मृत्यु पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत बच्चों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने आरबीसी 6(4) के प्रावधानों के तहत दोनों मृतक बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि, अर्थात कुल 8 लाख रुपये, मंजूर की है। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। दो सगे भाइयों की एक साथ हुई मौत से अमराडंडी सहित आसपास के क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है।

कार्यालय ग्राम पंचायत विक्रमपुर जनपद पंचायत सोहागपुर जिला शहडोल (म.प्र.)

क्र/ग्रा.पं./निविदा/ दिनांक-03/08/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत विक्रमपुर क्षेत्रान्तर्गत होने वाले सभी निर्माण कार्यो हेतु वित्तीय वर्ष 2026-2027 (31 मार्च 2027 तक के लिये) सभी सामग्री प्रदाताओं से विभिन्न सामग्री प्रदाय हेतु निविदा (दर) आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत सामग्री प्रदाता अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 25/08/2026 को अपरान्ह 01.00 बजे तक प्रस्तुत करें तथा उसी दिन 01.15 बजे अपरान्ह सामग्री प्रदायकर्ताओं के समक्ष खोला जावेगा।

निम्नलिखित प्रारूप में निविदा प्रस्तुत की जावे

क्र.	सामग्री का नाम	इकाई	दर	GST % (CGST+SGST)
1	गिट्टी 20 mm, गिट्टी 40 mm, सीमेन्ट, रेत, सरिया (8,10,12, 16 mm), ईट (लाल), ईट (फ्लाईएश), सेन्ट्रिग प्लेटस मिक्सर मशीन, मुरुम, टाइल्स एवं अन्य निर्माण आवश्यक निर्माण सामग्री			

नोट- अधिक जानकारी के लिये ग्राम पंचायत में उपस्थिति होकर जानकारी ली जा सकती है। सामान्य शर्ते
1. सामग्री से संबंधित समस्त करों का भुगतान सामग्री प्रदायकर्ता द्वारा किया जावेगा, 2. सामग्री कार्यस्थल तक पहुंचाना आवश्यक होगा, 3. सामग्री मानक गुणवत्ता के अनुसार ही स्वीकार योग्य होगी, 4. कोटेशन/निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा, 5. सामग्री प्रदाय का आदेश जारी होने के बाद 3 दिवस के अंदर सामग्री कार्य स्थल पर प्रदाय किया जाना आवश्यक होगा, अन्यथा प्रदाय आदेश स्वत्तः निरस्त माना जावेगा, 6. सामग्री प्रदाय आदेश में दर्शायी गई सामग्री की मात्रा कम या अधिक की जा सकती है, 7. सामग्री प्रदाय हेतु कोई अग्रिम राषि का भुगतान नहीं किया जावेगा, 8. सामग्री दिये गये स्वीकृत नमूने के अनुसार ही हो, अन्यथा देयक भुगतान की जिम्मेदारी कार्यालय की नहीं होगी, 9. सामग्री का भुगतान कार्य की भौतिक प्रगति / उपयंत्री के मूल्यांकन अनुसार किया जवेगा, 10. निर्माण सामग्री प्रदायकर्ता को जी.एस.टी. आदि कर की राषि कार्यालय द्वारा भुगतान नही की जावेगी।

ग्राम रोजगार सहायक सचिव सरपंच

गणित : डिजिटल युग की नई पहचान

कंप्यूटर, इंटरनेट, स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और आधुनिक तकनीकों ने हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। पढ़ाई से लेकर बैंकिंग, चिकित्सा, संचार और मनोरंजन तक तकनीक का उपयोग बढ़ रहा है। इस पूरी डिजिटल दुनिया की मजबूत नींव गणित और विज्ञान पर टिकी है। इनके बिना आधुनिक तकनीक की कल्पना करना कठिन है।

गणित, तकनीक की भाषा

वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीकी प्रक्रियाओं को समझने में गणित महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कंप्यूटर की कार्यप्रणाली से लेकर मोबाइल ऐप, ऑनलाइन भुगतान, बैंकिंग और उपग्रह संचार तक अनेक क्षेत्रों में गणित का इस्तेमाल होता है। कंप्यूटर मुख्य रूप से 0 और 1 की बाइनरी प्रणाली पर काम करता है। प्रोग्रामिंग, एल्गोरिदम, डेटा विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में भी गणितीय तर्क और गणनाओं का विशेष महत्व है।

शिक्षा में डिजिटल बदलाव

डिजिटल तकनीक ने शिक्षा के पारंपरिक तरीकों को भी बदल दिया है। विद्यार्थी अब ऑनलाइन कक्षाओं, ई-पुस्तकों, डिजिटल पुस्तकालयों और शैक्षणिक ऐप के माध्यम से पढ़ाई कर सकते हैं। गणित और विज्ञान जैसे विषयों को समझाने के लिए एनीमेशन, वीडियो, सिमुलेशन और वर्चुअल प्रयोगशालाओं का उपयोग किया जा रहा है। इससे कठिन अवधारणाओं को दृश्य रूप में समझना आसान हो जाता है।

चिकित्सा क्षेत्र में तकनीक का योगदान

स्वास्थ्य सेवाओं में भी गणित और विज्ञान का प्रभाव दिखाई देता है। आधुनिक मशीनों की मदद से बीमारियों की पहचान पहले की तुलना में अधिक तेजी से और सटीक तरीके से की जा सकती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बड़ी मात्रा में चिकित्सा संबंधी डेटा का विश्लेषण करने में सहायता करती है। वैज्ञानिक अनुसंधान के कारण नई दवाओं, टीकों और उपचार तकनीकों का विकास संभव हुआ है।

भविष्य की तैयारी में विद्यार्थियों की भूमिका

डिजिटल युग में केवल तकनीक का उपयोग करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके पीछे काम करने वाले विज्ञान और गणित को समझना भी जरूरी है। विद्यार्थियों को गणितीय तर्क, वैज्ञानिक सोच, समस्या समाधान और डिजिटल कौशल विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए। यही क्षमताएं उन्हें भविष्य की तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करेंगी।

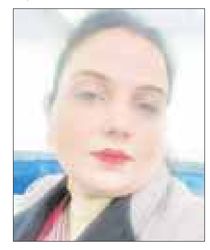

दीपशिखा गुप्ता

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, दमोहनाका, जबलपुर

डेटा और ग्राफ, आंकड़े कैसे बोलते हैं?

सिर्फ संख्याओं की लंबी सूची देखकर किसी निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी विद्यार्थी के पांच परीक्षाओं के अंक 55, 62, 71, 68 और 80 हैं, तो इन संख्याओं को देखकर प्रदर्शन में सुधार का अंदाजा लगाना थोड़ा कठिन है। लेकिन इन्हीं आंकड़ों को ग्राफके रूप में प्रस्तुत किया जाए तो बढ़ते या घटते प्रदर्शन को तुरंत समझा जा सकता है। यही कारण है कि डेटा को चित्रात्मक रूप में दिखाना बहुत उपयोगी होता है।

बार ग्राफ- तुलना को बनाता है आसान

बार ग्राफमें आंकड़ों को अलग-अलग पट्टियों या स्तंभों के माध्यम से दिखाया जाता है। जैसे किसी कक्षा में अलग-अलग विषयों में विद्यार्थियों के औसत अंक दिखाने हों तो प्रत्येक विषय के लिए एक बार बनाया जा सकता है। बार की ऊंचाई देखकर आसानी से पता चल जाता है कि किस विषय में प्रदर्शन बेहतर रहा और किसमें सुधार की जरूरत है।

लाइन ग्राफ- बदलाव की कहानी

जब आंकड़े समय के साथ बदलते हैं, तब लाइन ग्राफबहुत उपयोगी होता है। जैसे पूरे सप्ताह के तापमान, किसी कंपनी की बिक्री या किसी विद्यार्थी के मासिक परीक्षा परिणाम को लाइन ग्राफसे दिखाया जा सकता है। रेखा ऊपर जाती है तो वृद्धि और नीचे आती है तो कमी का संकेत मिलता है। इस तरह लाइन ग्राफआंकड़ों में छिपे बदलाव को स्पष्ट करता है।

पाई चार्ट- पूरे हिस्से को समझने का तरीका

पाई चार्ट किसी कुल मात्रा को अलग-अलग हिस्सों में बांटकर दिखाता है। उदाहरण के लिए, विद्यार्थी अपने एक दिन के समय का कितना हिस्सा पढ़ाई, खेल, नींद और मनोरंजन में बिताते हैं, इसे पाई चार्ट के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है। इसमें पूरा वृत्त 100 प्रतिशत को दर्शाता है और प्रत्येक हिस्सा कुल में अपनी भागीदारी बताता है।

डेटा से निष्कर्ष निकालना सीखें

ग्राफ देखने का उद्देश्य केवल उसे पढ़ना नहीं, बल्कि उससे सही निष्कर्ष निकालना है। यदि किसी ग्राफमें लगातार तीन महीनों तक बिक्री बढ़ रही है, तो हम वृद्धि की प्रवृत्ति पहचान सकते हैं। इसी तरह परीक्षा के आंकड़ों से यह पता लगाया जा सकता है कि किन विषयों में विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर है और किन विषयों में अतिरिक्त अभ्यास की आवश्यकता है।

गणित से डेटा तक, डेटा से निर्णय तक

आज के डिजिटल युग में डेटा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। मौसम की भविष्यवाणी, खेलों का विश्लेषण, ऑनलाइन खरीदारी, स्वास्थ्य सेवाएं और वैज्ञानिक अनुसंधानकृहर क्षेत्र में आंकड़ों का उपयोग होता है। इसलिए कक्षा 8 से ही डेटा और ग्राफको समझना विद्यार्थियों में तार्किक सोच और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है।

गणित, करके सीखिए

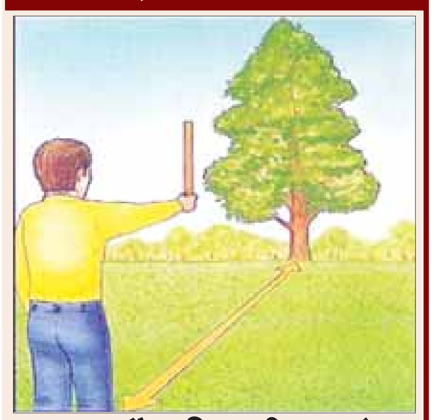

छाया और गणित की मदद से जानिए पेड़ या इमारत की ऊंचाई

क्या आपने कभी सोचा है कि बिना सीढ़ी चढ़े या लंबे फीते के किसी पेड़, खंभे या इमारत की ऊंचाई कैसे मापी जा सकती है? इसके लिए किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं है। सूरज की रोशनी, छाया और थोड़ा-सा गणित आपकी मदद कर सकता है। यह एक आसान गणितीय प्रयोग है, जिसे विद्यार्थी स्कूल या घर के आसपास सुरक्षित स्थान पर कर सकते हैं।

जरूरी सामान

इस प्रयोग के लिए एक मीटर की छड़ी या लगभग ज्ञात लंबाई वाली सीधी वस्तु, जमीन पर निशान लगाने के लिए चॉक और मापने के लिए सामान्य स्केल या छोटा माप उपकरण पर्याप्त है। जिस पेड़ या खंभे की ऊंचाई पता करनी है, वह सूर्य की रोशनी में खड़ा होना चाहिए और उसकी छाया जमीन पर स्पष्ट दिखाई देनी चाहिए।

प्रयोग कैसे करें?

सबसे पहले जमीन पर खड़ी छड़ी की लंबाई माप लें। मान लीजिए छड़ी की लंबाई 1 मीटर है। अब उसी समय छड़ी की छाया की लंबाई मापिए। उदाहरण के लिए, यदि छड़ी की छाया 0.5 मीटर आती है और पेड़ की छाया 6 मीटर लंबी है, तो छड़ी और पेड़ पर सूर्य की किरणों का कोण समान होने के कारण दोनों आकृतियों से समान आकार के समकोण त्रिभुज बनते हैं। अब अनुपात का उपयोग करके पेड़ की ऊंचाई निकाली जा सकती है, पेड़ की ऊंचाई भागित पेड़ की छाया बराबर छड़ी की ऊंचाई भागित छड़ी की छाया। हमारे उदाहरण में

पेड़ की ऊंचाई भागित 6 बराबर 1 भागित 0.5। इससे पेड़ की ऊंचाई 12 मीटर प्राप्त होती है।

ऐसा क्यों होता है?

सूरज की किरणें बहुत दूर से लगभग समान दिशा में आती हैं। इसलिए एक ही समय पर खड़ी छड़ी और पेड़ की ऊंचाई तथा उनकी छाया से बने त्रिभुज समानुपाती होते हैं। यानी वस्तु जितनी ऊंची होगी, उसी अनुपात में उसकी छाया भी लंबी या छोटी होगी। इसी गणितीय संबंध का इस्तेमाल करके बिना ऊंचाई पर पहुंचे ऊंचाई का अनुमान लगाया जा सकता है।

सही परिणाम के लिए ध्यान रखें

प्रयोग करते समय छड़ी बिल्कुल सीधी खड़ी होनी चाहिए और उसका आधार जमीन पर मजबूती से टिका होना चाहिए। पेड़ और छड़ी की छाया एक ही समय में मापनी चाहिए। जमीन समतल हो तो परिणाम अधिक बेहतर मिलेगा। बादल या बदलती धूप के कारण छाया की लंबाई तेजी से बदल सकती है, इसलिए दोनों छायाओं को लगभग एक ही समय पर मापना जरूरी है।

ज्ञान और विकास की आधारशिला है गणित

गणित मानव सभ्यता की प्रगति का आधार और ज्ञान-विज्ञान की महत्वपूर्ण भाषा है। यह केवल अंकों और सूत्रों का विषय नहीं, बल्कि तार्किक चिंतन, सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान की कला है। विज्ञान और तकनीक के विकास में गणित की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण है कि इसे सभी विज्ञानों की आधारशिला कहा जाता है।

प्राचीन भारत के महान गणितज्ञ आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भास्कराचार्य ने गणित के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शून्य की अवधारणा और दशमलव पद्धति जैसी उपलब्धियों ने विश्व की गणना प्रणाली को नई दिशा दी। आज कंप्यूटर, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, वास्तुकला, बैंकिंग, व्यापार और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में गणित का व्यापक उपयोग हो रहा है।

हमारे दैनिक जीवन का लगभग हर कार्य गणित से जुड़ा है। समय का प्रबंधन, धन का हिसाब-किताब, वस्तुओं की माप-तौल, दूरी और गति की गणना तथा किसी योजना का निर्माण, इन सभी में गणित काम आता है। गणित हमें अनुशासन, धैर्य, एकाग्रता और तार्किक सोच विकसित करना सिखाता है, जो जीवन में सफलता के लिए आवश्यक गुण हैं।

आज कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, उपग्रह तकनीक, मौसम पूर्वानुमान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों का विकास गणित के बिना संभव नहीं है। डेटा साइंस और डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव के साथ गणित का महत्व और अधिक बढ़ गया है। गणितीय गणनाएं और एल्गोरिदम आधुनिक तकनीक को कार्य करने में सहायता करते हैं।

गणित केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा और बेहतर करियर के लिए भी आवश्यक है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, वास्तुकला, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, डेटा साइंस, अनुसंधान और अनेक तकनीकी क्षेत्रों में गणित की मजबूत समझ विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होती है।

ज्योति कुमारी

कक्षा 10वीं, हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला
बीटी तिराहा, गढ़ा, जबलपुर

हम गणित नहीं पढ़ते, बल्कि हर दिन गणित के बीच रहते हैं

गणित सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं है। हम अपने आसपास ध्यान से देखें तो रेखाएं और कोण हर जगह दिखाई देते हैं। घर की खिड़की, दरवाजे, सड़क, बिजली के तार, पुल, सीढ़ियां, घड़ी की सुइयां और यहां तक कि मोबाइल की स्क्रीन भी रेखाओं और कोणों से जुड़ी होती हैं। ज्यामिति की यही मूल अवधारणाएं हमारे आसपास की वस्तुओं को आकार और संरचना देती हैं।

रेखा क्या है?- दो बिंदुओं के बीच खींची गई सीधी आकृति को रेखाखंड कहा जाता है, जबकि दोनों दिशाओं में अनंत तक बढ़ने वाली सीधी आकृति रेखा कहलाती है। हमारे घर की दीवार का किनारा, सड़क की सीधी पट्टी या कॉपी के पन्ने की लाइन इसके आसान उदाहरण हैं। गणित में रेखाओं को उनकी स्थिति और दिशा के आधार पर अलग-अलग प्रकार से समझा जाता है।

समानांतर रेखाएं, जो कभी नहीं मिलतीं- रेलवे की पटरियां समानांतर रेखाओं का शानदार उदाहरण हैं। वे एक-दूसरे से लगभग समान दूरी पर चलते हुए आगे बढ़ती हैं। कॉपी की सीधी लाइनें, खिड़की की कुछ धारियां और सड़क की लेन भी समानांतर रेखाओं को समझने में मदद करती हैं। वास्तुकला और इंजीनियरिंग में समानांतर रेखाओं का विशेष महत्व है, क्योंकि वे संरचनाओं को व्यवस्थित और संतुलित बनाने में मदद करती हैं।

लंबवत रेखाएं, जहां बनता है 90 डिग्री का कोण- जब दो रेखाएं एक-दूसरे को समकोण पर काटती हैं, तो उन्हें लंबवत रेखाएं कहते हैं। कमरे की फर्श और दीवार, किताब के दो किनारे तथा खिड़की के चौकोर फ्रेम में हमें लंबवत रेखाएं दिखाई देती हैं। इनका उपयोग इमारतों, पुलों और मशीनों की संरचना को मजबूत और संतुलित बनाने में किया जाता है।

कोण, दिशा बदलने का गणित- जब दो किरणें एक ही बिंदु से निकलती हैं, तो उनके बीच बनने वाली आकृति को कोण कहते हैं। घड़ी की सुइयों के बीच बनने वाला कोण इसका सबसे आसान उदाहरण है। सड़क पर मोड़, दरवाजे का खुलना, कैंची का चलना और सीढ़ियों का झुकावकृइन सभी को कोणों के माध्यम से समझा जा सकता है।

कोणों के कई रूप- 90 डिग्री से छोटा कोण न्यून कोण, 90 डिग्री का कोण समकोण और 90 से बड़ा लेकिन 180 डिग्री से छोटा कोण अधिक कोण कहलाता है। 180 डिग्री का कोण सरल कोण होता है। इन कोणों को पहचानना केवल परीक्षा के लिए जरूरी नहीं, बल्कि नक्शे, डिजाइन, वास्तुकला और इंजीनियरिंग को समझने में भी उपयोगी है।

शब्द पहेली - 8946

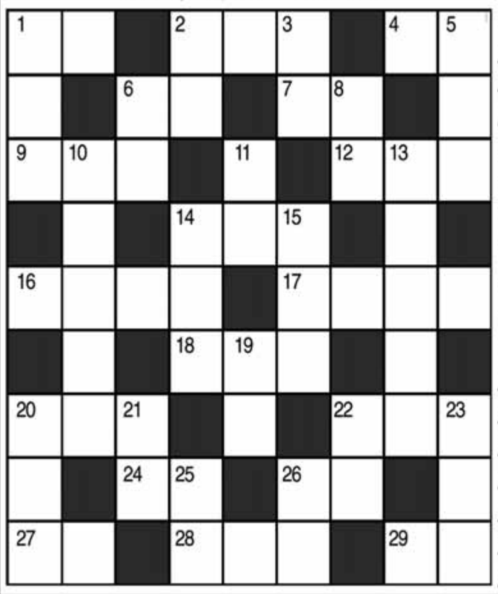

बाएँ से दाएँ

1.आकाश,व्योम-2
2.नाजुक,मुलायम-3
4.हार,पराजय-2
6.संध्या,सांझ,गोधूलि-2
7.जोर,बल-2
9.सोना,धतूरा-3
12.नाप-जोख करना-3
14.सिक्कों की आवाज-3
16.रहस्यज्ञाता-4
17.तालाब,ताल,तलैया-4
18.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
20.गिरवी वस्तु-3
22.सैनिक कार्रवाई-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.बर्तन-2
27.सुर,क्रम-2
28.वाचन करने वाला-3
29.पितामह-2

ऊपर से नीचे

1.लवण-3
2.भीगा हुआ-2
3.खुमार,नशा-2
5.सर्दी में हाथ सेंकना-3
6.भाजी,सब्जी,तरकारी-2
8.इंकार,मनाही-2
10.मस्जिद,नमाज पढ़ने की जगह-5
11.आम जनता-2
13.लालन-पालन-5
14.इमाम दस्ता -3
15.वचन,प्रतिज्ञा-3
19.रुखसार,कपोल-2
20.पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21.नाखून-2
22.सखा,दोस्त-2
23.निजात,छुटकारा-3
25.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26.पवित्र-2

शब्द पहेली -8945 का हल

म	हा	का	ल		च	र	क	
त	र		ह		कि		ला	क
वा		ह	जा	म	त			सू
ला	य	क		द		ना	सू	र
		ला	वा		व	जु		
ना	प	ना		आ		क	या	स
य			म	हा	न	ता		र
क	था		जा		र		सी	ता
	ल	ल	क		म	हा	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वतंत्र मत
जबलपुर
मंगलवार 11 अगस्त 2026

बाघ का हमला: एक व्यक्ति और दो मवेशियों की मौत

जंगल में मिला पाड़रवानी के 48 वर्षीय देवकराम का शव, फारेस्ट ने की अपील

बालाघाट/कटंगी(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिले के खैरलांजी वन परिक्षेत्र के कटोरी सर्किल अंतर्गत छतेरा बीट के कक्ष क्रमांक 809 सती टोला के पास रविवार की दोपहर 12 बजे से शाम 05 बजे के बीच वन्य प्राणी बाघ के हमले में एक ग्रामीण सहित दो पालतू मवेशियों की मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान तिरोडी थाना क्षेत्र के ग्राम पाड़रवानी निवासी देवकराम पिता श्यामलाल वाघमारे, उम्र 48 वर्ष के रूप में हुई है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे ग्रामीणों को देवकराम का शव जंगल में क्षत-विक्षत अवस्था में मिला। शव के पास ही दो पालतू मवेशी भी मृत पड़े थे। बताया जा रहा है कि देवकराम के शरीर पर बाघ के पंजे के स्पष्ट निशान पाए गए हैं। मौके पर पहुंचे फॉरेस्ट विभाग ने मृतक के परिजनों को तत्काल 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की, शव का पुलिस ने पोस्टमार्डम के पश्चात परिजनों को सौंपा।

जानकारी के अनुसार, देवकराम प्रतिदिन की तरह रविवार 10 अगस्त की सुबह करीब 11 बजे घर के पालतू मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर निकले थे। उनके साथ गाय-बैल भी थे। शाम तक मवेशी वापस लौट आए, लेकिन देवकराम नहीं आए। पहले परिवार ने सोचा कि शायद देर हो गई होगी, लेकिन जब देर शाम तक वह नहीं लौटे तो परिजनों की चिंता बड़ गई। रात में ही परिवार के लोग और गांव के कुछ युवक टॉर्च लेकर जंगल की ओर गए और देर रात तक देवकराम को तलाशा, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह फिर से बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन जंगल में निकले। सुबह करीब 7 बजे सती टोला के पास कक्ष क्रमांक 809 में देवकराम का शव देखा गया। शव के 20-30 मीटर की दूरी पर दो मवेशी भी मरे हुए थे। शव को देखकर लग रहा था कि बाघ ने हमला कर उन्हें मार डाला है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तिरोड़ी पुलिस और वन विभाग को खबर दी। सूचना मिलते ही उपवनमंडल अधिकारी यशपाल मेहरा, वन परिक्षेत्र अधिकारी खैरलांजी दीपचंद वासनिक, वन परिक्षेत्र अधिकारी कटंगी बाबूलाल चड़ार वन अमले के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए तिरोड़ी का पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए शव को कब्जे में लिया। कुछ देर के लिए ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा गया। ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में बाघों की आवाजाही लगातार बड़ रही है, लेकिन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी और आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवार को नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। तिरोड़ी पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक कायम कर जांच शुरू कर दी है। सुबह साड़े 10 बजे शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी भेजा गया। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो पाएगी, लेकिन प्राथमिक दृष्टि में यह बाघ का हमला ही माना जा रहा है। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे अकेले जंगल न जाएं और मवेशियों को भी समूह में ही चराएं। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम पंचायत मिरगपुर के सरपंच दीपक देशमुख भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने वन विभाग से मांग की कि पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाए। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सती टोला, छतेरा, मिरगपुर और पाड़रवानी के आसपास के जंगल में अक्सर बाघ देखा जाता है। किसान और चरवाहे सुबह-शाम जंगल जाते हैं, जिससे टकराव की संभावना बड़ गई है। इधर, सरपंच दीपक देशमुख ने बताया कि देवकराम कल मवेशी को चराने जंगल की ओर गए थे, देर शाम तक घर नहीं पहुंचे तो उन्हें तलाश शुरू की गई। आज सुबह उनका शव जंगल में पाया गया और दो गाय भी मृत पाई गई, जिन्हें बाघ ने हमला कर मार दिया है। वन विभाग ने तत्काल मृतक के परिजनों को 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि दी गई हैं वहीं 24 घंटे के भीतर 8 लाख का मुआवजा राशि और एक माह के भीतर शासन द्वारा शेष राशि प्रदान करने का आश्वासन दिया गया हैं। घटना के बाद पांडरवानी और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बना हुआ है। वन परिक्षेत्र अधिकारी दीपचंद वासनिक ने बताया, प्रारंभिक जांच में यह बाघ का हमला प्रतीत हो रहा हैं। शव पर मिले निशान और घटनास्थल की स्थिति से यही स्पष्ट होता है। हमने टीम गठित कर क्षेत्र में सर्चिंग शुरू कर दी है। ग्रामीणों से अपील है कि वे सतर्क रहें और शाम होते ही जंगल से वापस आ जाएं। मवेशी गारा स्थल पर ट्रैप कैमरा लगाया गया है, जिसके माध्यम से हिंसक वन्यप्राणी बाघ की निरंतर निगरानी की जा रही है। वन अमला आसपास के क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रहा है तथा बाघ के विचरण से संबंधित साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं।

इनका कहना हैं

हमें सुबह जानकारी मिलते ही मौके पर पाढ़रवानी पहुंचे और पीड़ित परिवार को अंतिम सस्कांर के लिए 50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई हैं। हम पीड़ित परिवार के साथ हैं। सभी औपचारिकताएं पूरी कर जल्द से जल्द मुआवजा राशि दिलाने का प्रयास किया जाएगा। क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और ग्रामीणों से जंगल की ओर अकेले नहीं जाने की अपील की है। साथ ही लोगों को सतर्क रहने और वन क्षेत्र में किसी भी वन्यजीव की गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल वन विभाग को सूचना दे।

यशपाल मेहरा
उपवनमंडल अधिकारी, कटंगी

शराबबंदी की ओर ग्रामीणों ने उठाया कदम

कटंगी(स्वतंत्र मत)। नशे के खिलाफ ग्रामीणों ने अब खुद मोर्चा संभाल लिया है। जनपद पंचायत और थाना कटंगी के अधीन आने वाली ग्राम पंचायत बनेरा के लोगों ने गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए शराबबंदी का फैसला लिया है। सोमवार 10 अगस्त की दोपहर 12 बजे स्कूल परिसर मैदान में आयोजित सार्वजनिक बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अब गांव में किसी भी प्रकार की देशी-विदेशी और हाथ भट्टी की कच्ची शराब की बिक्री नहीं होने दी जाएगी। बैठक की अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच भागचंद पटले ने की। बैठक में पंचगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य गांव में बड़ती शराब की लत और उससे होने वाले सामाजिक-आर्थिक नुकसान पर चर्चा करना था। सरपंच भागचंद पटले ने कहा शराब के कारण हमारे गांव के कई परिवार बर्बाद हो रहे हैं। युवा नशे की लत में फंसकर पड़ाई और काम छोड़ रहे हैं। घरों में झगड़े बड़ रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम सब मिलकर अपने गांव को नशा मुक्त बनाएं। बैठक में ग्रामीणों ने खुलकर अपने विचार रखे। सभी ने माना कि शराब की वजह से स्वास्थ्य खराब हो रहा है, खेती-काम पर असर पड़ रहा है और घरों की बचत भी खत्म हो रही है। ग्रामीणों के बीच हुई लंबी चर्चा के बाद 3 अहम निर्णय लिए गए कि बनेरा गांव की सीमा के अंदर किसी भी प्रकार की देशी, विदेशी और हाथ भट्टी की कच्ची शराब बनाने, बेचने और पीने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। अगर कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से शराब बेचते या पिलाते पाया गया तो ग्रामीण मिलकर उसकी शिकायत पुलिस में करेंगे और उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करवाई जाएगी। स्कूल और आंगनवाड़ी के माध्यम से बच्चों और महिलाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाएगा। बैठक में मौजूद बालक दास मेश्राम, कमलेश राउत, राकेश मेश्राम, उमाशंकर मर्सकोले, बालकृष्ण बिसेन, संतोष बिसेन सहित अन्य ग्रामीणों ने इस निर्णय का समर्थन किया। गांव की महिलाओं ने भी शराबबंदी के फैसले का स्वागत किया और कहा कि इससे घरों की शांति वापस आएगी। फिलहाल पूरे गांव में शराबबंदी के फैसले की चर्चा है और ग्रामीण इस अभियान को सफल बनाने के लिए एकजुट दिखाई दे रहे हैं।

बनेरा को नशा मुक्त बनाने में जुटे ग्रामीण, अवैध शराब बेचने वालों पर होगी कानूनी कार्रवाई

नवेगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, महाराष्ट्र के 13 जुआरियों सहित 14 गिरफ्तार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना ग्रामीण नवेगांव पुलिस ने ग्राम खुरसोड़ी में जुआ खेल रहे 14 आरोपियों को पकड़कर बड़ी कार्रवाई की है। पकड़े गए आरोपियों में महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के 13 आरोपी शामिल हैं, जबकि एक आरोपी बालाघाट जिले का निवासी है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 50 हजार 200 रुपये नगद, 14 एंड्राइड मोबाइल फोन, ताश के पत्तों की तीन गड्डियां और तीन चारपहिया वाहन जब्त किए हैं। जब्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब 38 लाख 200 रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक बालाघाट द्वारा जिले में जुआ, सट्टा, अवैध शराब एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए सभी थाना प्रभारियों को

निर्देशित किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी ग्रामीण नवेगांव उपनिरीक्षक रमेश कुमार जाट की टीम को 9 अगस्त 2026 को सूचना मिली कि ग्राम खुरसोड़ी में ओमप्रकाश नगपुरे के गोदाम के टीन शेड के नीचे कुछ लोग ताश के पत्तों पर हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर जुआ खेल रहे 14 लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने मौके से एवं आरोपियों के कब्जे से 1,50,200 नगद तथा ताश के 52 पत्तों की तीन गड्डियां बरामद कीं। इसके अलावा 14 एंड्राइड मोबाइल फोन जब्त किए गए, तीन इस प्रकार कुल जब्त मशरूका की कीमत करीब 38 लाख 200 रुपये है। पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों में ओमप्रकाश नगपुरे उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम चारगांव, शिवकुमार खैरवार उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम अर्जुनी, नरेश नागरीकर उम्र 54 वर्ष, निवासी ग्राम नागरा, आदित्य तुरकर उम्र 21 वर्ष, निवासी ग्राम कन्हारटोला, भरत लिल्हारे उम्र 46 वर्ष, निवासी ग्राम नागरा, कमलेश नगपुरे उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम पाण्डरा बूढ़ी, मंगल मसकरे उम्र 44 वर्ष, निवासी ग्राम मुरपार, सुधीर रोडगे उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम चारगांव, रंजीत बरेले उम्र 48 वर्ष, निवासी ग्राम चारगांव, विशाल मेण्डे उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम सिरपुर, पंकज नगपुरे उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम चारगांव, खेमेन्द्र बिरनवार उम्र 39 वर्ष, निवासी ग्राम चारगांव तथा जगदीश प्रसाद तिवड़े उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम सावरीटोला, सभी थाना रावणवाड़ी अथवा गोंदिया ग्रामीण क्षेत्र, जिला गोंदिया, महाराष्ट्र के निवासी हैं।

घर-घर तिरंगा अभियान को हर नागरिक सफल बनाएं: राजेश पाठक

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता राजेश पाठक ने देशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन का अभियान बनाने और इसमें उत्साहपूर्वक सहभागिता करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल देश का राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, गौरव, त्याग और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पूरे सम्मान और गरिमा के साथ तिरंगा फहराकर देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी और प्रेम को अभिव्यक्त करे। राजेश पाठक ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी स्वतंत्रता उत्सव आंदोलन है। इसका उद्देश्य देश के नागरिकों को अपने घरों, कार्यस्थलों और संस्थानों पर गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करना है। इस अभियान की शुरुआत वर्ष 2022 में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत की गई थी। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने देशभर

में राष्ट्रीय ध्वज को लेकर लोगों के मन में एक नई भावना और व्यक्तिगत जुड़ाव पैदा किया है। पहले जहां तिरंगा मुख्य रूप से राष्ट्रीय पर्वों और सरकारी आयोजनों में दिखाई देता था, वहीं 'हर घर तिरंगा' अभियान के माध्यम से आम नागरिक भी अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त कर रहे हैं। राजेश पाठक ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिनके प्रयासों से देश को आजादी मिली। तिरंगा हमें उन वीरों की याद दिलाता है जिन्होंने राष्ट्र की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि बालाघाट जिले में भी हर घर, हर परिवार और हर संस्थान इस अभियान से जुड़े। युवा, महिलाएं, विद्यार्थी, व्यापारी, सामाजिक संगठन और विभिन्न संस्थाएं मिलकर अभियान को व्यापक जनभागीदारी का रूप दें। राजेश पाठक ने कहा कि हम सभी को मिलकर 'हर घर तिरंगा' अभियान को सफल बनाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बालाघाट जिले का हर घर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा नजर आए। उन्होंने नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा देश की एकता और अखंडता के संदेश को मजबूत करने की अपील की।

आरसेटी में 13 दिवसीय महिलाओं का लघु उद्यमिता का प्रशिक्षण सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, उमरिया में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत अंतर्गत 13 दिवसीय लघु उद्यमिता का प्रषिक्षण कार्यक्रम का समापन रविवार 9 अगस्त को (आरसेटी . निर्देषक) डा. तरूण कुमार सिंह, अभिषेक आनंद पाण्डेय (एस.बी.आई. मुख्य प्रबंधक-मुख्य शाखा उमरिया), सतीष वर्मा (लेखापाल मुख्य शाखा उमरिया)एवं पत्रकार कृष्ण कुमार शुक्ला एवं आरसेटी स्टाफ संकाय सदस्य आषीष पटेल की उपस्थिती में किया गया। आरसेटी निर्देषक डा. तरूण कुमार सिंह ने सभी प्रषिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि 13दिवसीय लघु उद्यमिता के प्रषिक्षण के दौरान जो भी गुण सीखा है, उसे व्यवसायिक रूप से उपयोग में

लाए जिससे ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ हो सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभिषेक आनंद पाण्डेय द्वारा सभी प्रषिक्षणार्थियों को सफलता पूर्वक प्रषिक्षण प्राप्त करने की बधाई दी एवं आगे सतत रूप से कार्य करने के लिये कहा।साथ ही सभी अतिथियों द्वारा भी सभी प्रषिक्षणार्थियों का उत्साह वर्धन करते हुये सभी प्रषिक्षणार्थियों को अपनी शुभकामनायें दी। अंत में सभी प्रषिक्षणार्थियों को प्रषिक्षण प्रमाण पत्र वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया एवं निर्देषक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

बालिका छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित छात्राओं को पॉक्सो एक्ट और अधिकारों की दी जानकारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में सोमवार 10 अगस्त को एससी-एसटी बालिका छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा से जुड़े कानूनों तथा किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा अपराध की स्थिति में उपलब्ध कानूनी सहायता के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर का आयोजन माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया श्री प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मोहन डावर के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती स्वाति कुशल धारीवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ जिला अभियोजन अधिकारी रविंद्र सिंह भी मौजूद रहे। शिविर के दौरान न्यायाधीश श्रीमती स्वाति कुशल धारीवाल ने छात्राओं को बच्चों के साथ होने वाले यौन अपराधों से संरक्षण प्रदान करने वाले पॉक्सो एक्ट के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को

बताया कि कानून बच्चों की सुरक्षा को लेकर काफी गंभीर और प्रभावी प्रावधान करता है। छात्राओं को किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार, उत्पीड़न अथवा अपराध की स्थिति में चुप रहने के बजाय इसकी जानकारी संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति, अभिभावक अथवा सक्षम अधिकारी को देने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने छात्राओं से संवाद करते हुए उनकी दिनचर्या एवं छात्रावास में होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में भी जानकारी ली। न्यायाधीश ने छात्राओं को उनके मौलिक एवं कानूनी अधिकारों से अवगत कराते हुए कहा कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है। कार्यक्रम में छात्राओं को यह भी बताया गया कि जरूरत पड़ने पर वे विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकती हैं। छात्राओं से किसी भी समस्या को छिपाने के बजाय उचित माध्यम से शिकायत करने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति, जनजातीय कन्या छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती रीना सिंह, पैरालीगल वॉलेंटियर केके शुक्ला सहित छात्रावास की सैकड़ों छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने कानून एवं अपने अधिकारों से संबंधित जानकारी प्राप्त की तथा न्यायाधीश से अपनी जिज्ञासाओं और सवालों के संबंध में चर्चा भी की। शिविर के माध्यम से छात्राओं को न केवल पॉक्सो एक्ट की जानकारी मिली, बल्कि उन्हें यह संदेश भी दिया गया कि कानून उनकी सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव उनके साथ है।

आदर्श कॉलेज में हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारत देश की आन बान शान का प्रतीक तिरंगा है जिससे देश की स्वतंत्रता,एकता. अखंडता और संप्रभुता प्रदर्शित होती है। इस तिरंगे के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की धारा से छात्र-छात्राओं को जोड़ने के लिए शासन द्वारा निर्देशित हर घर तिरंगा एवं वंदे मातरम सम्मान कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नियाज अहमद अंसारी के संरक्षण एवं राष्ट्रीय सेवा योजना ,भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में 10 अगस्त को राष्ट्रध्वज का महत्व विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं को राष्ट्रध्वज को अंगीकृत करने के संबंध में डॉक्यूमेंट्री तथा वक्ताओं ने अपने विचार में राष्ट्रीय ध्वज का महत्व इतिहास एवं ध्वज के नियम के

संबंध में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम को आयोजित करने में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री रेम सिंह, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ राजीव तिवारी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी सुश्री अपूर्व दाहयत सहित डॉ रिचा तिवारी ,डॉ हरेंद्र कुमार,डॉ राजेंद्र प्रसाद सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।

विद्यालय जा रही छात्रा सड़क हादसे में घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)। सोमवार 10 अगस्त को चंदिया स्कूल में अध्ययनरत कक्षा ग्यारहवीं की दो छात्रा सड़क हादसे का शिकार हो गई। घटना चंदिया थाना अंतर्गत ग्राम सलैया की बताई जा रही है। बताया जाता है कि ये दोनों छात्राओं को परिजन अपने दो पहिया वाहन से हाइवे तक छोड़ने जा रहे थे,इसी दौरान मोड़ पर अचानक ट्रैक्टर आ गया, बताया जाता है कि इसी ट्रैक्टर से दो पहिया भीड़ गई, जिसमे ये दोनों छात्राएं गम्भीर रूप से चोटिल हुई है। बताया जाता है कि इस

हादसे में छात्राओं का पैर एवम शरीर मे कई जगह चोट पहुंची है,ये दोनों छात्राएं ग्राम सलैया निवासी आरती यादव एवं मीना यादव बताई जा रही है ।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से त्वरित 108 को जानकारी दी गई,जिसके बाद मौके पर पहुँची 108 एम्बुलेंस की मदद से दोनो छात्राओं को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया है,जहाँ प्राथमिक उपचार को दोनों घायल छात्राओं को कटनी रेफर किया गया है।

बाबा ऐसा मौका बार बार नहीं मिलेगा, एक साल के अंदर तुमको बना दूंगा करोड़पति बोलकर ठग लिए लाखों, एसपी से मिले पीड़ित

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले में कम समय में पैसा दोगुना करने का लालच देकर लोगों से लाखों रुपए ऐंठने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक अलग-अलग आवेदन देकर कथित डबल मनी फंड से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई और अपनी मूल राशि वापस दिलाने मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि एक महीने के भीतर जमा रकम दोगुनी कर वापस कर दी जाएगी। इसी लालच में उन्होंने अलग-अलग लोगों को कुल करीब 4.50-4.50 लाख रुपए यानी दोनों आवेदकों के अनुसार करीब 9 लाख रुपए दिए। शिकायत में पीड़ितों ने कुछ लोगों के नाम और उनके बैंक ऑनलाइन लेनदेन का भी उल्लेख किया है। उनका कहना है कि शुरुआत में संबंधित लोग समय पर पैसा लौटाने का भरोसा देते रहे लेकिन रकम वापस मांगने पर लगातार आज देंगे कल देंगे कहकर टालते रहे। अब करीब चार महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें उनकी रकम नहीं मिली है।

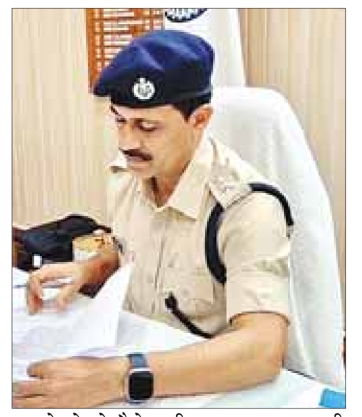

एक माह में होगी रकम दोगुनी

पुलिस अधीक्षक को दिए पहले आवेदन में अदनान अली निवासी ईदगाह कॉलोनी जवाहर वार्ड मंडला ने बताया कि जून 2026 में उनकी मुलाकात बातचीत के दौरान उन्हें बताया गया कि राशिद खान, साजिद खान और अयान खान उर्फ राजीव खान, निवासी राजीव कॉलोनी देवदरा एक ऐसी व्यवस्था से जुड़े हैं जिसमें पैसा लगाने पर एक महीने में रकम दोगुनी करके वापस कर दी जाती है। शिकायतकर्ता के अनुसार इस भरोसे में आकर उन्होंने अयान खान उर्फ राजीव खान को 2 जून को 50 हजार रुपए तथा 9 जून को 1.70 लाख रुपए दिए। इसके बाद राजीव खान के बड़े मामा बताए गए राशिद खान को 24 जून को 1 लाख रुपए नकद दिए गए। वहीं छोटे मामा बताए गए साजिद खान को 50 हजार रुपए दिए गए जिसमें कुछ राशि ऑनलाइन और कुछ नकद दिए जाने की बात आवेदन में कही गई है। आवेदन के मुताबिक राशिद और साजिद खान के साढ़ू भाई समीर खान, निवासी गोंदिया को भी 24 तारीख को ऑनलाइन माध्यम से 50 हजार रुपए दिए गए। इस तरह शिकायतकर्ता के अनुसार कुल 4.50 लाख रुपए अलग-अलग लोगों को दिए गए।

घर बैठे पैसे देने का दावा

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित लोग कई बार उनके घर आकर पैसे देने की बात कहते थे। उनका कहना था कि वे पैसे लेकर बैठे हैं और रकम कहीं नहीं जाएगी। इन बातों पर विश्वास करते हुए शिकायतकर्ता ने अपनी रकम वापस मिलने की उम्मीद बनाए रखी। आवेदन के अनुसार करीब एक माह बाद जब शिकायतकर्ता ने अपनी रकम के बदले दोगुने पैसे करीब 2 लाख रुपए की मांग की तो कथित रूप से उन्हें फिर आश्वासन दिया गया कि पैसा जल्द मिल जाएगा। लेकिन देखते ही देखते करीब चार महीने बीत गए और रकम वापस नहीं हुई।

लाखों नही करोड़ों का घपला

इसी मामले में मुजम्मिल अहमद खान निवासी राजीव कॉलोनी ने भी पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर इसी तरह की शिकायत की है। उन्होंने आवेदन में बताया कि जून 2026 में मोसीन खान निवासी ईदगाह चौक ने उन्हें बताया कि जितना पैसा दिया जाएगा उसे एक महीने में दोगुना करके वापस कर दिया जाएगा। मुजम्मिल अहमद के अनुसार उन्होंने भी इस भरोसे पर अयान खान उर्फ राजीव खान को 2 जून को 50 हजार रुपए और 9 जून को 1.70 लाख रुपए दिए। इसके अलावा राजीव खान के बड़े मामा बताए गए राशिद खान को 24 जून को 1 लाख रुपए नकद, छोटे मामा बताए गए साजिद खान को 50 हजार रुपए तथा राशिद और साजिद के साढ़ू भाई समीर खान को 50 हजार रुपए ऑनलाइन दिए गए। इस प्रकार दूसरे शिकायतकर्ता ने भी कुल 4.50 लाख रुपए दिए जाने का आरोप लगाया है।

आज देंगे तो कहा कल देंगे

दोनों आवेदनों में लगभग एक जैसे आरोप सामने आए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो संबंधित लोगों की ओर से उन्हें लगातार आश्वासन दिए जाते रहे। कभी पैसा मिलने की बात कही गई तो कभी अगले दिन भुगतान करने का भरोसा दिया गया। लेकिन समय बीतता गया और रकम वापस नहीं हुई। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि अब वे अपनी मूल रकम के लिए भी परेशान हैं। उन्होंने पुलिस से मामले की जांच कर उनकी रकम वापस दिलाने तथा संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि इसी तरह के मामले में बालाघाट पुलिस द्वारा कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनकी संपत्ति से पीड़ितों को राशि वापस दिलाई जा रही है। इसी आधार पर शिकायतकर्ताओं ने मंडला पुलिस से भी मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्यवाही मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि मंडला में भी कथित डबल मनी फंड के एजेंटों को पुलिस ने पिछले माह जुलाई में पूछताछ के लिए बुलाया था। शिकायतकर्ता के अनुसार एजेंटों को करीब चार दिन तक थाने में रखा गया और बाद में छोड़ दिया गया। इसके बाद से कुछ एजेंटों के करीब एक महीने से फरार होने का आरोप भी शिकायत में लगाया गया है।

कई लोगों से ठगी का आरोप

पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में दावा किया है कि कथित फंड के जरिए मंडला के कई अन्य लोगों से भी इसी तरह पैसा लिया गया है। यदि शिकायतों में लगाए गए आरोपों की जांच होती है तो इस मामले में पीड़ितों की संख्या और रकम का आंकड़ा बढ़ सकता है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर किस आधार पर लोगों को एक महीने में रकम दोगुनी करने का भरोसा दिया जा रहा था और इस पूरी व्यवस्था में कौन-कौन लोग शामिल थे पैसा किस खाते में जमा हुआ किसके माध्यम से लेनदेन किया गया और रकम लेने के बाद उसे कहां लगाया गया इन सभी बिंदुओं की जांच पुलिस के लिए महत्वपूर्ण होगी।

आदर्श चौरसिया महिला मंच ने किए कार्यक्रम

मण्डला। प्रदेश अध्यक्ष ममता चौरसिया तथा पूर्व अध्यक्ष अंजना चौरसिया के मार्गदर्शन तथा वर्तमान अध्यक्ष रिंकू रमन चौरसिया और उनकी टीम के नेतृत्व में बच्चों की ड्राइंग प्रतियोगिता और राखी मेकिंग प्रतियोगिता तथा महिलाओं के लिए कैटवॉक जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ड्राइंग प्रतियोगिता का मुख्य विषय आजादी पर्व जवान तथा पुलवामा हमला के साथ-साथ हमारी प्रकृति की रक्षा जैसे मुख्य विषय रखे गये थे राखी मेकिंग में भी बच्चों ने बहुत ही कलात्मक रूप से राखियां बनाई महिलाओं के लिए रखी गई कैटवॉक प्रतियोगिता का मुख्य विषय हरियाली तीज और नारी का श्रृंगार नारी और प्रकृति हमारी संस्कृति हमारी पहचान शालीनता और समाज को मुख्य संदेश रखा गया था कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि शिखा श्रीवास्तव अनीता गोयल, पूजा अग्रवाल के आतिथ्य में चौरासी महाराज की पूजा और दीप

प्रज्वलन से किया गया ममता चौरसिया द्वारा प्रार्थना गायन किया गया मुख्य अतिथि के साथ निर्णायक के रूप में आए पूजा राय रुद्राक्षि दीक्षित, सलोनी नंदा का स्वागत पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर किया गया समाज के इस कार्यक्रम में कीर्ति सराफ शिखा सोनी और रेखा सोनी ने भी भाग लिया ड्राइंग और राखी प्रतियोगिता में सभी बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार दिया गया ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सान्वी चौरसिया दूसरा स्थान युक्ति चौरसिया और तीसरा शिवाली चौरसिया ने लिया जिन्हें प्रथम स्थान दिया गया उन्होंने पुलवामा अटैक की मार्मिक ड्राइंग बनाया राखी मेकिंग में प्रथम शिवाली द्वितीय रुद्रांश और तृतीय मिष्ठी चौरसिया का लगा कैटवॉक सोलो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संगीता चौरसिया द्वितीय स्थान अर्पिता चौरसिया और तृतीय स्थान शिखा सोनी ने लिया आपसी रिश्ते के ताने बाने डुएट कैटवॉक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वर्षा तथा आयुषी चौरसिया मां बेटी की जोड़ी, द्वितीय स्थान हिना और शिवानी चौरसिया मां बेटी की जोड़ी और तृतीय स्थान तरुणा और युक्ति चौरसिया मां बेटी की जोड़ी को मिला कार्यक्रम को सफल बनाने में कोषाध्यक्ष राखी चौरसिया, उपाध्यक्ष ज्योत्सना चौरसिया उपाध्यक्ष मोनिका चौरसिया, सचिव वर्षा चौरसिया, पूर्व अध्यक्ष संजू चौरसिया आदि ने अपना योगदान दिया। श्रीमती कल्पना चौरसिया पूजा चौरसिया रानी चौरसिया मीना चौरसिया भावना चौरसिया रिचा चौरसिया पूजा राबी चौरसिया आदि लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

फिल्मी स्टाइल में की पेट्रोल पम्प में लूट

मण्डला(स्वतंत्रमत)

जिले के मेढ़ी क्षेत्र में बरेला-जबलपुर मुख्य मार्ग पर स्थित अतुलित फिलिंग स्टेशन में हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में डकैती की वारदात को अंजाम दिया। बिना नंबर की स्कॉर्पियो से पहुंचे करीब 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने कट्टे और अन्य हथियारों के दम पर पेट्रोल पंप कर्मचारियों को धमकाया और करीब 93 हजार 875 रुपये लूटकर फरार हो गए। पूरी वारदात पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीव्ही कैमरे में कैद हुई है। हथियारबंद बदमाशों को देखकर पेट्रोल पंप कर्मचारी अभिषेक पटेल बाउंड्रीवॉल कूदकर अपनी जान बचाते हुए मौके से भाग गया इसके बाद बदमाशों ने दूसरे कर्मचारी को कट्टा अड़ाकर उसकी जेब में रखे रुपये लूट लिए। वहीं तीन बदमाश पेट्रोल पंप के ऑफिस में घुसे। उन्होंने कांच के दरवाजे का लॉक तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दराज का लॉक तोड़कर उसमें रखे कैश के दो पैकेट निकाल लिए बदमाशों ने कर्मचारी की जेब और ऑफिस में रखी नकदी समेत

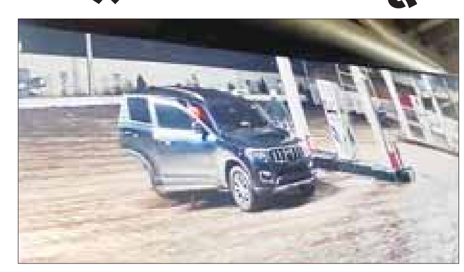

कुल 93,875 रुपये लूट लिए और कुछ ही मिनटों में स्कॉर्पियो से मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस द्वारा घटना से संबंधित तकनीकी साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं साथ ही उक्त प्रकरण में आरोपियों की गिरफ्तारी अथवा घटना से संबंधित महत्वपूर्ण सूचना देने वाले व्यक्ति के लिए 10 हजार नगद ईनाम की घोषणा की गई है पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

कार्यक्रम को लेकर समाज की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

कुर्मी समाज विकास संगठन के तत्वाधान में समाज में एकता सामाजिक सुधार का संदेश देते हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन समय समय पर किया जाता है। इसी श्रृंखला में समाज के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए आगामी दिनों में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन सरदार पटेल मंगल भवन एवं बिंझिया स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर किया जाएगा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन प्रातः 9 बजे आयोजित होगा। 15 अगस्त के शुभ अवसर पर समाज की ख्याति लब्ध मातृशक्तियों के कर कमलों से ध्वजारोहण किए जाने

पर भी विचार किया गया। तत्पश्चात 16 अगस्त दिन रविवार को प्रातः 11 बजे से जिला स्तरीय हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन सरदार पटेल मंगल भवन में आयोजित किया जा रहा है इसके अंतर्गत मेहंदी सजाओ अपने भाइयों के लिए हस्त निर्मित राखी बनाओ महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम हेतु कार्यशाला एवं समाज में पानी बंद करने जैसी कुप्रथाओं पर रोक कैसे लगे इस हेतु विभिन्न साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

आज से अनिश्चितकालीन कलमबंद की चेतावनी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश के कृषि विस्तार अधिकारियों ने ईएचआरएम एस ई-अटेंडेंस सहित वर्षों से लंबित मांगों के निराकरण को लेकर शासन के खिलाफ आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। कृषि विस्तार अधिकारियों के संगठन ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री को पत्र भेजकर मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है संगठन का कहना है कि कृषि विस्तार अधिकारी मुख्य रूप से मैदानी स्तर पर कार्य करते हैं। वे किसानों के खेतों और गांवों में पहुंचकर कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन नवीन कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार तथा किसानों की

समस्याओं के निराकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में ईएचआरएमएस प्रणाली के माध्यम से अनिवार्य ई-अटेंडेंस की व्यवस्था उनके मैदानी कार्यों में व्यावहारिक कठिनाइयां पैदा कर रही है कृषि विस्तार अधिकारियों ने ईएचआरएमएस प्रणाली में ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता समाप्त कर पूर्व व्यवस्था के अनुसार उपस्थिति दर्ज करने की मांग की है। संगठन ने कृषि विस्तार अधिकारी संवर्ग को वर्तमान 2400 ग्रेड पे के स्थान पर 2800 ग्रेड पे देने की मांग की है। इसके अलावा अतिरिक्त केंद्रों का दायित्व संभालने वाले अधिकारियों को वर्तमान में मिलने वाले 500 प्रतिमाह अतिरिक्त केंद्र भत्ते को बढ़ाकर 5,000 प्रतिमाह किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है संगठन ने बताया कि 3 अगस्त से चरणबद्ध आंदोलन लगातार जारी है लेकिन अभी तक शासन एवं विभाग की ओर से मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि 11 अगस्त तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे 11 अगस्त को भोपाल पहुंचकर मंत्री के समक्ष अपनी मांगें रखेंगे इसके साथ ही प्रदेश के समस्त कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा 11 अगस्त से अनिश्चितकालीन कलमबंद कार्य बहिष्कार शुरू करने की चेतावनी दी गई है।

श्रावण मास के द्वितीय सोमवार हुआ शिवालयों में अभिषेक पूजन

मंदिरों सहित घरों में चल रही रामचरितमानस पाठ व अखंड रामायण पाठ

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को नगर के समस्त शिवालयों में भूतभावन भगवान भोलेनाथ की भक्ति और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। सुबह से ही शिव भक्त मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए अपनी मनोकामनाओं की अर्जी भगवान शिव के चरणों में अर्पित करते रहे। पूरे दिन नगर का वातावरण ञ्हर-हर महादेवञ्ज और ञ्बम-बम भोलेञ्ज के जयघोष से गुंजायमान रहा।

इस पावन अवसर पर न केवल शिवालयों में, बल्कि नगर के विभिन्न मंदिरों और घर-घर में भी शिव अभिषेक एवं शिवार्चन का क्रम निरंतर चलता रहा। भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, पुष्प एवं फल अर्पित कर भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर दिनभर भगवान भोलेनाथ की उपासना की और परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना की प्रार्थना की। श्रावण सोमवार के इस विशेष दिन पर कांवड़ियों के जत्थे भी आकर्षण का केंद्र

रहे। विभिन्न समूहों में कांवड़िये मंडला से पवित्र नर्मदा जल लेकर नगर पहुंचे और शिव मंदिरों में विधिवत जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की। कांवड़ यात्रा के दौरान भक्ति गीतों और जयघोषों से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। नगर के प्रमुख शिवालयों-बुधवारी बाजार स्थित शिव मंदिर, बस स्टैंड के पास पीपलेश्वर मंदिर, खडेस्वरी मंदिर, वार्ड क्रमांक 9 स्थित हनुमान मंदिर परिसर, विश्राम भवन स्थित शिवालय तथा जायसवाल धर्मशाला स्थित शिव मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही। विशेष रूप से इस अवसर पर महिला भक्तों की संख्या पुरुषों की अपेक्षा अधिक देखने को मिली। महिलाओं ने पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ व्रत रखकर भगवान शिव की आराधना की और परिवार के कल्याण की कामना की। श्रावण सोमवार के इस पावन पर्व ने नगर को पूरी तरह भक्ति, आस्था और उल्लास के रंग में रंग दिया, जहां हर ओर शिवमय वातावरण का अनुभव किया गया।

आदिवासी दिवस पर दिखाई दी जनजाति सांस्कृतिक विरासत

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

अंतर्राष्ट्रीय देशज दिवस पर नैनपुर में समाज के विचारकों की गरिमामयी उपस्थिति में भव्य आयोजन किया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित ञ्इंटरनेशनल डे ऑफ द इंडिजीनस पीपुल्सञ्ज के अवसर पर 9 अगस्त को विश्वभर में 32वां अंतरराष्ट्रीय देशज दिवस हर्षोल्लास एवं सांस्कृतिक गौरव के साथ मनाया गया। इसी क्रम में नैनपुर में भी एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 74 ग्राम पंचायतों से जनजातीय समाज के युवा, मातृशक्ति एवं पितृशक्ति बड़ी संख्या में शामिल हुए। यह आयोजन गोंडवाना की समृद्ध परंपरा, संस्कृति और सामूहिक एकता का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा। कार्यक्रम का आयोजन अखिल गोंडवाना महासभा एवं गोंडवाना स्टूडेंट्स यूनियन नैनपुर के संयुक्त तत्वावधान में कृषि उपज मंडी परिसर में किया गया, जहां नैनपुर सहित आसपास के ग्रामों से आए जनजातीय समाज के लोग एकत्र हुए। कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल सांस्कृतिक रैली भी निकाली गई, जो कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर गोंडवाना तिराहा, निवारी, ब्लॉक कॉलोनी, सिवनी फाटक होते हुए पुलिस थाना मार्ग से गुजरकर पुनः मंडी परिसर में आकर संपन्न हुई। रैली में जनजातीय समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित होकर शामिल हुए।

गोंडी वाद्य यंत्रों की मधुर धुन, गोपन एवं तीर-कमान के साथ झूमते-गाते प्रतिभागियों ने जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा प्रस्तुत की। विशेष आकर्षण के रूप में मातृशक्तियो ने परंपरागत संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया गया, जिसने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता एवं इंजीनियर कमलेश तेकाम (मध्यप्रदेश), जो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं, सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से आए नीतू पन्द्रम राष्ट्रीय प्रवक्ता गोंडवाना महासभा, पूर्व विधायक डॉ अशोक मर्सकोले एवं पूर्व विधायक देव सिंह सैयाम की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। इस आयोजन ने न केवल जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया, बल्कि सामाजिक एकता, परंपरा और गौरव के संदेश को भी सुदृढ़ किया।

वाहन की खुली नीलामी 13 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अनुविभागीय अधिकारी बिछिया द्वारा जप्तशुदा वाहन की खुली नीलामी के लिए विज्ञप्ति जारी की गई है। जप्त वाहन टाटा इंडिगो कार क्रमांक सीजी-04-एमटी-8563 की खुली नीलामी 13 अगस्त को दोपहर 12 बजे थाना मोतीनाला परिसर में आयोजित की जाएगी। वाहन की ऑफसेट कीमत 38 हजार रुपये निर्धारित की गई है जबकि अमानत राशि 3 हजार 800 रुपये रखी गई है नीलामी में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति को 13 अगस्त को सुबह 11 बजे तक निर्धारित अमानत राशि सक्षम अधिकारी थाना प्रभारी मोतीनाला के समक्ष जमा करना अनिवार्य होगा इसके बाद ही बोली लगाने की पात्रता होगी।

जिले में 57.1 मिमी वर्षा दर्ज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में मानसून की सक्रियता के चलते सोमवार को विभिन्न तहसीलों में वर्षा दर्ज की गई। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त वर्षा संबंधी जानकारी के अनुसार 10 अगस्त को जिले में औसत 57.1 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार निवास में सर्वाधिक 117.4 मिमी तथा घुघरी में 106.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 10 अगस्त को मंडला में 31.4 मिमी, नैनपुर में 31.2 मिमी, बिछिया में 18.1 मिमी, निवास में 117.4 मिमी, घुघरी में 106.1 मिमी तथा नारायणगंज में 38.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

आर्थिक सहायता स्वीकृत

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राजस्व विभाग द्वारा सर्पदंश से मृत्यु के प्रकरण में मृतक के निकटतम वारसान को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्राम खुर्सीपार निवासी मिस्त्री लाल पिता हमीश की 25 मार्च को सर्पदंश से मृत्यु होना प्रतिवेदित किया गया था। तहसीलदार के राजस्व प्रकरण में प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शव परीक्षण रिपोर्ट में सर्पदंश से मृत्यु होना दर्ज है।

लोक अदालत 12 सितंबर को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में बैंक रिकवर, फाईनेंस, मोटर एक्सीडेंट क्लेम, ट्राफिक चालान, लेबर, लेंड, राजस्व आदि मुकदमा एवं न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों की प्रकृति अनुसार निराकरण कराने का प्रयास किया जायेगा।

जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में संचालित नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों एवं कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा के लिए सोमवार को योजना भवन में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना ने की बैठक में एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खड़े ट्रक से बाइक टकराई

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। सिविल लाइन पेट्रोल पंप के पास देर रात एक सड़क हादसा हो गया सड़क पर खड़े ट्रक से बाइक सवार युवक जा टकराया। हादसे में युवक घायल हो गया जिसकी पहचान सिमरिया निवासी के रूप में बताई जा रही है घटना की सूचना मिलते ही 112 वाहन मौके पर पहुंचा और घायल युवक को उपचार के लिए मंडला अस्पताल ले जाया गया बताया जा रहा है कि ट्रक की बैटरी खराब हो जाने के कारण चालक को ट्रक सड़क के बीच में खड़ा करना पड़ा था।

संपादकीय

भागवत की नसीहत

पिछले दिनों सरसंघचालक मोहन भागवत को जेन-जी और जेन-अल्फा के करीब युवाओं से बातचीत करनी पड़ी, क्योंकि इस पीढ़ी के रुझान, प्रतिबद्धताएं और राजनीतिक मानस तेजी से बदल रहे हैं। यह कहना चाहिए कि अब जेन-जी सबसे अहम राष्ट्रीय मुद्दा और सरोकार है। जो सत्ता में हैं अथवा सत्ता हासिल करने की इच्छा रखते हैं या प्रभावशाली जमात हैं, उन्हें सचेत हो जाना चाहिए, क्योंकि जेन-जी ने करवट बदलना और आंदोलनकारी विरोध करना सीख लिया है। उसका विरोध अब स्कूलों में 'दोपहर के भोजन' की गुणवत्ता संवार रहा है, पर्याप्त अध्यापकों की तुरंत नियुक्तियां की जा रही हैं, बाथरूम की बेहतर व्यवस्था की जा रही है और कक्षा में पंखों का बंदोबस्त करना पड़ा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चुनाव क्षेत्र विदिशा में जिस तरह स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ती थी, उस पर भी मप्र सरकार की आंख खुल गई है और समस्या का संज्ञान लेकर समाधान किया जा रहा है। जेन-जी की जो पीढ़ी आज किशोर है, वह 2029 के लोकसभा चुनाव तक बालिग होकर मतदाता बन जाएगी। यह संख्या 38-40 करोड़ बताई जा रही है। वह किसी भी पक्ष के जनादेश को पलटने की कूवत रखने की स्थिति में होगी, लिहाजा सरसंघचालक को हस्तक्षेप कर संवाद की शुरुआत करनी पड़ी है।

हालांकि आरएसएस के सरोकार राजनीतिक नहीं होते, वह सामाजिक उत्थान, परिवर्तन के लिए काम करता रहा है, लेकिन भाजपा के प्रति उसका समर्थन और उसकी सक्रियता किसी से छिपी भी नहीं है। संघ प्रमुख भागवत ने माना है कि जेन-जी का गुस्सा जायज है, वे अपने ही लोग हैं, हमारी पीढ़ी से अधिक देशभक्त और ईमानदार हैं, लिहाजा उनसे बराबर संवाद किया जाना चाहिए। उनका आंदोलन देश-विरोधी नहीं है, बल्कि यह भी संवाद और सहमति का एक तरीका है। सरसंघचालक ने प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से सवाल नहीं किया कि वे छात्रों, युवाओं पर बर्बर हिंसा को लेकर स्पष्टीकरण क्यों नहीं दे रहे हैं? शायद संघ में ऐसे सवालों की संस्कृति नहीं है! बहरहाल मोहन भागवत ने इस संवाद के जरिए जो संदेश दिया है, यकीनन वह राष्ट्रव्यापी है और जेन-जी जमात के लिए भी महत्वपूर्ण है। संघ प्रमुख ने नसीहत-सी दी है कि जेन-जी को हिंसा का 'रोल मॉडल' न तो बनना चाहिए और न ही सरकार को उन्हें हिंसक करार देना चाहिए। जेन जी को आप हांक नहीं सकते, हुक्म-निर्देश नहीं दे सकते, सिर्फ संवाद का ही रास्ता है और संवाद ही, अंततः समाधान होता है। दरअसल जिस संगठन के बैनर तले मुंबई में संवाद का यह आयोजन किया गया, वह जेन-जी का ही संगठन है और छात्र, युवा ही उसे संचालित करते हैं। इस संगठन से करीब 1.50 लाख स्कूल-कॉलेज जुड़े हैं। इसका विस्तार 40 देशों के 275 शहरों तक है और करीब 7.50 करोड़ युवा इससे जुड़े हैं। नाम है-'इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस।' इसकी स्थापना 2011 में की गई थी। मुंबई इसका मुख्यालय शहर है। बहरहाल इन आंकड़ों से ही सरसंघचालक के संवाद की महत्ता, व्यापकता और प्रासंगिकता को समझा जा सकता है। उनका संबोधन और संवाद भाजपा की उस जमात के लिए भी सबक और संदेश है, जो जेन-जी और 'जंतर-मंतर' के आंदोलनकारी युवाओं को 'पंचर लगाने वाली जमात', 'गटर जेनरेशन' और 'विदेशी फंडिंग के एजेंट' आदि करार देती है। कमोबेश प्रधानमंत्री मोदी ने जेन जी के व्यापक आक्रोश और प्रभाव को समझा है, लिहाजा लगातार वीडियो के जरिए उस पीढ़ी को संबोधित कर रहे हैं और नए अभियानों की शुरुआत भी कर रहे हैं। लेकिन सरसंघचालक ने बेरोजगारी और महंगी शिक्षा जैसे विकराल मुद्दों को क्यों छोड़ दिया?

डिजिटल युग में सुरक्षा बनाम स्वतंत्रता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर डिजिटल क्रांति ने मानव सभ्यता को संचार, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक संपर्क के ऐसे अवसर दिए हैं, जिनकी कुछ दशक पहले कल्पना भी कठिन थी। आज अरबों लोग प्रतिदिन फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हैं। व्यक्तिगत संवाद से लेकर सरकारी योजनाओं, व्यापारिक लेन-देन, शिक्षा, न्यायिक प्रक्रियाओं और वैश्विक कूटनीति तक डिजिटल माध्यमों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। किंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जितनी तीव्र गति से डिजिटल सुविधाएँ बढ़ी हैं, उतनी ही तीव्र गति से साइबर अपराध, भ्रामक सूचनाएँ, डीपफेक, ऑनलाइन ठगी, डेटा गोपनीयता के संकट तथा बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। यही कारण है कि अब पूरी दुनियाँ में यह प्रश्न प्रमुखता से उठ रहा है कि क्या तकनीकी कंपनियाँ केवल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने तक सीमित रह सकती हैं अथवा उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर होने वाले अपराधों की नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी भी उठानी होगी।हाल के घटनाक्रमों ने इस बहस को और तीखा कर दिया है। शुक्रवार दिनांक 7 अगस्त 2026 को इस पूरे मुद्दे पर कानूनी और मानवाधिकारों के संरक्षण की दिशा में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने एक ऐतिहासिक और बेहद कड़ा कदम उठाया है।आयोग ने इस विषय पर स्वत:संज्ञान लेते हुए को मेटा इंडिया और भारत के आठ प्रमुख राज्यों (दिल्ली, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और बिहार) के पुलिस महानिदेशकों को विस्तृत नोटिस जारी किया। एनएचआरसी ने जांच के लिए 50 विशिष्ट इंटरनेट लिंक कानून प्रवर्तन एजेंसियों और मेटा के साथ साझा किए हैं। आयोग का स्पष्ट मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण सामग्री का लगातार बने रहना बच्चों की गरिमा, निजता और उनके मौलिक मानवाधिकारों का निरंतर उल्लंघन है। यह पूरी कार्रवाई मुख्य रूप से भारत के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम यानी पोक्सो कानून, 2012 के कड़े नियमों के तहत की जा रही है। पोक्सो अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत, किसी भी व्यक्ति या मध्यवर्ती संस्था (जैसे मेटा) को यदि बच्चों के खिलाफ यौन अपराध या ऐसी सामग्री के प्रसार की जानकारी मिलती है, तो उसकी तुरंत रिपोर्ट करना अनिवार्य है। इस कानून के तहत बाल यौन शोषण सामग्री को देखना, संग्रहीत करना या उसका प्रसार करना एक गंभीर और गैर-जमानती आपराधिक कृत्य है एनएचआरसी ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों की साइबर क्राइम इकाइयाँ और विशेष किशोर पुलिस इकाइयाँ इन लिंक्स की गहन जांच करें, दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करें और यदि मेटा की ओर से जानबूझकर अनदेखी या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ भी पोक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपराधिक मुकदमा चलाया जाए।यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि भविष्य में डिजिटल कंपनियों की जवाबदेही केवल व्यावसायिक नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक भी होगी।

साथियों वर्तमान समय की एक और महत्वपूर्ण वास्तविकता यह है कि मनुष्य डिजिटल व्यवस्थाओं पर अभूतपूर्व रूप से निर्भर हो चुका है। परिवार, व्यापार, बैंकिंग, चिकित्सा, शिक्षा और प्रशासनिक कार्य अब मोबाइल एप्लीकेशनों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संचालित होने लगे हैं।ऐसे में यदि किसीतकनीकी कारण से किसी उपयोगकर्ता का अकाउंट अचानक अंडर रिव्यू में चला जाए या बिना पूर्व सूचना के अस्थायी रूप से बंद हो जाए,

तो उसका सामान्य जीवन प्रभावित हो जाता है।हाल ही में व्हाट्सएप द्वारा अनेक खातों को लगभग 24 घंटे के लिए समीक्षा के दायरे में रखने की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वचालित कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुरक्षा प्रणालियाँ अपराधियों को रोकने के साथ-साथ कभी-कभी निर्दोष उपयोगकर्ताओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। इससे यह प्रश्न और गंभीर हो जाता है कि डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करते समय नागरिकों के अधिकारों और तकनीकी त्रुटियों के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।दूसरी ओर, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील सामग्री, फर्जी विज्ञापनों और बाल यौन शोषण सामग्री के प्रसार ने सरकारों और नियामक संस्थाओं को कठोर रुख अपनाने के लिए प्रेरित किया है। खोजी रिपोर्टों में ऐसे आरोप सामने आए कि कुछ सशुल्क विज्ञापन अप्रत्यक्ष रूप से अवैध सामग्री तक पहुँचने का माध्यम बन रहे थे।

साथियों, इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण आयाम बाल अधिकारों की सुरक्षा है।भारत का पॉक्सो अधिनियम, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों से संरक्षण हेतु विश्व के सबसे कठोर कानूनों में से एक माना जाता है। इसकी विभिन्न धाराएँ बाल यौन शोषण सामग्री के निर्माण, भंडारण, प्रसार अथवा व्यावसायिक उपयोग को गंभीर अपराध घोषित करती हैं। साथ ही यह भी अपेक्षा करती हैं कि यदि किसी डिजिटल मध्यस्थ को ऐसी सामग्री की जानकारी मिले तो वह तत्काल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सूचित करे। इस प्रकार कानून केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को सक्रिय सहयोगी बनने की जिम्मेदारी भी सौंपता है। यही कारण है कि यदि किसी कंपनी द्वारा लापरवाही सिद्ध होती है तो उसके विरुद्ध सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा पॉक्सो कानून के अंतर्गत कठोर कार्रवाई संभव हो सकती है।राष्ट्रीयमानवाधिकार आयोग द्वारा आठ राज्यों के पुलिस प्रमुखों को नोटिस जारी करना केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं बल्कि एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति का संकेत है। आयोग ने संदिग्ध इंटरनेट लिंक संबंधित एजेंसियों को उपलब्ध कराकर विस्तृत जांच,साइबर फॉरेंसिक विश्लेषण, आईपी एड्रेस ट्रैकिंग तथा आवश्यक होने पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। विशेष किशोर पुलिस इकाइयों और साइबर अपराध शाखाओं की भूमिका इस मामले में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि डिजिटल अपराध अक्सर अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से संचालित होते हैं। इसलिए केवल तकनीकी जांच ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग, डेटा साझा करने की व्यवस्था और डिजिटल साक्ष्यों का सटीकता से संरक्षण भी आवश्यक होगा।

साथियों, इस पूरे विवाद ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 के अंतर्गत मिलने वाले सेफ हार्बर संरक्षण पर भी नई बहस प्रारंभ कर दी है।अब यह विचार तेजी से उभर रहा है कि यदि कोई सोशल मीडिया कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर अवैध सामग्री को रोकने में बार-बार विफल रहती है या नियामकीय निर्देशों का पालन नहीं करती, तो उसे कानूनी संरक्षण का लाभ स्वत: नहीं मिलना चाहिए। प्रस्तावित आईटी नियमों में भ्रामक सामग्री, डीपफेक और बाल यौन शोषण सामग्री को निश्चित समय-सीमा के भीतर हटाने की अनिवार्यता, विज्ञापनदाताओं का केवाईसी सत्यापन, अधिक पारदर्शी कंटेंट मॉडरेशन प्रणाली तथा एल्गोरिदमिक जवाबदेही जैसे प्रावधान शामिल किए जाने पर विचार हो रहा है। यदि ये सुधार प्रभावी रूप से लागू होते हैं तो भारत डिजिटल नियमन के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में सटीकता से महत्वपूर्ण कदम उठा सकता है।

साथियों,अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है। यूरोपीय संघ का डिजिटल सर्विसेज एक्ट, अमेरिका में बिग टेक कंपनियों पर बढ़ती संसदीय निगरानी,ऑस्ट्रेलिया तथा ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा कानून और संयुक्त राष्ट्र द्वारा बच्चों की डिजिटल सुरक्षा पर लगातार दिए जा रहे दिशा-निर्देश इस बात का प्रमाण हैं कि विश्व समुदाय अब सोशल मीडिया कंपनियों से अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रिय सुरक्षा उपायों की अपेक्षा कर रहा है। अब यह युग समाप्त होता दिखाई दे रहा है जब तकनीकी कंपनियाँ स्वयं को केवल मध्यस्थ बताकर प्रत्येक जिम्मेदारी से अलग कर लेती थीं। वैश्विक लोकतंत्रों में यह सिद्धांत मजबूत हो रहा है कि जहाँ तकनीकी शक्ति है, वहाँ सामाजिक उत्तरदायित्व भी सटीकता से अनिवार्य होना चाहिए।

साथियों, हालाँकि, इस पूरे विमर्श में एक महत्वपूर्ण संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यदि सुरक्षा के नाम पर अत्यधिक स्वचालित नियंत्रण लागू कर दिएजाएँ तो निर्दोष उपयोगकर्ताओं के खाते निलंबित होने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता प्रभावित होने तथा वैध सामग्री हटाए जाने जैसी समस्याएँ भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कंटेंट मॉडरेशन को पारदर्शी, उत्तरदायी तथा मानवीय समीक्षा से युक्त बनाना होगा। उपयोगकर्ताओं को स्पष्ट अपील व्यवस्था, त्वरित शिकायत निवारण और निर्णय प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि अवैध सामग्री को रोकना। डिजिटल शासन का उद्देश्य केवल नियंत्रण नहीं बल्कि विश्वास स्थापित करना होना चाहिए।आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, न्यायपालिका नियामक संस्थाएँ तकनीकी कंपनियाँ, शिक्षण संस्थान, अभिभावक और सामान्य नागरिक सभी मिलकर डिजिटल नागरिकता की नई संस्कृति विकसित करें। बच्चों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन शिष्टाचार और डिजिटल जोखिमों के प्रति जागरूक बनाना, अभिभावकों को तकनीकी निगरानी के आधुनिक साधनों की जानकारी देना तथा समाज में जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देना उतना ही आवश्यक है जितना कि कठोर कानून बनाना।तकनीक तभी मानव कल्याण का माध्यम बन सकती है जब उसके साथ नैतिकता संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व भी समान रूप से जुड़े हों।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मेटा से संबंधित हालिया घटनाक्रम केवल एक कंपनी या एक प्लेटफॉर्म का विवाद नहीं है,बल्कि यह पूरे डिजिटल युग की दिशा निर्धारित करने वाला महत्वपूर्ण मोड़ है। एक ओर डिजिटल स्वतंत्रता,नवाचार और वैश्विक संचार की आवश्यकता है,तो दूसरी ओर बच्चों की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम और प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही भी उतनी ही अनिवार्य है। भारत द्वारा मानवाधिकार आयोग, पॉक्सो कानून, आईटी अधिनियम और संभावित नियामकीय सुधारों के माध्यम से अपनाया गया सख्त दृष्टिकोण यह संकेत देता है कि भविष्य का डिजिटल विश्व केवल तकनीकी दक्षता से नहीं, बल्कि उत्तरदायी शासन, पारदर्शी प्लेटफॉर्म और मानव-केंद्रित डिजिटल नैतिकता से संचालित होगा। यही संतुलन सुरक्षित, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण डिजिटल भविष्य की सबसे बड़ी आधारशिला सिद्ध होगा।

खुदीराम बोस : बाल क्रांतिकारी से अमर शहीद तक

डॉ रामेश्वर मिश्र

वंदे मातरम! भारत माता की जय! ये केवल शब्द नहीं थे, बल्कि उस दौर के क्रांतिकारी युवाओं के हृदय में धधकती स्वतंत्रता की ज्वाला के उद्घोष थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास असंख्य वीरों के त्याग, संघर्ष और बलिदान से निर्मित हुआ है। इन वीरों में खुदीराम बोस का नाम विशेष सम्मान और गौरव के साथ लिया जाता है। मात्र 18 वर्ष की आयु में मातृभूमि के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले खुदीराम बोस भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन के ऐसे युवा नायक थे, जिन्होंने अपने साहस और देशभक्ति से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनका जीवन यह संदेश देता है कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान और आत्मसम्मान का प्रश्न है।

मेरा जीवन देश के नाम, मेरा बलिदान देश के नाम खुदीराम बोस के जीवन की भावना को इन शब्दों में समझा जा सकता है। उनका जन्म 3 दिसंबर 1889 को बंगाल के मिदनापुर जिले के बहुवैनी गाँव में हुआ था। उनके पिता त्रैलोक्यनाथ बोस और माता लक्ष्मी प्रिया देवी थीं। बाल्यकाल में ही माता-पिता का निधन हो जाने के कारण उनका पालन-पोषण उनकी बड़ी बहन अपरूपा देवी ने किया। बचपन से ही उनमें निर्भीकता, आत्मसम्मान और अन्याय के प्रति विरोध की भावना दिखाई देती थी। उस समय भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था और अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों से भारतीय जनता में असंतोष बढ़ रहा था। बंगाल उस समय राजनीतिक और क्रांतिकारी गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका था।

1905 में बंगाल विभाजन ने भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा दी। बंगाल विभाजन के विरोध में स्वदेशी आंदोलन प्रारंभ हुआ और स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ का नारा जन-जन तक पहुँचा। इसी वातावरण ने युवा खुदीराम के मन पर गहरा प्रभाव डाला। वे देशभक्ति से संबंधित साहित्य पढ़ने लगे और स्वतंत्रता आंदोलन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी के प्रचार में योगदान दिया। धीरे-धीरे उनका झुकाव क्रांतिकारी गतिविधियों की ओर बढ़ता गया।

देश गुलाम है तो युवा कैसे आराम करे? यह भावना खुदीराम के व्यक्तित्व में स्पष्ट दिखाई देती थी। वे उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते थे जिसने अंग्रेजी शासन को केवल राजनीतिक व्यवस्था के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अपमान के रूप में देखा। वे क्रांतिकारी संगठन अनुशीलन

समिति से जुड़े और अपने साथियों के साथ स्वतंत्रता के लिए कार्य करने लगे। उस समय क्रांतिकारी युवाओं का विश्वास था कि ब्रिटिश शासन को चुनौती देने के लिए केवल शांतिपूर्ण विरोध पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि सशक्त प्रतिरोध भी आवश्यक है। खुदीराम बोस इसी क्रांतिकारी विचारधारा के युवा प्रतिनिधि बने।

खुदीराम बोस का बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के उस चरण को दर्शाता है जब युवाओं में राष्ट्रीय चेतना तेजी से विकसित हो रही थी। बंगाल विभाजन के बाद स्वदेशी आंदोलन, राष्ट्रीय शिक्षा, विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और क्रांतिकारी गतिविधियों ने भारतीय युवाओं को राजनीतिक रूप से जागरूक किया। खुदीराम इसी जागरण के प्रतिनिधि थे। उनके जीवन में राष्ट्रभक्ति, साहस, त्याग और आत्मसम्मान के मूल्य स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

हालाँकि मुजफ्फरपुर की घटना में निर्दोष व्यक्तियों की मृत्यु एक दुखद परिणाम था, इसलिए खुदीराम के जीवन का मूल्यांकन करते समय उस ऐतिहासिक परिस्थिति और हिंसक औपनिवेशिक दमन दोनों को समझना आवश्यक है। उनका बलिदान हमें स्वतंत्रता संघर्ष की जटिलताओं को समझने का अवसर देता है। इतिहास केवल विजयों और सफलताओं का विवरण नहीं होता, बल्कि वह उन परिस्थितियों को भी सामने लाता है जिनमें व्यक्तियों और समाजों ने कठिन निर्णय लिए।

आज जब हम स्वतंत्र भारत में साँस लेते हैं, तब खुदीराम बोस का स्मरण केवल एक शहीद के रूप में नहीं, बल्कि युवा चेतना और राष्ट्रप्रेम के प्रतीक के रूप में किया जाना चाहिए। उनकी सबसे बड़ी विरासत यह है कि उन्होंने अपने जीवन की छोटी-सी अवधि को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया। उनके जीवन से युवाओं को यह प्रेरणा मिलती है कि देश के प्रति जिम्मेदारी केवल युद्धभूमि में नहीं, बल्कि ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सामाजिक सेवा और राष्ट्रहित के कार्यों में भी निभाई जा सकती है।

शहीदों का सम्मान करो, राष्ट्र का निर्माण करो! और देश पहले, स्वार्थ बाद में! जैसे संदेश आज भी खुदीराम बोस की स्मृति को वर्तमान से जोड़ते हैं। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता असंख्य ज्ञात-अज्ञात सेनानियों के त्याग से प्राप्त हुई है। खुदीराम बोस उनमें से एक ऐसे युवा शहीद थे जिन्होंने अपनी आयु से कहीं अधिक बड़ा इतिहास रचा।

खुदीराम बोस बाल क्रांतिकारी के रूप में स्वतंत्रता आंदोलन में आए और अमर शहीद के रूप में भारतीय इतिहास में स्थापित हो गए। उनका जीवन साहस की कहानी है, उनका संघर्ष राष्ट्रचेतना की कहानी है और उनका बलिदान मातृभूमि के प्रति समर्पण की अमर गाथा है। आज भी उनका नाम लेते ही देशभक्ति की भावना जागृत होती है। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर राष्ट्रभक्त, महान क्रांतिकारी शहीद खुदीराम बोस को शत्-शत् नमन। उनकी वीरता, देशभक्ति और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र की युवा पीढ़ी को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

बात पते की

भावी पीढ़ी को बेलगाम बनाने में पेरेंट्स भी कम दोषी नहीं

देव शंकर अवस्थी

स्कूलों में अब बच्चों को मारना तो दूर, डांटना भी बड़ा गुनाह है। यह व्यथा किसी एक स्कूल अथवा शहर की नहीं बल्कि सर्वव्यापी है। गांव-देहात के स्कूलों में थोड़ा बहुत डांट-डपट चल भी जाए लेकिन शहरों में जितना बड़ा स्कूल, उतने सख्त नियम। मजाल क्या जो टीचर, बच्चों को आंख दिखा सके। थोड़ी सी सख्ती में दूसरे दिन पेरेंट्स लड़ने खड़े हो जाएं।पेरेंट्स यह मानने ही तैयार नहीं कि उनके कलेजे का टुकड़ा कोई गलती कर सकता है। बच्चों में कितने आश्चर्यजनक बदलाव आए, इसे पेरेंट्स नहीं समझ रहे। दस साल के बच्चे में सोलह साल जितनी समझ, इसे पेरेंट्स नहीं समझते। बच्चों में आए बदलाव के लिए अनेक कारण जिम्मेदार हैं। सोशल मीडिया, टीवी की सामग्री बच्चों को समय से पहले समझदार बना रही। दूसरी तरफ, आधुनिक खाद्य पदार्थ, दूध के अलावा अनाज, सब्जी उगाने-बढ़ाने से लेकर फलों को पकाने के तरीके बच्चों को समय से पहले वयस्क बनाने में मददगार हैं। ऐसा नहीं कि इस सबसे कोई अनभिज्ञ है, पर मौन साधकर सब सहने की विवशता है। नि:संदेह नई पीढ़ी ने उन्नति की छलांग तेज लगाई, पर बदलाव का दूसरा पक्ष भी काफी स्याह है। अपराधों का उछाल मारता ग्राफ और नशे में जकड़ते युवा देश के उजले भविष्य का संकेत तो नहीं कहे जा सकते। अब तो सार्वजनिक स्थानों पर लड़कियां भी शराब पीने और सिगरेट के छल्ले उड़ाने में पीछे नहीं। महानगरीय कल्चर तो इससे आगे, काफी आगे निकल चुका है। उम्र के इस मोड़ पर जब औलादें बिगड़तीं हैं, तब तक माता-पिता के हाथ में कुछ नहीं रह जाता। बहरहाल, यह सब चिंतन और चिंता के विषय हैं..सो करते रहिए।

हमेशा क्यों नहीं होती जांच

पिछले दिनों जबलपुर के नामीगिरामी प्रतिष्ठानों से बड़ी मात्रा में देसी घी जब्त किया। जिला प्रशासन व खाद्य विभाग ने यह कार्रवाई इंदौर व रीवा में मिलावटी देसी घी पकड़े जाने के बाद स्थानीय स्तर पर की। सरकारी अमले द्वारा जब्त घी को जांच के लिए भोपाल प्रयोगशाला भेजा जाएगा। पहले जांच रिपोर्ट 4-6 माह बाद तक आती थी। अब त्यौहार शुरु होने वाले हैं, खाद्य विभाग भी अपनी जांच तेज कर देगा। सवाल यह उठता कि यह कार्रवाई केवल त्योहारों के समय ही क्यों होती है? माना कि त्यौहार के दौरान मांग अधिक रहती है लेकिन आम दिनों में भी खानपान कम नहीं रहता। खाद्य सामग्री में मिलावट की यदि बात करें तो अधिकांश चीजें खाने से पहले उसकी शुद्धता का सवाल कौंधता है। सोशल मीडिया के वीडियो देखकर तो यही लगता है कि कुछ शुद्धता बची भी है या नहीं।

.. और अंत में

सोशल मीडिया में वीडियो डालने की ऐसी धुन कि जिसे जहां बन पड़ा, वहीं के वीडियो बना रहा। घर की रसोई, बेडरूम से लेकर गली, दुकान, खेत-खलिहान कुछ नहीं बचा। युवा पीढ़ी वीडियो बनाने के लिए जंगल, पहाड़, नदी-तालाब, बांध के खतरनाक मुहानों तक पहुंचकर रिस्क ले रही। रोमांचक वीडियो बनाने की होड़ में जान की परवाह भी नहीं रहती। विशेषकर बरसात के दिनों में आएदिन घटनाएं हो रहीं। खतरे वाले स्थानों पर वीडियो बनाते समय इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि... हम कहीं यह वीडियो आखिरी बार तो नहीं बना रहे।

आज की तारीख में पटवारी से ताकतवर और कोई है क्या?

एक पुराना चुटकुला है और क्या मालूम हक़ीकत ही हो कि एक गाँव में जब उस जिले के कलेक्टर लोगों की समस्याओं को हल करने गाँव गए तब गांव की एक बुढ़िया ने कलेक्टर के काम से खुश होकर उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि; बेटा, भगवान की दुआ से तुम इतनी तरक्की करना कि पटवारी बन जाओ। आज की तारीख में गाँव हो या शहर,कस्बा हो तहसील हो राजधानी हो या मेट्रोपॉलिटिन सिटी पटवारियों का जलवा इस कदर बढ़ गया है और वे वाकई कलेक्टर से ज्यादा ताकतवर हो चुके हैं। आदमी आम हो या खास, किसी को भी खसरे में नाम चढ़वाना हो, नकल लेना हो, सीमांकन करवाना हो नामान्तरण करवाना हो, या जमीन जायदाद की पतासाजी करना हो तो उस इलाके के पटवारी के आगे पीछे घूमना ही पड़ता है। आजकल तो बड़े बड़े बिल्डर, ठेकेदार और कॉलोनाइजर अपने अपने इलाके के पटवारियों को अपनी महंगी मंहगी गाड़ियों में बैठाकर इधर उधर घुमाते रहते हैं ताकि उनके काम में पटवारी जी कोई अड़ंगा न लगा दें।

अब ऐसे सर्वप्रिय पटवारियों की जमात को भी हड़ताल करना पड़े तो समझो जमाना खराब आ गया है जिस पटवारी देवता के सामने अच्छे अच्छे खां सर झुकाये अर्जी लगाते हैं वो पटवारी सरकार से नाखुश है। सचमुच बहुत नाइंसाफी है, वैसे आजकल सरकार किसी हड़ताल की ज्यादा परवाह नहीं करती लेकिन पटवारियों की हड़ताल होते ही सरकार और आला अफसरों की हालत पतली हो गई, तुरत फुरत में पटवारियों के नेताओं को वार्ता की टेबल पर बुलाया बातचीत करके मान मनौव्वल की और सरकार पर रहम खा कर पटवारियों ने हड़ताल स्थगित कर दी यानी पटवारियों की ताकत का सामना करने में सरकार भी बेबस साबित हुई। और ये भी साबित हो गया कि भारत के सिस्टम में पटवारी ही सबसे ज्यादा ताकतवर मुलाजिम है। दरअसल ये पटवारी राजस्व विभाग की रीढ़ की हड्डी होते है और कोई भी इंसान अपनी रीढ़ की हड्डी को खराब नहीं होने देता कहा जाता है कि रीढ़ की हड्डी का एक भी गुरिया खिसका तो समझ लो बैडरेस्ट के अलावा और कोई चारा नहीं बचता इसलिए सरकार और अफसरों ने भी सोचा कि सरकार और वे खुद बैडरेस्ट पर आ जाएं उससे बेहतर है कि गुरिया खिसकने के पहले ही इसका इलाज कर लिया जाये, फिर दूसरी बात तो ये भी है कि बड़े बड़े अफसरों की पोल तो इनके पास ही रहती है पता नहीं कब कौन अपना मुंह खोल दे और अफसरी पर आँच आ जाए इसलिए सारी परिस्थितियों का गहन अध्ययन करते हुए सरकार इन कलयुग के भगवानों के सामने नतमस्तक हो गई क्योंकि सरकार को भी मालूम है कि यदि पटवारी नाराज हो गए तो सारा राजस्व विभाग का भट्टा बैठ जाएगा अफसरों को भी इस बात का अहसास है कि पटवारी सेटिंग नहीं करेंगे तो अपनी रोजी रोटी पर संकट आ जाएगा और कोई भी ये नहीं चाहेगा कि उसकी रोजी रोटी पर संकट आ जाए।

अंडों से डर

अपने को तो अभी तक ये मालूम था कि टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा बड़ी दमदार और एक वीरांगना लेडी है लेकिन क्या पता था कि ये वीरांगना अंडे से डरने लगी है । हुआ यूं कि कोर्ट ने उन्हें किसी मामले में बुलाया था तो उनके वकील ने एक एप्लीकेशन दी कि महुआ मोइत्रा को डर है कि विरोधी पार्टी के नेता उन पर अंडे फेंकेंगे इसलिए अगर पेशी वर्चुअल हो जाए तो ज्यादा ठीक होगा, हाई कोर्ट के न्यायाधीश ने एक ही बात कही कि अगर आप राजनीति में हो तो आपको अंडों से क्यों डरना चाहिए, वैसे न्यायमूर्ति ने बड़ी सही बात की थी राजनीति में यदि आना है तो अपने भीतर जबरदस्त सहनशक्ति बढ़ाना पड़ेगी क्योंकि यदि आप राजनीति में हो और यदि फूल माला मिल रही है तो कभी कभार अंडे की चोट भी खानी पड़ सकती है गाली गलोज तो आज कल आम बात है और पश्चिम बंगाल में तो लंबे समय से पिटाई भी चल रही है पहले टीएमसी वाले बीजेपी वालों को पीटा करते थे अब बीजेपी वाले टीएमसी वालों को पीट रहे हैं वहां के पुलिस वाले स्थितप्रज्ञ की स्थिति में है वे इन सब चीजों पर टेंशन नहीं लेते , वे सोचते हैं कल तक ये पीटते थे आज पिट रहे हैं हो सकता है कल फिर वो पुराने पीटने वाले सत्ता में आ जाए ,अपने को तो सबसे संबंध बनाकर रखना है काहे को इस झंझट में पड़ें वैसे अपना महुआ मोइत्रा जी को एक ही सुझाव है कि आपके बारे में जो धारणा लोगों के बीच में है कि आप एक बहुत दमदार, निडर, बहादुर, साहसी नेता हो उस धारणा को बने रहने दो अगर कोई अंडा फेक भी रहा है तो अंडे इकट्ठे कर लो दो-चार दिन के आमलेट का खर्चा अपने आप निकल आएगा अब मानना या ना मानना मैडम के हाथ में लेकिन अपनी सलाह तो यही है।

ये तो होना ही था

दतिया यूपी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जिस तरह से शिकस्त मिली है उससे पार्टी, संगठन, सत्ता हाई कमान सब के सब सकते में है जब टिकट की घोषणा हुई थी तब इलाके के कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा के समर्थकों ने जो उत्पात मचाया था उस भारतीय जनता पार्टी में जिसके बारे में ये बात मशहूर है कि वो बेहद अनुशासित पार्टी है ये धारणा तार तार हो गई थी लोगों को लगा इस मामले में तत्काल कार्यवाही हो जाएगी लेकिन पार्टी ने उस समय तो धीरज धर लिया लेकिन जैसे ही चुनाव का परिणाम आया एक झटके में विभिन्न संगठनों के एक हजार से ज्यादा नेताओं को उनके पद से हटा दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हो गई है अर्जुन और नरोत्तम मिश्रा बन गए हैं चिड़िया की आंख पूरे हाई कमान की निगाहें नरोत्तम मिश्रा पर टिकी हुई हैं क्योंकि उनको ही तो चुनाव संचालन का जिम्मा सौंपा था उन्होंने भी रुंधे गले से आंसू बहाते हुए कहा भी था कि मैं अपने प्रत्याशी को जिता दूंगा लेकिन अब जब प्रत्याशी की लाई लुट गई है तो मिश्रा जी को भी ये डर सता रहा है कि पार्टी पता नहीं उनके साथ क्या करेगी वैसे इस बात का अंदाजा तो मिश्रा जी को भी होगा कि उनके समर्थकों ने जो नौटंकी करी थी उसका खामियाजा उनको ही भुगतना पड़ेगा भले ही उसमें देर क्यों ना हो जाए लेकिन पहले जो कुछ हुआ है और उसके बाद जो कुछ हुआ तो यही कहा जा सकता है ये तो होना ही था।

51 साल में इतना बुरा बर्ताव किया

ट्रंप ने फिर साधा ईरान पर निशाना; बोले- उनके पास पैसे नहीं बचे

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट के जरिए ईरान को तीखी आलोचना की। उन्होंने ईरान के पास कोई पैसा नहीं है शीर्षक वाला एक ग्राफिक शेयर किया और देश की आर्थिक गिरावट के लिए 51 साल के बुरे बर्ताव को जिम्मेदार ठहराया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ईरानी रियाल में आई भारी गिरावट को दर्शाने वाले चार्ट के साथ किया गया यह पोस्ट, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तेहरान पर ट्रंप का लेटेस्ट हमला माना जा रहा है।

ट्रंप द्वारा शेयर की गई तस्वीर में दावा किया गया है कि 2025 की शुरुआत में 10 लाख ईरानी रियाल की कीमत लगभग 1.11 डॉलर थी, जो 2026 की तीसरी तिमाही तक गिरकर लगभग 0.53 डॉलर हो गई। नीचे की ओर जा रहे इस ग्राफ ने कई तिमाहियों में मुद्रा की गिरावट को ट्रैक किया, जिसके अंत में एक कूड़ेदान आइकन के बगल में मुद्रा कचरा है लिखा हुआ था। इस ग्राफिक का उद्देश्य यह दर्शाना था कि इस समयावधि में ईरान की मुद्रा ने अपना आधे से अधिक मूल्य खो दिया है, जिससे पता चलता है कि देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर तस्वीर के ऊपर 51 साल का बुरा बर्ताव! कैप्शन के अलावा कोई अन्य टिप्पणी नहीं की। यह पोस्ट ऐसे समय में आई है जब ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि वर्षों से लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, क्षेत्रीय संघर्षों और ईरानी नेतृत्व की टकराव वाली नीतियों के कारण ईरान की अर्थव्यवस्था बेहद कमजोर हो गई है। उनके प्रशासन ने मध्य पूर्व में प्रतिबंधों और सैन्य तैनाती के माध्यम से तेहरान पर अपना दबाव बनाए रखा है। ईरान की मुद्रा ने पिछले कई वर्षों में मुद्रास्फीति, प्रतिबंधों के दबाव, कम विदेशी निवेश और विदेशी मुद्रा बाजारों में अस्थिरता के कारण लगातार मूल्य में गिरावट का सामना किया है।

अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से ईरान की अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक कमजोरियों की ओर इशारा किया है, हालांकि सोशल मीडिया पर प्रसारित विशिष्ट विनिमय-दर के आंकड़े अक्सर इस बात पर निर्भर करते हैं कि किस आधिकारिक या समानांतर-बाजार दर का उपयोग किया जा रहा है। ट्रंप का यह पोस्ट हाल के हफ्तों में तेज हुए अमेरिका-ईरान टकराव की पृष्ठभूमि में भी आया है। वाशिंगटन और तेहरान के बीच सैन्य और कूटनीतिक तनाव लगातार बढ़ रहा है। इसमें ईरान से जुड़ी संपत्तियों को निशाना बनाने वाले अमेरिकी अभियान और क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य तैनाती में वृद्धि शामिल है।

इन घटनाक्रमों ने एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, हालांकि तनाव को और बढ़ने से रोकने के प्रयास में खाड़ी देशों और ओमान को शामिल करते हुए, बैकचैनल कूटनीतिक प्रयास कथित तौर पर जारी हैं।

ईरान बातचीत में अपनी संपत्ति पर से पाबंदी हटाने को प्राथमिकता दे रहा: माइक वाल्ट्ज

वाशिंगटन, (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वाल्ट्ज ने दावा किया है कि अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान ईरान कथित तौर पर वित्तीय मामलों, विशेष रूप से अपनी संपत्ति पर से पाबंदी हटाने को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ईरान के साथ आधे-अधूरे मन से बातचीत कर रहा है, जबकि ईरान की आर्थिक स्थिति कथित तौर पर बिगड़ रही है। श्री वाल्ट्ज ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि ईरान अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से ज्यादा वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से डरता है। उनका कहना है कि ईरान बमबारी सह सकता है, लेकिन पैसे से जुड़े दबाव से ज्यादा परेशान होता है। इसलिए बातचीत में ईरानी बार-बार पैसों की ही बात करते हैं और अपनी सेना की चिंता कम करते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प जब तेहरान पर दबाव की बात करते हैं, तो उनका बिल्कुल यही मतलब होता है। राजदूत ने कहा, यह, नाकाबंदी के साथ मिलकर, वही चीज़ है जो आखिरकार ईरानियों को झुकने पर मजबूर करेगी।

नेपाल से सबसे ज्यादा चीनी नागरिक हुए डिपोर्ट, अमेरिकी भी पीछे नहीं

काठमांडू

इमिग्रेशन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, नेपाल ने 2021 से 2025 तक के पांच वर्षों में देश के इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन करने के लिए सबसे ज्यादा चीनी नागरिकों को देश से निकाला गया। विभाग ने अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया कि इस दौरान नेपाल ने 695 चीनी नागरिकों को निकाला, जो देश से निकाले गए विदेशी नागरिकों में सबसे बड़ा हिस्सा था। इन पांच वर्षों में नेपाल ने कुल 2,267 विदेशी नागरिकों को निकाला, जिनमें चीनी नागरिकों की हिस्सेदारी 30.65 प्रतिशत थी। इन पांच वर्षों में निकाले गए नागरिकों की संख्या के मामले में अमेरिका के नागरिक दूसरे स्थान पर रहे (191 नागरिक निकाले गए), जबकि बांग्लादेश के नागरिक 145 लोगों के निकाले जाने के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस अवधि के दौरान नेपाल से निकाले गए नागरिकों की संख्या के मामले में यूनाइटेड किंगडम और पाकिस्तान के नागरिक क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ये आंकड़े बताते हैं कि कुछ देशों के नागरिकों में इमिग्रेशन कानूनों के उल्लंघन का जोखिम तुलनात्मक रूप से अधिक है और नेपाल में आने वाले और रहने वाले विदेशी नागरिकों की लगातार निगरानी की जरूरत है।

इमिग्रेशन विभाग कानून के अनुसार जुर्माना लगाने और वसूलने के बाद इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन करने, वीजा शर्तों को तोड़ने या गैर-कानूनी गतिविधियों में शामिल होने वाले विदेशी नागरिकों को देश से निकाल देता है।

विभाग ने कहा, उम्मीद है कि फॉरेन नेशनल मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम और नेपालीपोर्ट के जरिए विदेशी नागरिकों की निगरानी और प्रबंधन से आने वाले दिनों में वीजा के गलत इस्तेमाल की घटनाओं में और कमी आएगी।

अकेले 2025 में निकाले गए नागरिकों की संख्या के मामले में भी चीन सूची में सबसे ऊपर रहा। उस साल नेपाल ने कुल 523 विदेशी नागरिकों को निकाला, जिनमें से 120 चीनी नागरिक थे। यह नेपाल के इमिग्रेशन कानूनों का उल्लंघन करने के कारण निकाले गए सभी विदेशी नागरिकों का 22.94 प्रतिशत था।

देश को जश्न मनाते देखना भयावह

तरुण तेजपाल की बेटी ने पिता की सजा पर व्यक्त किया दर्द

मुंबई। तहलका के पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल को बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच ने 10 साल की सजा सुनाई गई है। पिता की सजा को लेकर तेजपाल की बेटी कारा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कारा ने कहा कि उनके पिता को चुप कराने के लिए उन्हें दोषी ठहराया गया है। सोशल मीडिया पर एक लंबी पोस्ट साझा करते हुए कारा ने कहा कि 527 पन्नों में बरी करने वाले ट्रायल कोर्ट के फैसले की तुलना में हाई कोर्ट ने महज सात दिनों में सुनवाई पूरी कर सजा सुनाना समझ से परे है। कारा ने कहा कि उनके परिवार का 13 साल का दुःस्वप्न अभी भी जारी है और अपने पिता को गलत तरीके से दोषी ठहराए जाने पर देश को जश्न मनाते देखना उनके लिए बेहद दर्दनाक व भयावह है।

तेजपाल की बेटी ने बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा बेंच के फैसले को न्याय का उल्लंघन करार दिया है। इसकी तुलना हाई कोर्ट और ट्रायल कोर्ट द्वारा मामले पर खर्च किए गए समय और दो विपरीत फैसलों से की।

हम समझ नहीं पा रहे... अपनी पोस्ट में तारा ने लिखा,पूर्ण दोषमुक्ति का फैसला सामने होने और सबूतों के अंबार के बावजूद, हम न्याय की इस घोर विफलता को समझ नहीं पा रहे थे। सत्र न्यायालय की माननीय महिला न्यायाधीश ने लगभग एक वर्ष तक मामले में सबूतों को सुनने, देखने और उनका मूल्यांकन करने के बाद दोषमुक्ति का फैसला सुनाया।

उच्च न्यायालय की माननीय महिला न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई 7 दिनों तक की और बहस समाप्त होने और लिखित दलीलें प्राप्त होने के 4 दिनों के भीतर अपना फैसला सुना दिया।

कारा ने पोस्ट में आगे कहा, पहला ईमेल, जिसे व्यक्तिगत माफीनामा बताया गया था, उसमें एक भी ऐसा शब्द नहीं है जिसे हमले या बलात्कार की स्वीकारोक्ति के रूप में समझा जा सके। दूसरा ईमेल, जो पूरे तहलका कार्यालय को भेजा गया था, मेरे पिता ने नहीं लिखा था। यह उस समय तहलका के प्रबंध संपादक ने शिकायतकर्ता को शांत करने, संस्थान की रक्षा करने और शिकायतकर्ता की मांग के अनुसार मामले को समाप्त करने के लिए लिखा था। सत्र न्यायालय में यह बात स्पष्ट रूप से सिद्ध हो चुकी है। कारा ने दावा किया कि यह उनके पिता के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध है। उन्होंने कहा, कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने इस मामले में अपना मत बना लिया है। शायद उनका निजी अनुभव, पेशेवर ईर्ष्या या कट्टर रूढ़िवादी सोच उन्हें सामने मौजूद सबूतों को ठीक से देखने नहीं देती।

उनके लिए एक शक्तिशाली व्यक्ति को सजा दिलवाने और उससे मिलने वाली नैतिक मान्यता, सच्चाई की कठिन और दर्दनाक खोज से कहीं अधिक आकर्षक होती है। कारा ने आगे कहा, अपने पिता को दोषी ठहराए जाते देखना और पूरे देश को इस पर जश्न मनाते देखना, यह सब बेहद भयावह है। मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि कोई इस तरह की सजा को न्यायसंगत कैसे मान सकता है। यह मामला एक कथित घटना का है जो मात्र 126 सेकंड तक चली, जिसमें हिंसा या हमले का कोई भौतिक सबूत नहीं है, जिसमें मौजूद सीसीटीवी फुटेज शिकायतकर्ता के बयान का सीधा खंडन करता है, और जिसमें राज्य का दुर्भावनापूर्ण इरादा स्पष्ट है। वास्तव में, ऐसा कोई मामला होना ही नहीं चाहिए। मुझे इस बात का गहरा और दर्दनाक एहसास है कि एक महीने से भी कम समय में मुझे अपने पिता को कोलवाले जेल में छोड़ना पड़ सकता है, जहां उन्हें 10 साल की कठोर कारावास की सजा काटनी होगी।

घुटनों पर आया पाकिस्तान, त्रिपक्षीय मक्का रक्षा समझौते पर बोला- यह किसी देश के खिलाफ नहीं

लाहौर

सऊदी अरब और तुर्किए के साथ त्रिपक्षीय मक्का संयुक्त रक्षा समझौते में शामिल होने के बाद पाकिस्तान अब इसके उद्देश्यों को लेकर उठ रहे सवालों पर सफाई दे रहा है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा है कि समझौता पूरी तरह रक्षात्मक प्रकृति का है और इसका उद्देश्य किसी देश को निशाना बनाना नहीं है। उन्होंने कहा कि यह समझौता क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए किया गया है।

दरअसल, पाकिस्तान की छवि को देखते हुए इस समझौते में उसके शामिल होने को लेकर दुनियाभर में आशंकाएं उठ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान न केवल भारत और अफगानिस्तान में आतंकियों को बढ़ावा देने में आगे रहताहै, बल्कि वह इजरायल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं देता।

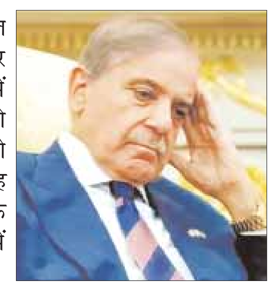

इसके अलावा इस्लामी देशों में पाकिस्तान एकमात्र परमाणु शक्ति भी है। इस तरह, वह अन्य इस्लामी देशों को प्रभावित करके इसमें शामिल करा सकता है। ऐसे में ये समझौता क्षेत्र में अस्थिरता का सबब भी बन सकता है।

इशाक डार ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि मक्का समझौता तीनों देशों के बीच वर्षों से चले आ रहे संवाद और सहयोग का परिणाम है। इसका मकसद शांति और सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि समझौता तीनों देशों के बीच पहले से मौजूद किसी भी द्विपक्षीय या बहुपक्षीय समझौते को समाप्त नहीं करता और न ही उसकी जगह लेता है।

समझौते की सबसे अहम शर्त यह है कि तीनों देशों में से किसी एक पर बाहरी सशस्त्र हमला होने पर उसे अन्य दोनों देशों पर भी हमला माना जाएगा। डार ने कहा कि यह प्रविधान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत व्यक्तिगत और सामूहिक आत्मरक्षा के अधिकार के अनुरूप है।

उन्होंने यह भी कहा कि समझौता क्षेत्र के उन सभी देशों के लिए खुला है जो इसके मूल सिद्धांतों को स्वीकार करते हों और आपसी सम्मान, सहयोग तथा शांतिपूर्ण तरीकों से मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार हों।

तुर्किए के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने कहा है कि मक्का रक्षा समझौता ईरान से मुकाबला करने के लिए नहीं है। ईरान समर्थित हाउती विद्रोहियों के सऊदी अरब पर हमलों के परिप्रेक्ष्य में उन्होंने कहा कि सऊदी अरब पर ईरान के हमलों में सऊदी का कोई दोष नहीं है। इन हमलों के लिए अमेरिका और इजरायल जिम्मेदार हैं। हाउती जैसे मामलों को सुलझाने के लिए सऊदी अरब पिछले दो साल से ईरान से बात कर रहा है।

लैब-ग्रोन हीरे से घटेगी एआई चिप्स की गर्मी, चीन कर रहा बड़े पैमाने पर उत्पादन

बीजिंग। एआई की दुनिया में इन दिनों सबसे बड़ी चुनौती ताकतवर प्रोसेसरों से निकलने वाली अत्यधिक गर्मी को नियंत्रित करना है। एआई चिप्स हर सेकंड में खरबों कैल्कुलेशन करते हैं, जिससे भयंकर ऊष्मा पैदा होती है। अगर इस गर्मी को समय रहते कम न किया जाए, तो चिप की स्पीड धीमी हो जाती है, बिजली की खपत बढ़ जाती है और प्रोसेसर जल्दी खराब हो सकता है। आभूषणों की शान बढ़ाने वाले लैब-ग्रोन डायमंड यानी कृत्रिम हीरे इस तकनीकी समस्या का सबसे बड़ा समाधान बनकर उभरा है। हीरा हीट का सबसे बेहतरीन सुचालक होता है। सिलिकॉन और तांबे जैसी धातुओं के मुकाबले यह कहीं अधिक तेजी से गर्मी सोखकर उसे बाहर निकाल सकता है। इसी खूबी के कारण लैब में तैयार किए गए इन खास हीरों का इस्तेमाल अब हीट स्प्रेडर के रूप में हो रहा है, ताकि एआई प्रोसेसर बिना गर्म हुए पूरी क्षमता के साथ काम कर सकें। दुनिया भर की इस नई जरूरत को पूरा करने के लिए चीन ने बड़े पैमाने पर इन हीरों का उत्पादन तेज कर दिया है। कृत्रिम हीरों के उत्पादन में चीन आज दुनिया का निर्विवाद सरताज बन चुका है और उसकी इस सफलता के पीछे दशकों की मेहनत है। चीन ने 1960 के दशक में ही सिंथेटिक डायमंड तकनीक पर शोध शुरू कर दिया था और साल 1963 में अपना पहला कृत्रिम हीरा सफलतापूर्वक तैयार कर लिया था। वर्तमान स्थिति की बात करें तो वर्ष 2024 में चीन ने लगभग 2.2 करोड़ कैरेट लैब-ग्रोन हीरों का उत्पादन किया है। यह आंकड़ा पूरी दुनिया के कुल उत्पादन के 50 प्रतिशत से भी ज्यादा है। इस विशाल उत्पादन में चीन के हुबेई प्रांत में स्थित झोंगिजिंग डायमंड जैसी कंपनियों का अहम योगदान है, जो अकेले ही हर साल करीब 6 लाख कैरेट कच्चे कृत्रिम हीरों का निर्माण करती हैं।

यूपी चुनाव से पहले मायावती का जेन-जी पर दांव : बेरोजगारी और पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार को घेरा

लखनऊ

विधान सभा चुनाव के लिए सोशल इंजीनियरिंग का ताना-बाना बुन रही मायावती ने अब जेन-जी को अपने राजनीतिक एजेंडे के केंद्र में लाने की कोशिश की है। जंतर-मंतर पर बेरोजगारी को लेकर हुए युवा आंदोलन का हवाला देते हुए उन्होंने केंद्र व राज्य सरकारों से तत्काल पेपर लीक व भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती शुरू करने की मांग की है।

बसपा प्रमुख ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर 'हर हाथ को काम' की मांग को सामाजिक न्याय से भी जोड़ा है, कहा है कि एक परिवार के एक सदस्य को भी सरकारी नौकरी मिलने से पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति बदल सकती है। सरकारी भर्तियों में एससी, एसटी और ओबीसी को आरक्षण का लाभ मिलने से इन वर्गों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है। साफ है कि जेन-जी को लेकर भाजपा, सपा, कांग्रेस की सक्रियता के बीच बसपा भी पीछे नहीं रहना चाहती है। नीट पेपर लीक को लेकर पिछले दिनों दिल्ली में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन को लेकर सपा और कांग्रेस, सरकार पर हमलावर हैं। जबकि पूर्व में बसपा प्रमुख ने राजनीतिक दलों को मुद्दे पर राजनीति न करने की नसीहत के साथ सधी हुई प्रतिक्रियाएं ही दी थीं। ऐसे में मायावती का इस मुद्दे पर मुखर होना विपक्षी राजनीति में बसपा की अलग जगह बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। बसपा प्रमुख ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि बसपा ने अपने शासनकाल में सवा दो लाख सरकारी नौकरियां दी थीं।

अब कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से शिक्षित युवाओं ने जंतर-मंतर के आंदोलन के जरिये इन मुद्दों को गंभीर चर्चा का मुद्दा बना दिया है, इसे लेकर देश के शिक्षा मंत्री को भी अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी है। बसपा प्रमुख ने मांग की है कि केंद्र व राज्य सरकारें राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी हाथों में बेचना बंद करें और भर्तियां कराएं।

इससे एससी, एसटी व ओबीसी समाज को भी वह सुरक्षा मिल पाएगी, जो आरक्षण को निष्प्रभावी व निष्क्रिय करने के कारण नहीं मिल रही है। बसपा प्रमुख ने संसद के वर्तमान सत्र में जारी गतिरोध को भी समाप्त करने की मांग की है।

मायावती की कोशिश युवाओं के मुद्दे को अपने पारंपरिक दलित आधार से जोड़ने की है, परंतु ये इस पर निर्भर है कि वह अपने संगठन और राजनीतिक संदेश को युवाओं तक कितने प्रभावी ढंग से पहुंचा पाती हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

यश से ज्यादा मेहनती अभिनेता मैंने कभी नहीं देखा : नयनतारा

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेत्री नयनतारा ने सुपरस्टार यश की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उन्होंने अपने करियर में कई बड़े सुपरस्टार और अभिनेताओं के साथ काम किया है, लेकिन यश से ज्यादा मेहनती अभिनेता उन्होंने कभी नहीं देखा। बेंगलुरु में हाल ही में टॉक्सिक के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर नयनतारा ने कहा, पहली बार जब मैं यश से मिली, तो उनकी पर्दे पर नजर आने वाली बड़ी छवि को उनके व्यक्तित्व में भी देखा। मैंने कभी भी उनसे ज्यादा मेहनती अभिनेता नहीं देखा। सेट पर हर दिन उनके काम करने का तरीका देखकर मैं हैरान होती थी। इस व्यक्ति ने अपने जीवन के साढ़े चार साल दिए। उन्होंने परिवार और बच्चों के साथ अपने समय का त्याग किया और उनका पूरा ध्यान काम पर था उन्होंने कहा कि टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश ने अपने काम के लिए करीब साढ़े चार साल समर्पित किए और इस दौरान परिवार तथा बच्चों के साथ अपने समय का भी त्याग किया। यश की कार्यशैली की जमकर तारीफ करते हुए नयनतारा ने उन्हें रॉकी भाई कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यश की पर्दे पर जैसी बड़ी और प्रभावशाली छवि है, वह असल जिंदगी में भी उसी तरह के हैं। नयनतारा ने कहा कि यश ने जिस तरह फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास का साथ दिया, वह भी उनके लिए बेहद खास रहा। उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी अभिनेता को निर्देशक का इस तरह ख्याल रखते हुए नहीं देखा। अभिनेता, निर्माता और इंसान के तौर पर मेरे मन में यश के लिए बहुत प्यार और सम्मान है। उन्होंने यश की पत्नी राधिका के योगदान का भी उल्लेख किया। नयनतारा ने कहा कि फिल्मों में कलाकारों और तकनीकी टीम के योगदान की चर्चा तो होती है, लेकिन परिवार के त्याग के बारे में कम बात की जाती है। उन्होंने राधिका को यश की सबसे बड़ी ताकत बताया।

नयनतारा ने फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास की भी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि गीतू और उनकी मुलाकात करीब 20 वर्ष पहले हुई थी। उन्होंने कहा कि जब गीतू ने उन्हें टॉक्सिक की कहानी सुनाने के लिए बुलाया, तो फिल्म में बड़ी संख्या में कलाकारों के होने के कारण वह शुरुआत में थोड़ी हिचकिचाई थीं। उन्होंने कहा, आपने ट्रेलर देखा है, लेकिन फिल्म आपको हैरान कर देगी। गीतू ने जिस तरह हर कलाकार का ख्याल रखा और जब भी किसी को जरूरत थी, उन्हें प्यार दिया। सभी कलाकारों के अपने मुश्किल पल थे और वह उनका हाथ थामकर उनके साथ खड़ी रहीं। नयनतारा ने यह भी बताया कि वह आमतौर पर फिल्मों के प्रचार कार्यक्रमों में शामिल नहीं होतीं। उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि मैं प्रमोशनल इवेंट में नहीं आना चाहती, लेकिन मैं इसमें बहुत अच्छी नहीं हूं, मैं इससे दूर रहती हूं।

संजय लीला भंसाली के निर्देशन के 30 साल पूरे

भारतीय सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाने वाले फिल्मकार संजय लीला भंसाली के निर्देशन के सफर को तीन दशक पूरे हो गए हैं। फिल्म 'खामोशीः द म्यूजिकल' से बतौर निर्देशक अपनी यात्रा शुरू करने वाले भंसाली ने अपनी विशिष्ट कहानी कहने की शैली, भव्य दृश्यात्मकता, संगीत और मानवीय भावनाओं की गहराई के जरिए भारतीय सिनेमा को एक अलग पहचान दी। भंसाली प्रोडक्शंस की ओर से सोशल मीडिया पर साझा की गई एक पोस्ट के जरिए उनके तीन दशक लंबे सिनेमाई सफर को याद किया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि ये तीन दशक ऐसी कहानियों के रहे हैं, जिन्होंने दर्शकों को महसूस कराया, ऐसी दुनियाओं के रहे हैं जिन्होंने उन्हें हैरान किया, ऐसे संगीत के रहे हैं जो उनके साथ बना रहा और ऐसे पलों के रहे हैं जो उनकी अपनी यादों का हिस्सा बन गए। भंसाली की फिल्मोग्राफी पर नजर डालें तो 'हम दिल दे चुके सनम', 'देवदास', 'ब्लैक', 'सांवरिया', 'गुजारिश', 'गोलियों की रासलीला राम-लीला', 'बाजीराव मस्तानी', 'पद्मावत' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी फिल्मों ने उनके सिनेमाई सफर को अलग-अलग आयाम दिए हैं। उनकी फिल्मों में भव्य सेट, शानदार संगीत और दृश्यात्मकता के साथ-साथ रिश्तों, प्रेम, संघर्ष और मानवीय भावनाओं को विशेष महत्व दिया गया है। तीन दशकों के इस सफर में भंसाली ने सिनेमा को महज कहानी कहने के माध्यम के बजाय एक व्यापक अनुभव के रूप में पेश किया है। उनके सिनेमा में हर फ्रेम को बारीकी से तैयार किया जाता है और संगीत कहानी का अभिन्न हिस्सा बनकर उभरता है।

'टॉक्सिक' सिर्फ कन्नड़ फिल्म नहीं, भारतीय फिल्म है : यश

दक्षिण भारतीय सुपरस्टार यश ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर कहा है कि यह सिर्फ कन्नड़ फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय फिल्म है और इसे कई प्रतिभाशाली कलाकारों ने मिलकर बनाया है। बेंगलुरु में हाल ही में हुए 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान यश ने कहा, यह कन्नड़ फिल्म नहीं है। यह भारतीय फिल्म है। इसमें सभी प्रतिभाशाली लोग हैं। यह सिर्फ यश की फिल्म नहीं है। उन्होंने कहा कि फिल्म तभी संभव हो सकी, क्योंकि इसमें कई सफल और प्रतिभाशाली लोगों ने अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि फिल्म को वैश्विक मंच तक ले जाने के उद्देश्य से अलग-अलग क्षेत्रों के सफल कलाकार एक साथ आए हैं। यश ने कहा कि 'टॉक्सिक' को बनाना बेहद चुनौतीपूर्ण रहा। फिल्म के निर्माण के दौरान कई बड़े फैसले लेने पड़े। उन्होंने कहा, यह कोई कमर्शियल फिल्म नहीं है। इसमें बहुत सारे लोगों की मेहनत लगी है। पैशन कभी बेकार नहीं जाता। आप इस फिल्म को देखेंगे तो जानेंगे। यश ने फिल्म में अपने डबल रोल को लेकर भी उत्सुकता बढ़ाई है। फिल्म में वह दो अलग-अलग किरदारों में नजर आएंगे, जो कहानी के रहस्य और ड्रामा को और गहरा करते हैं। ट्रेलर में उनके दोनों अवतारों की झलक ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। दोनों किरदारों के व्यक्तित्व और उनके बीच के संबंध को फिल्म की कहानी का अहम हिस्सा माना जा रहा है। यश ने फिल्म की लंबी शूटिंग को लेकर भी खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 'टॉक्सिक' की शूटिंग करीब 200 दिनों तक चली। इतने बड़े स्तर की फिल्म के निर्माण में कलाकारों की तारीखों, लोकेशन और प्रोडक्शन से जुड़ी तमाम चीजों को एक साथ संभालना आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि फिल्म को कन्नड़ और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में शूट किया गया, जिससे निर्माण प्रक्रिया में और अधिक समय लगा। यश ने फिल्म की रिलीज को लेकर लगातार सामने आती अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शूटिंग के दौरान लगभग हर 10 या 20 दिन में फिल्म के बंद होने, शूटिंग रोक दिए जाने या रिलीज डेट आगे बढ़ने जैसी खबरें सामने आती थीं। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वे ऐसी खबरें कहां से लिखते हैं, लेकिन ऐसी खबरें पढ़कर दुख होता है। उन्होंने कहा कि 'टॉक्सिक' जैसे बड़े बजट और बड़े स्तर के प्रोजेक्ट को तैयार करने में समय लगना स्वाभाविक है। फिल्म में कई बड़े कलाकारों के शामिल होने के कारण सभी को एक साथ संतुलित करना भी चुनौतीपूर्ण था। गीतू मोहनदास के निर्देशन में काम करने के फैसले पर यश ने कहा कि वह किसी निर्देशक के साथ काम करने से पहले उसके ट्रैक रिकॉर्ड को नहीं देखते। उनके लिए निर्देशक की मेहनत और जुनून अधिक महत्वपूर्ण है।

तिरंगे में रंगा नरसिंहपुर, गूंजे भारत माता के जयकारे

हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ पर निकली भव्य तिरंगा यात्रा

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव की उमंग और देशभक्ति की भावना से रविवार को नरसिंहपुर शहर तिरंगे के रंग में रंग गया। सम्पूर्ण देश में 9 से 17 अगस्त तक चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' का जिले में भव्य तिरंगा यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। हाथों में तिरंगा लेकर निकले नागरिकों, युवाओं और विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बना। भारत माता के जयकारों और राष्ट्रभक्ति के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में कैबिनेट मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल एवं श्री महेंद्र नागेश, वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. मीणा तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता की। यह तिरंगा यात्रा मंडी चौराहा से जैन मंदिर तिराहा तक निकाली गई। तिरंगा यात्रा कृषि उपज मंडी से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निर्धारित स्थल पर पहुंची। यात्रा के दौरान आगे बढ़ते प्रतिभागियों के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और जुबां पर 'भारत माता की जय' एवं 'वंदे मातरम' के जयघोष वातावरण को देशभक्ति से सराबोर करते रहे। तिरंगा यात्रा में शामिल हर वर्ग के लोगों के उत्साह और उमंग ने राष्ट्रीय एकता और राष्ट्रप्रेम की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की। तिरंगा यात्रा में नगर पालिका के पार्षदगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, खेल संगठनों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी, युवा तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर एक साथ कदम से कदम मिलाते जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी और युवा 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश देते नजर आए। तिरंगा यात्रा के माध्यम से जिलेवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने नागरिकों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर देश के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को अभिव्यक्त करें। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत 9 से 17 अगस्त तक जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को अभियान से जोड़ा जाएगा। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में तिरंगे के प्रति सम्मान, राष्ट्रप्रेम और देश के प्रति गौरव की भावना को और मजबूत करना है इस अवसर पर मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की गई थी, जो आज भी सतत रूप से जारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का स्पष्ट संदेश है कि यह अभियान हर समाज, हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। अभियान के अंतर्गत आयोजित रैलियों एवं कार्यक्रमों में देश के प्रत्येक नागरिक- चाहे वह किसी भी क्षेत्र में कार्यरत हो- को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि इस अभियान में किसी प्रकार का औपचारिक प्रोटोकॉल नहीं है, बल्कि एक ही सर्वोच्च प्रोटोकॉल है- भारत माता और तिरंगा। उन्होंने झंडा ऊंचा रहे हमारा के भाव के साथ सभी नागरिकों से तिरंगे के सम्मान को सर्वोपरि रखा।

भव्य बम भोले कांवड़ यात्रा में शामिल हुए कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा गाडरवारा, नर्मदा जल लेकर निकले शिवभक्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

सावन माह के पावन अवसर पर सोमवार को गाडरवारा में आयोजित भव्य 'बम भोले कांवड़ यात्रा' श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम बनी। इस भव्य धार्मिक आयोजन में मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह विशेष रूप से शामिल हुए। मंत्री श्री सिंह ने श्रद्धालुओं के साथ कांवड़ यात्रा में सहभागिता करते हुए भगवान भोलेनाथ का पूजन-अर्चन किया तथा प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। उनकी उपस्थिति से आयोजन को विशेष गरिमा मिली और श्रद्धालुओं का उत्साह और बढ़ गया। सर्व सनातन समाज के तत्वावधान में आयोजित यह यात्रा ककरा घाट से प्रारंभ हुई। बड़ी संख्या में शिवभक्त मां नर्मदा का पवित्र जल कांवड़ में भरकर 'हर-हर महादेव' और 'बम भोले' के जयघोष के साथ नगर की ओर प्रस्थान किए। कांवड़ यात्रा ककरा घाट, खकरिया मोड़, पलोहा मोड़, ज्योति हॉस्पिटल के सामने, महाकाल चौक, चुंगी नाका, बस स्टैंड, गंज एवं झंडा चौक जैसे प्रमुख मार्गों से होकर शिवालय चौक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। भक्ति गीतों और शिव नाम के जयकारों से वातावरण पूर्णतः भक्तिमय हो गया। शिवालय चौक पहुंचकर कांवड़ यात्रा का भव्य समापन हुआ, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का नर्मदा जल से जलाभिषेक किया। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता से गाडरवारा शहर में धार्मिक उल्लास और आस्था का अनुपम माहौल देखने को मिला।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद राजमार्ग टीम द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया

नरसिंहपुर।

सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद राजमार्ग की टीम द्वारा श्री लीला पैलेस के मानस भवन में रंगारंग प्रस्तुतियों एवं प्रेरक उद्बोधनों के साथ प्रथम स्थापना दिवस मनाया। सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद की जिला अध्यक्ष विवेक पांडे के मुख्य आतिथ्य में सर्व ब्राह्मण महिला एकता परिषद राजमार्ग संरक्षक निशा शर्मा की अध्यक्षता में राजमार्ग नगर अध्यक्ष शुभा शुक्ला, राजमार्ग उपाध्यक्ष अनुपमा डबरिया एवं सचिव आरती व्यास के मार्गदर्शन में, विशिष्ट अतिथियों जिला उपाध्यक्ष पूर्णिमा शुक्ला,नरसिंहपुर नगर अध्यक्ष सुनंदा भट्ट, करेली ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष भारती पालीवाल , जिला महासचिव ज्योति तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष नंदिता चौबे एवं जिला संगठन मंत्री मंजूलता पांडे की उपस्थिति में, राजमार्ग कार्यकारिणी से कोषाध्यक्ष विभा मिश्रा, सहसचिव डॉक्टर रूही पांडे, सहकोषाध्यक्ष मयूरिका तिवारी, संगठन मंत्री उर्मिला मिश्रा, संयोजक नीलू तिवारी ,प्रचार प्रसार मंत्री प्रतीक्षा तिवारी एवं निधि तिवारी के सहयोग से मनाया।कार्यक्रम की मैनेजमेंट नैना शर्मा द्वारा एवं मंच संचालन यशिका तिवारी एवं शुभा शुक्ला के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं भगवान परशुराम के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया , बच्चियों के द्वारा नृत्य प्रस्तुति दी गई , अतिथियों के उद्बोधन उपरांत सक्रिय मात्र शक्तियों के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। समस्त कार्यकारिणी ने प्रेरक विषयों जिनमें प्रमुख रूप से आज की पीढ़ी एवं उनके संस्कार, एकजुट मातृशक्ति, संगठन का महत्व, आज की पीढ़ी संस्कार एवं आधुनिकता, आदि विषयों पर अपनी अपनी बात रखी। नरसिंहपुर जिला कार्यकारिणी के द्वारा राजमार्ग कार्यकारिणी को उनके संगठन के प्रति समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में तेंदूखेड़ा अध्यक्ष रजनी शर्मा, सचिव कीर्ति तिवारी, सीमा मिश्रा एवं उनकी टीम,चारपाठा से प्रभा भाटेले, रितु भाटेले एवं उनकी समस्त कार्यकारिणी, देवरी से सरोज दीक्षित नरसिंहपुर से सपना शर्मा , ममता मिश्रा, मंजू दुबे, प्रियंका गोस्वामी साथ ही सुआतला बिलहरा, साईखेड़ा से बड़ी संख्या में मात्र शक्तियां एकत्रित हुई।

अनुज परिहार को मिली बजरंग दल में प्रांत बल उपासना प्रमुख की जिम्मेदारी

नरसिंहपुर। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की दो दिवसीय प्रांत स्तरीय बैठक कटनी के दिवांचल मैरिज गार्डन में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी छह माह के कार्यक्रमों एवं विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

साथ ही धर्मांतरण, लव जिहाद सहित सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर भी पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया। बैठक में वरिष्ठ प्रचारक केंद्रीय संगठन महामंत्री विनायक राव, केंद्रीय मंत्री अजय पारीक तथा क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम जी भाईसाब का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

जनजातीय संस्कृति हमारी अमूल्य धरोहर : मंत्री प्रहलाद पटेल

विश्व आदिवासी दिवस पर कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में हुए शामिल

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कृषि उपज मंडी, नरसिंहपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग श्री प्रहलाद सिंह पटेल मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने जनजातीय समाज की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति के साथ संतुलित जीवनशैली की सराहना की। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय संस्कृति और परंपराएं इस सृष्टि का अनमोल उपहार हैं। जनजातीय समाज ने सदियों से प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व और संतुलन का जीवन जीते हुए अपनी गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित रखा है। इन परंपराओं का संरक्षण करते हुए जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जनजातीय समाज के सशक्तिकरण को नई गति मिली है। जनजातीय क्षेत्रों में विकास सुविधाओं के विस्तार, युवाओं के लिए अवसर और परिवारों की आजीविका सशक्त करने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। विकास के साथ संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण भी हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। मंत्री श्री पटेल ने वीरांगना रानी दुर्गावती के अद्वितीय साहस, रणनीतिक क्षमता और दूरदर्शिता का उल्लेख करते हुए जनजातीय समाज के त्याग, बलिदान, युद्ध कौशल, पारंपरिक ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज अपनी ज्ञान एवं संस्कृति की परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत रूप में आगे बढ़ा रहा है, जो उसकी समृद्ध विरासत का प्रतीक है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन-कार्यक्रम में जनजातीय कला, संस्कृति एवं परंपराओं की विविधता की मनोहारी झलक देखने को मिली। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित जनसमुदाय का मन मोह लिया। इस अवसर पर जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं विकास का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में विधायक श्री महेंद्र नागेश, विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, श्री रामसनेही पाठक, जिला पंचायत सदस्य श्री सीताराम नामदेव, श्री नीलेश काकोड़िया, श्री अशोक, श्री एम.एस. धुर्वे, श्रीमती मीना शाह, प्रदेश अध्यक्ष, गोंड महासभा श्रीमती तरुण लता धुर्वे, श्रीमती सरोज धुर्वे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना, अन्य अधिकारी, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के नागरिक मौजूद थे।

जलभराव वाले मार्गों से विद्यार्थियों को सुरक्षित रखें, किसी भी स्थिति में जोखिम न लें : डीईओ

नरसिंहपुर स्वतंत्रमत। जिले में लगातार हो रही बारिश एवं जलभराव की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह द्वारा जारी दिशा निर्देश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. श्री अनिल कुशवाहा ने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत समन्वयकों तथा संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य एवं संस्था प्रमुखों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं डीईओ ने कहा कि किसी भी स्थिति में विद्यार्थियों को जलभराव वाले मार्ग को पार करने की अनुमति न दी जाए। जलभराव वाले स्थानों से विद्यार्थियों की सुरक्षित दूरी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यालय आने-जाने के दौरान पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरती जाए।उन्होंने निर्देशित किया कि शिक्षकों, विद्यार्थियों, प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों का सुरक्षित आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार का जोखिम लेने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी विद्यालय तक पहुंचने अथवा विद्यार्थियों के आवागमन में कठिनाई की स्थिति निर्मित होती है तो तत्काल संबंधित विकासखंड अधिकारी को सूचित किया जाए।उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी परिस्थिति में जलभराव को पार करने का जोखिम न लिया जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।डीईओ डॉ. कुशवाहा ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रमुखों से अपील की है कि बारिश एवं जलभराव की परिस्थितियों में सतर्कता, सावधानी और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाएं।

आरडीपीएस की बेटियों ने रचा इतिहास, बनीं सीबीएसई क्लस्टर कबड्डी चैंपियन

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए किया क्वालिफाई

करेली। राव रुकमणी देवी पब्लिक स्कूल (आरडीपीएस), राजमार्ग, नरसिंहपुर की अंडर-17 बालिका कबड्डी टीम ने देवास में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर कबड्डी प्रतियोगिता में अपने शानदार खेल, अदम्य साहस और उत्कृष्ट टीम भावना का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में मैक्रो विज़न अकादमी को 32 अंकों के बड़े अंतर से पराजित कर सीबीएसई क्लस्टर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व प्रांजली शाह, शिवानी पटेल, जानवी किरार, पूर्वी पटेल,

डाली पटेल, प्राची सोनी, नम्रता लोधी, सौम्या चौधरी, तीर्था जैन, अनवेषा लोधी एवं महिमा तिवारी ने किया और शाला को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई। इस शानदार उपलब्धि के साथ आरडीपीएस की टीम ने आगामी महीनों में ऋषिकेश (उत्तराखंड) में आयोजित होने वाली सीबीएसई राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए भी अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। विद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त खेलकूद एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के लिये प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षक नियुक्त है। जो बच्चों के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान दे रहे है। विद्यालय के प्राचार्य, प्रबंधन समिति एवं समस्त विद्यालय परिवार ने सभी खिलाड़ी छात्राओं, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों को इस ऐतिहासिक सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम देशभर में रोशन करने की कामना की है। मेहनत, अनुशासन, समर्पण और अटूट आत्मविश्वास का यह स्वर्णिम परिणाम आरडीपीएस की बेटियों की प्रेरणादायक सफलता का प्रतीक है।

जिला पंचायत सीईओ ने सुरभि गौशाला गोबरगांव का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरसिंहपुर श्री गजेंद्र सिंह नागेश ने रविवार को ग्राम गोबरगांव स्थित श्री सुरभि गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला में संचालित विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन करते हुए व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान एक हजार निराश्रित गोवंश के लिए गो-अभयारण्य की स्थापना के संबंध में श्री सुरभि गो सेवा चैरिटेबल सोसायटी के चेयरमैन श्री अनुज तिवारी से विस्तारपूर्वक एवं सार्थक चर्चा की गई। सीईओ जिला पंचायत श्री नागेश ने प्रस्तावित गो-अभयारण्य के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक व्यवस्थाओं एवं संभावनाओं की जानकारी ली।सीईओ जिला पंचायत श्री नागेश ने स्थानीय नागरिकों से संवाद करते हुए गो-अभयारण्य की स्थापना में जनसहयोग तथा गोबर के बेहतर एवं उपयोगी सदुपयोग के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण के साथ-साथ गोबर का वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक उपयोग ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने गौशाला की गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए गोवंश के संरक्षण और बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक प्रयासों पर भी चर्चा की। इस अवसर पर राहुल डोले, सब इंजीनियर जनपद पंचायत, सुशील विश्वकर्मा, शैलेंद्र कौरव, योगेश यादव, आदित्य रजक सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को सशक्त बनाना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हमारा नैतिक कर्तव्य: बी. के. दुर्गा

एनसीएल ने सीएसआर के तहत दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु किया ट्राई-साइकिल का वितरण

सिंगरौली। सोमवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने सीएसआर के तहत जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सौजन्य से दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु ट्राई-साइकिल का वितरण किया। एनसीएल मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में सिंगरौली और सोनभद्र परिक्षेत्र के 10 दिव्यांगजनों को ट्राई-साइकिल दी गई।

इस अवसर पर कृति महिला मंडल, सिंगरौली की अध्यक्षा बी. के. दुर्गा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। इस दौरान अपने उद्बोधन में बी. के. दुर्गा ने दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने को सबका नैतिक कर्तव्य बताया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कृति महिला मंडल व ज्योत्सना महिला समिति की उपाध्यक्षा नम्रता कुमार, शीला द्विवेदी, रूबी जायसवाल व कृति महिला मंडल व ज्योत्सना महिला समिति की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं।

ट्राई-साइकिल मिलने से लाभार्थियों के दैनिक जीवन में सीधा और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और अपनी दैनिक आवश्यकताओं तथा कार्यों के लिए स्वतंत्र रूप से कहीं भी आ-जा सकेंगे इसके साथ ही, ट्राई-साइकिल दिव्यांगजनों के लिए शिक्षा और आजीविका के नए रास्ते खोलेगी। अब वे बिना किसी बाधा के स्कूल, कॉलेज, बाजार या अपने कार्यस्थल तक पहुँच सकेंगे। इससे उनके समय और ऊर्जा की बचत होगी, जिससे उनका जीवन सुगम और सम्मानजनक बनेगा। कार्यक्रम में ट्राई-साइकिल प्राप्त करने के पश्चात् लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने इस मानवीय पहल के लिए एनसीएल को धन्यवाद दिया।

भोपाल में स्कूल शिक्षा मंत्री से मिला उच्च माध्यमिक शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस उच्च माध्यमिक शिक्षकों के उच्च पद प्रभार हाईस्कूल प्राचार्य संघ के जिला अध्यक्ष सतीश नाईक के नेतृत्व में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव? उदयप्रताप सिँह से भोपाल स्थित उनके आवास पर नरसिंहपुर जिले के उच्च माध्यमिक शिक्षकों के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर शिक्षकों ने उन्हें रुकी हुई पदोन्नति के संबंध में ज्ञापन सौंपा। मंत्री श्री सिंह ने ध्यान पूर्वक शिक्षकों की बातो को सुना एवं समस्या समाधान की दिशा में पहल की। भोपाल से लौटकर उच्च माध्यमिक शिक्षक श्री नाईक ने बताया कि पहले राजपत्र में संशोधन होगा तभी उच्च माध्यमिक शिक्षकों की पदोन्नति संभव है। विदित हो कि शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष छबवीर सिंह राठौर ने भी मजबूती से उच्च माध्यमिक शिक्षकों का पक्ष रखा और राजपत्र में संशोधन की मांग की तथा इसे अन्यायपूर्ण बताया। इस अवसर पर राजेश गुप्ता, शमीम कुरैशी,शैलेन्द्र बक्शी , इकबाल कुरैशी , चैतन पटेल,प्रीतिराज वर्मा, श्रीमती सुनीता तिवारी आदि उपस्थित थे।

भारत विकास परिषद की बैठक आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गत दिवस स्थानीय बीटीआई स्कूल में भारत विकास परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं वंदे मातरम गायन से किया गया। इस अवसर पर गाडरवारा शाखा का गठन सर्वसम्मति से किया गया जिसमे शाखा अध्यक्ष मधुसूदन पटेल सहित उपाध्यक्ष हरीश भार्गव, विजय नामदेव, सचिव राजेंद्र गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रसन्न दुबे एवं मीडिया प्रभारी सुरेंद्र पटेल को बनाया गया। इसके अलावा प्रकल्प संयोजको में प्रमुख रूप से सम्पर्क प्रकल्प के लिए अमित पटेल, सेवा प्रकल्प के लिए मलखान मेहरा, संस्कार प्रकल्प के लिए तुलसीकांत श्रीवास्तव, पर्यावरण प्रकल्प के लिए मनीष श्रीवास्तव एवं महिला सहभागिता प्रकल्प के लिए संयोगिता शिवहरे को संयोजक बनाया गया। साथ ही मार्गदर्शक मंडल संरक्षक कमल साहू को बनाया गया एवं कार्यकारिणी में राजेश गुप्ता, राहुल सराठे, पवन प्रजापति सहित अन्य को शामिल किया गया। बैठक में रीजनल अध्यक्ष सुनील कोठारी ने कहा कि परिषद राष्ट्रहित, समाजसेवा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए समर्पित संगठन है। राष्ट्रीय पर्यावरण सदस्य जितेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि परिषद द्वारा समय-समय पर रक्तदान शिविर, नेत्र परीक्षण एवं नेत्रदान जागरूकता, पौधा रोपण, स्वास्थ्य शिविर तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पूर्व प्रांत अध्यक्ष संजय तिवारी ने ?कहा कि भारत विकास परिषद सेवा, समर्पण, संस्कार और सहयोग की भावना के साथ समाजहित में कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने परिषद की गतिविधियों का विस्तार करने का आग्रह किया। बैठक में निवर्तमान अध्यक्ष कमल साहू ने कहा कि मेरे कार्यकाल में परिषद की गतिविधियां संपादित कराई गई एवं आशा है कि नई टीम अच्छा कार्य करेगी। बैठक में अमित पटेल, राजेश गुप्ता ने भी अपने विचार रखे। अंत में अध्यक्ष मधुसूदन पटेल ने आभार व्यक्त किया।

पांच वर्षीय संकल्प के द्वितीय चरण में उमड़ा आस्था का सैलाब

कन्हवारा-डीठवारा होते हुए नीलकंठेश्वर धाम में हुआ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्रावण मास के पावन अवसर पर रविवार को कटनी की धरती शिवभक्ति से सराबोर नजर आई। चारों ओर हर-हर महादेव के जयघोष, हाथों में कांवड़, मुख पर भोलेनाथ का नाम और हृदय में अटूट आस्था ऐसा विहंगम दृश्य देखने को मिला, जब बाबू मदनलाल ग्रोवर की अगुवाई में नीलकंठेश्वर धाम सलैया पंडखुरी के तत्वावधान में विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने कांवड़ लेकर इस धार्मिक यात्रा में सहभागिता की और पवित्र जल लेकर नीलकंठेश्वर धाम पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। इस अवसर पर पूरा यात्रा मार्ग हर-हर महादेव, बोल बम और शिवभक्ति के जयघोषों से गूंजता रहा। धार्मिक भजनों और शिव आराधना ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं के उत्साह और आस्था ने इस आयोजन को एक भव्य धार्मिक उत्सव का स्वरूप प्रदान कर दिया।

सिर्फ यात्रा नहीं, पांच वर्षों के संकल्प की दूसरी कड़ी

इस आयोजन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि यह महज एक कांवड़ यात्रा नहीं, बल्कि पांच वर्षीय धार्मिक संकल्प का द्वितीय चरण था। कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार बाबू मदनलाल ग्रोवर ने बताया कि वर्ष 2025 में पुरैनी बागेश्वर धाम से नीलकंठेश्वर धाम तक पवित्र जल पहुंचाने का संकल्प लिया गया था। संकल्प लिया गया था कि लगातार पांच वर्षों तक श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के माध्यम से पवित्र जल नीलकंठेश्वर धाम पहुंचाकर भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा। इसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष यात्रा का दूसरा चरण आयोजित किया गया। बाबू मदनलाल ग्रोवर ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, आस्था और समर्पण का पर्व है। कांवड़ यात्रा इसी श्रद्धा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। उनका उद्देश्य है कि आने वाले वर्षों में भी यह धार्मिक परंपरा निरंतर आगे बढ़े और अधिक से अधिक शिवभक्त इसमें सहभागी बनें।

पुरैनी बागेश्वर धाम से शुरू हुआ आस्था का कारवां

विशाल कांवड़ यात्रा का शुभारंभ पन्ना मोड़ सब्जी मंडी स्थित पुरैनी बागेश्वर धाम से हुआ। यहां से शिवभक्त पवित्र जल लेकर कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। यात्रा आगे बढ़ते हुए कन्हवारा, डीठवारा सहित विभिन्न मार्गों से होकर नीलकंठेश्वर धाम सलैया पंडखुरी, विजयराघवगढ़ पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं के स्वागत एवं सेवा की व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह शिवभक्तों का उत्साह बढ़ाया गया। जैसे-जैसे कांवड़ यात्रा आगे बढ़ती गई, श्रद्धालुओं का कारवां भी विस्तृत होता गया। भजनों, जयघोषों और शिव आराधना के बीच पूरा वातावरण भक्तिरस में डूबा नजर आया।

नीलकंठेश्वर धाम में हुआ पवित्र जल से अभिषेक

नीलकंठेश्वर धाम पहुंचने के बाद कांवड़ियों ने पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का विधि-विधानपूर्वक अभिषेक किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। बाबू मदनलाल ग्रोवर ने स्वयं कांवड़ लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत और अभिनंदन किया। उन्होंने सभी शिवभक्तों की सहभागिता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था और सहयोग ही इस धार्मिक आयोजन की वास्तविक शक्ति है।

भव्य भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

कांवड़ यात्रा के समापन अवसर पर नीलकंठेश्वर धाम सलैया पंडखुरी में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। दोपहर से प्रारंभ हुए भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और धर्मप्रेमी नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में सेवा और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन स्थल पर पहुंचे प्रत्येक श्रद्धालु का आत्मीय स्वागत किया गया। शिवभक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

भव्य कांवड़ यात्रा के प्रमुख सूत्रधारों में विजयराघवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक, बाबू मदनलाल ग्रोवर, बाबू ग्रोवर एवं रुद्राक्ष ग्रोवर शैलेश कन्हैया तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं अनुज आनंद ने आयोजन में सहयोग प्रदान किया। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों, सहयोगियों, स्थानीय नागरिकों और बड़ी संख्या में शामिल हुए शिवभक्तों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शिवभक्ति की यह परंपरा आगे भी रहेगी जारी

श्रावण मास में आयोजित इस विशाल कांवड़ यात्रा ने कटनी अंचल में धार्मिक आस्था और सामाजिक सहभागिता का एक नया स्वरूप प्रस्तुत किया। हजारों कदमों से आगे बढ़ता आस्था का यह कारवां और हर-हर महादेव के गगनभेदी जयघोष इस बात के साक्षी बने कि भगवान शिव के प्रति श्रद्धा आज भी जनमानस में उतनी ही गहरी है। बाबू मदनलाल ग्रोवर की अगुवाई में प्रारंभ हुआ पांच वर्षीय संकल्प अब अपने द्वितीय चरण में पहुंच चुका है। इस धार्मिक संकल्प की निरंतरता आने वाले वर्षों में भी बनी रहेगी और नीलकंठेश्वर धाम तक पवित्र जल पहुंचाने की यह परंपरा और व्यापक स्वरूप लेगी- यही आयोजन से जुड़े शिवभक्तों की भावना और संकल्प है। श्रद्धा के कदम बढ़ते रहे, हर-हर महादेव गूंजता रहा और नीलकंठेश्वर धाम शिवभक्ति से अभिभूत होता रहा।

राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में बर्डस्ले स्कूल के छात्रों ने दिखाया दम, कड़ी मेहनत से हासिल की सफलता

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले के बर्डस्ले स्कूल के छात्रों ने राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सागर में आयोजित राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में स्कूल के करीब 12 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों के बीच मुकाबला करते हुए स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि राज्य स्तर पर शतरंज खेलना उनके लिए बेहद खास और सीखने वाला अनुभव रहा। प्रतियोगिता के दौरान उन्हें अलग-अलग जिलों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करने का अवसर मिला, जिससे उनके आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी हुई। छात्रों ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए उन्होंने लंबे समय तक कड़ी मेहनत और नियमित अभ्यास किया। शतरंज में एकाग्रता, धैर्य और सही रणनीति बेहद महत्वपूर्ण होती है। विद्यार्थियों ने इन सभी पहलुओं पर लगातार अभ्यास करते हुए प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया और विजेता बनकर कटनी जिले और अपने बर्डस्ले स्कूल का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि में प्रदीप पुरवार सर का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को लगातार मार्गदर्शन दिया और उनकी प्रतिभा को निखारने के लिए मेहनत की। उनके प्रयासों से ही स्कूल के छात्रों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला। उन्होंने विद्यार्थियों को शतरंज की बारीकियों के साथ-साथ प्रतियोगिता के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखने और बेहतर रणनीति के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए सभी खिलाड़ियों और उनके मार्गदर्शक प्रदीप पुरवार को बधाई दी। छात्रों की इस सफलता से स्कूल में भी उत्साह का माहौल है।

मिश्र परिवार ने आरती-वंदना कर लिया आशीर्वाद

कटनी (स्वतंत्रमत)

आचार्य आश्रम चित्रकूट धाम के राजगुरु श्रीयुत बदरी प्रपन्नाचार्य जी महाराज का शहर के प्रथम महापौर विजेंद्र मिश्र राजा भैया के प्रियदर्शिनी बस स्टैंड स्थित विजय ऑटो एजेंसी संस्थान में शुभागमन हुआ। इस अवसर पर मिश्र परिवार ने गुरुदेव का आत्मीय स्वागत करते हुए आरती-वंदना की और उनका आशीर्वाद ग्रहण किया।

आहना की समाज सेविकाओं ने सेलिब्रेट किया फ्रेंडशिप डे और हरियाली तीज पर्व

कटनी (स्वतंत्रमत)। जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने मिलकर फ्रेंडशिप डे और हरियाली तीज का सेलिब्रेशन बहुत धूमधाम से किया। इस दौरान आहना की समाज सेविकाओं ने ट्रेडिशनल और फ्यूजन दोनों ही डांस फॉम में परफॉरमेंस देकर कार्यक्रम में जान डाल दी। इस दौरान सभी महिलाओं का स्वागत तिलक लगाकर और फ्रेंडशिप बैंड पहनाकर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कृष्ण वंदना पर नृत्य के साथ हुई। जिसके बाद कई तरह के गेम्स भी खिलाए गए। फ्रेंडशिप डे और हरियाली तीज पर्व के सेलिब्रेशन के लिए आहना की समाज सेविकाओं ने राजस्थानी पारंपरिक पोशाक और इंडो वेस्टन एथेलिक ड्रेस पहनकर कार्यक्रम में खूबसूरती बिखेर दी। तीज के कार्यक्रम में कई तरह के कॉम्पिटीशन भी कराए गये। इस दौरान गेम्स, क्वाश्चन राउंड, डांस और मस्ती के साथ-साथ हरियाली क्वीन, ब्यूटी क्वीन, बेस्ट मेकअप, बेस्ट डांस परफॉर्मेंस, रैंप वॉक और फैंसी ड्रेस कॉम्पिटिशन का भी आयोजन किया गया। जिसमें जीतने वाले सभी प्रतिभागियों को गिफ्ट्स देकर प्रोत्साहित किया गया।

बांटे हैंड मेड इको फ्रेंडली गिफ्ट्स और 101 तुलसी के पौधे-आहना की समाज सेविकाओं ने कार्यक्रम में शामिल हुए सभी सदस्यों और अतिथियों को हैंड मेड इको फ्रेंडली रिटर्न गिफ्ट्स भी दिये। साथ ही हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 101 तुलसी के पौधों का वितरण भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनु श्रीवास्तव, पल्लवी महेश्वरी, श्वेता कटारे, दीपिका शर्मा, आहना की संस्थापिका और अध्यक्ष वाणी गट्टानी, निशा गुप्ता, कविता लालवानी, वंदना गट्टानी, स्वाति नायक, उपासना बजाज, शालिनी बजाज, सिमरन महेश्वरी, रश्मि गट्टानी, राशी, रेनुका, पूजा, शिखा, आरती, शिल्पी, प्रीति, एकता, तनू, शकुंतला, राधा, तरुणा, अनीता, स्मिता और आयूषी, सुनीता, नीति, शिवानी, प्रियंका, सोनिया, नीतू, भव्या, पूनम, मुक्ता, चंचल शामिल रहीं।

रक्षाबंधन पर्व को लेकर महापौर ने यातायात एवं अतिक्रमण शाखा के साथ की समन्वय बैठक

सड़कों पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों पर होगी नियमानुसार चालानी कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

आगामी रक्षाबंधन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए महापौर प्रीति संजीव सूरी ने गुरूवार को यातायात एवं निगम की अतिक्रमण शाखा के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित कर पर्व के दौरान शहर की यातायात एवं बाजार व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि पर्व के दौरान बाजारों में नागरिकों की आवाजाही बढ़ने के कारण यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना निगम एवं यातायात विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। दोनों विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें, जिससे नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान महापौर ने सेंट्रल पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने तथा आवश्यकतानुसार प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाजार क्षेत्रों में दुकानदारों एवं ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बाजार व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की जाए, ताकि पर्व के दौरान यातायात सुचारू बना रहे और नागरिकों को आवागमन में किसी तरह की असुविधा न हो। महापौर ने रक्षाबंधन पर्व के लिए लल्लू भैया की तलैया में चिन्हित राखी बाजार स्थल पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राखी बाजार में आने वाले व्यवसायियों के साथ-साथ खरीदारी के लिए पहुंचने वाले नागरिकों को भी बेहतर सुविधा मिलनी चाहिए। बाजार स्थल पर आवागमन, पार्किंग, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते पूर्ण किया जाए, जिससे पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा की स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि रक्षाबंधन पर्व के दौरान भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकता के अनुसार मौके पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित शाखाएं आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान शहर में स्थायी रूप से वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था विकसित किए जाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रमुख बाजार एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पार्किंग की समस्या के स्थायी समाधान के लिए उपयुक्त वैकल्पिक स्थलों को चिन्हित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था से न केवल पर्व के दौरान, बल्कि सामान्य दिनों में भी यातायात को सुचारू बनाए रखने और नागरिकों को आवागमन में सुविधा प्रदान करने में मदद मिलेगी। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यातायात एवं बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जनता के साथ निरंतर संवाद स्थापित किया जाए। नागरिकों एवं व्यापारियों को व्यवस्थित पार्किंग, अतिक्रमण न करने, सड़क पर सामान न फैलाने तथा यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में जागरूक कर समझाइश दी जाए।

सनशाइन अकैडमी में हुआ कंट्री बेस्ड क्विज़ कॉम्पिटीशन

कटनी (स्वतंत्रमत)। बच्चों में सामान्य ज्ञान, देश के प्रति जागरूकता और सीखने की रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से सनशाइन अकैडमी, राहुल बाग, कटनी में नन्हे विद्यार्थियों के लिए एक विशेष कंट्री बेस्ड क्विज़ कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपने देश भारत की पहचान, राष्ट्रीय प्रतीकों एवं महत्वपूर्ण तथ्यों से परिचित कराना था। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने उत्साहपूर्वक भारत के राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय फल, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय गान सहित देश से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त की। नन्हे बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास और उत्साह के साथ क्विज़ में भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान बच्चों में सीखने की जिज्ञासा, आत्मविश्वास, स्मरण शक्ति और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा भारत से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देने का उत्साह सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने बताया कि बच्चों को केवल पुस्तकीय ज्ञान देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें अपने देश, उसकी संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान से जोड़ना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से इस तरह की गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, ताकि बच्चे लर्न थ्रू फन के माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर सकें। विद्यालय की ओर से प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया। सनशाइन अकैडमी राहुल बाग का यह प्रयास नन्हे विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ देशप्रेम, आत्मविश्वास और जागरूकता की भावना विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा।

छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग

पीपीपी मॉडल मेडिकल कॉलेज का विरोध जारी रहेगा : एनएसयूआई

कटनी (स्वतंत्रमत)

इंडियन कॉफी हाउस, कटनी में एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक द्वारा पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। पत्रकार वार्ता में छात्र हितों, कटनी के शैक्षणिक विकास एवं जिले की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर संगठन की आगामी रणनीति और मांगों को सामने रखा गया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक ने कहा कि एनएसयूआई द्वारा दायर जनहित याचिका पर हाल ही में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट द्वारा छात्र संघ चुनाव कराए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं। एनएसयूआई सरकार से मांग करती है कि प्रदेश में छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाएं, ताकि छात्र स्वयं अपने प्रतिनिधियों का लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कर सकें। पत्रकार वार्ता में कटनी में पीपीपी मॉडल पर खोले जा रहे मेडिकल कॉलेज का भी विरोध किया गया। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि छात्रों एवं आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए संगठन हर स्तर पर इस व्यवस्था का विरोध जारी रखेगा। साथ ही कटनी में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की मांग को भी प्रमुखता से उठाने की बात कही गई। एनएसयूआई का कहना है कि कटनी जैसे महत्वपूर्ण जिले में युवाओं और विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी शिक्षा के लिए दूसरे शहरों की ओर जाने को मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

शासकीय लॉ कॉलेज और कॉलेजों की व्यवस्थाओं में सुधार की मांग-एनएसयूआई ने कटनी में शासकीय लॉ कॉलेज की स्थापना, महाविद्यालयों में शिक्षकों की कमी दूर करने, नए रोजगारपरक एवं उपयोगी पाठ्यक्रम प्रारंभ करने तथा कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार की मांग भी उठाई। साथ ही तिलक कॉलेज को ऑटोनोमस किए जाने की बात की। संगठन ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए और इन मांगों को लेकर एनएसयूआई आने वाले समय में आंदोलन को और तेज करेगी।

भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने कटनी को 20 साल पीछे धकेला- दिव्यांशु मिश्रा अंशु-पत्रकार वार्ता में युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने भाजपा के जनप्रतिनिधियों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के मौजूदा जनप्रतिनिधियों की आपसी गुटबाजी के कारण कटनी जिले का विकास प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि कटनी को शासकीय मेडिकल कॉलेज नहीं मिल पाना जिले की जनता के साथ बड़ा अन्याय है। सांसद वीडी शर्मा एवं विधायक संदीप जायसवाल को इसकी जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल अपने पदों से इस्तीफा देना चाहिए। दिव्यांशु मिश्रा ने कहा कि विधायक लखन घनघोरिया द्वारा विधानसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए उत्तर ने कटनी की जनता की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इससे भाजपा नेताओं द्वारा लंबे समय से किए जा रहे दावों की वास्तविकता भी सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि कटनी के विकास को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्थिति यह है कि छोटी-छोटी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी जनता को न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। विकास की रफ्तार इतनी धीमी है कि कटनी अपने आसपास के क्षेत्रों से लगातार पिछड़ता जा रहा है।

दिव्यांशु मिश्रा ने जिले की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि कटनी में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं और नशे तथा सट्टे का कारोबार तेजी से फैल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिले में स्मैक, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री तथा सट्टे के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर संरक्षण और मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कटनी को नशे और सट्टे का हब बनने से रोकने के लिए सरकार और प्रशासन को कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी केवल राजनीतिक बयान देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें कटनी की जनता को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था के मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। भाजपा विधायक संजय पाठक द्वारा कटनी को बड़ा कस्बा कहा इसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अंशु ने कहा कि इसके जिम्मेदार वह स्वयं है उनके परिवार और उन्हें भरपूर कटनी का नेतृत्व् करने का मौका मिला पर उन्होंने स्वयं का विकास किया कभी शहर हित में नहीं सोचा, आदिवासियों की ज़मीन, सहारा की ज़मीन, नगर निगम की योजना की ज़मीन पर क़ब्ज़ा कर अपना ख़ज़ाना भराएहाल ही में उन्हें कोर्ट ने क्रिमनल कंटेम्प्ट का दोषी पाया एवं माफीनामा देकर छोड़ा है, विधायक पाठक की पारिवारिक फर्म पर 443 करोड़ की माइनिंग रिकवरी है, सरकार को तत्काल रिकवरी का वह पैसा कटनी विकास में लगाना चाहिए। पत्रकार वार्ता में एनएसयूआई ने स्पष्ट किया कि छात्र हित, शिक्षा व्यवस्था, शासकीय मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, लॉ कॉलेज एवं जिले की मूलभूत जन समस्याओं एवं भाजपा नेताओं के कुचक्र के खिलाफ संघर्ष लगातार जारी रहेगा। पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता सौम्या रंधेलिया, कमल पांडे, आईटीसेल प्रदेश उपाध्यक्ष शशांक गुप्ता, विधानसभा अध्यक्ष सचिन गर्ग, अभिषेक प्यासी, पार्षद विनीत जैसवाल उपस्थित रहे।

भारतीय मूल की 11 साल की लड़की ब्रिटिश चेस चैंपियन

बोधन सिवानंदन ने रैपिड प्लेऑफ में खिताब जीता

17 साल के श्रीयस रॉयल भी जीते

नई दिल्ली

भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता। बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरु हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ। बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था। नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं।क्लासिकल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की जीत के साथ 11 साल की बोधन ने तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। इस चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र हार छठे राउंड में श्रीयस रॉयल से मिली। श्रीयस ने पहला ब्रिटिश खिताब जीता है। उन्हें 15 साल की उम्र में इंग्लैंड का यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर घोषित किया गया था। साउथ-ईस्ट लंदन में रहने वाले श्रीयस टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ में शामिल थे। श्रीयस का जन्म भारत के बेंगलुरु में हुआ था। तीन साल की उम्र में वह माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ ब्रिटेन चले गए थे।

कुलदीप को लेकर बोले रहाणे, लगातार अंदर-बाहर होने से प्रभावित होती है लय

मुम्बई

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे ने कहा है कि लय टूटने से खिलाड़ियों को वापसी के दौरान परेशानी होती हे। रहाणे ने ये बात युवा स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर कही है। रहाणे के अनुसार कुलदीप को टीम में जिस प्रकार से अंदर-बाहर किया जा रहा है उससे उनका प्रदर्शन प्रभावित हो रहा है।

रहाणे ने कहा कि अंतिम ग्यारह में अगर किसी खिलाड़ी को बार-बार अंदर-बाहर किया जाता है तो लय खराब होने के साथ ही उसका मनोबल भी कम होता है। -रहाणे ने ये बात इसलिए कही है क्योंकि कुलदीप के श्रीलंका के बीच आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है और ये पूरी संभावना है कि वह उन्हें , भारतीय स्पिन चौकड़ी का हिस्सा बनाया जा सकता है। वहीं इससे पहले उन्हें इंग्लैंड दौरे में जगह नहीं मिली थी। रहाणे ने कहा, मुझे लगता है कि कुलदीप ने पिछले चार-पांच सालों में अपने खेल में काफी सुधार किया है। उन्होंने अपनी गेंदों की गति और विविधता पर काम किया है। अंतिम ग्यारह में बार-बार अंदर-बाहर होने वाले किसी भी खिलाड़ी के लिए यह हालांकि कठिन होता है, क्योंकि क्रिकेट लय का खेल है, चाहे आप बल्लेबाजी कर रहे हों या गेंदबाजी। रहाणे ने कुलदीप की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें एक बेहतरीन स्पिनर और मैच विजेता खिलाड़ी करार दिया। गौरतलब है कि कुलदीप ने साल 2017 में धर्मशाला में अपना टेस्ट डेब्यू किया था, जिसमें उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। रहाणे ने उसी डेब्यू मैच को याद करते हुए कहा, कुलदीप एक बेहतरीन स्पिनर हैं। इसीलिए मैंने धर्मशाला में उन पर भरोसा जताया था। मुझे पता था कि वो विकेट लेने में माहिर हैं। हालांकि उस समय वो अनुभवी नहीं थे, लेकिन मुझे विश्वास था कि उन्हें उस स्थिति में उतारना फायदेमंद होगा। गौरतलब है कि अपने लगभग नौ साल के करियर में, कुलदीप केवल 18 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं, जिनमें उनके नाम 79 विकेट हैं। भारतीय टीम में उनका चयन अनियमित रहा है, जिससे उन्हें लगातार मौके नहीं मिल पाए हैं, और यही उनके करियर में उतार-चढ़ाव की मुख्य वजह रही है।

मध्यप्रदेश के प्रिशा, वेदांशी समवेद और ईशान मुख्य दौर में

ऑल इंडिया चैम्पियनशिप सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट

भोपाल

मध्य प्रदेश टेनिस संघ के तत्वावधान में इंदौर टेनिस क्लब में खेली जा रही ऑल इंडिया चैम्पियनशिप सीरीज जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में मप्र के चार खिलाड़ियों ने क्वालीफाइंग फाइनल जीतकर मुख्य दौर में प्रवेश किया। 12 वर्ष आयु वर्ग में बालिका वर्ग से प्रिशा शर्मा और वेदांशी खंडेलवाल तथा बालक वर्ग से समवेद जोशी और ईशान शर्मा ने जीत दर्ज की। बालक वर्ग में समवेद ने मप्र के अक्षज कुमार को 9-6 और ईशान ने महाराष्ट्र के ग्रतिक खंडेलवाल को 9-5 से पराजित किया। बालिका वर्ग में प्रिशा ने महाराष्ट्र की ऋत्ववी ठाकरे को 9-1 और वेदांशी ने मप्र की कृष्वी माहेश्वरी को 9-2 से हराया। अन्य मुकाबलों में कियान बंसल ने रियान सुराना को 9-3, महाराष्ट्र के दिव्येश अमोदे ने मप्र के अरनव पालीयशंवकर को 9-5, महाराष्ट्र के जनव अग्रवाल ने दिल्ली के रेयान बधवर को 9-0, मप्र के अदविक गोयल ने महाराष्ट्र के मेधांश मारापका को 9-5, विहान कालानी ने मप्र के अर्जुन कचोलिया को 9-5 तथा आध्यांत गुप्ता ने विवान त्रिवेदी को 9-0 से शिकस्त दी। महाराष्ट्र की निमिषा धुरकुडे ने मप्र की नेहल पाटिल को 9-0 से हराया।

किशोर-संजय और विशाल-रश्मि बने मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियन

राज्य रैंकिंग स्पर्धा में पुरुष युगल और मिश्रित युगल के खिताब पर जमाया कब्जा

इंदौर

अभय प्रशाल में खेली जा रही प्रथम राज्य रैंकिंग मास्टर्स टेबल टेनिस चैंपियनशिप के पुरुष युगल और मिश्रित युगल के खिताब पर क्रमशः किशोर मोटवानी-संजय मेहता तथा विशाल जोशी-रश्मि सोनी की जोड़ी ने कब्जा जमाया। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में मध्य प्रदेश वेटरंस टेबल टेनिस कमेटी द्वारा आयोजित स्पर्धा के पुरुष युगल फाइनल में किशोर मोटवानी-संजय मेहता ने नितिन खाब्या-राहुल जैन की जोड़ी को 3-1 से पराजित किया। सेमीफाइनल में किशोर-संजय ने कुणाल गजभिये-मनीष जोशी को 3-1 तथा नितिन-राहुल ने विशाल जोशी-मनोज सोनगरा को 3-1 से हराया।

मिश्रित युगल फाइनल में विशाल जोशी-रश्मि सोनी ने किशोर मोटवानी-नीता वैष्णव की जोड़ी को 3-1 से शिकस्त देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में विशाल-रश्मि ने मनोज सोनगरा-संध्या पटवा को 3-0 तथा किशोर-नीता ने राहुल जैन-अर्चना राठौर को पराजित किया। महिला 40 वर्ष से अधिक वर्ग के क्वार्टर फाइनल में नीता वैष्णव ने संध्या पटवा को 3-0, रश्मि सोनी ने अर्चना राठौर को 3-1, सृस्मृति मिश्रा ने मीनाक्षी श्रीवास को 3-0 तथा मनीषा कटारिया ने अलका कंजोलिया को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पुरुष 40 वर्ष से अधिक वर्ग में कुणाल गजभिये ने गुरफान शेख को 3-1 तथा प्रसून पाराशर ने आदित्य राज सिंह को 3-1 से हराया। 45 वर्ष से अधिक वर्ग में नितिन खाब्या ने सुरेंद्र यादव को 3-0 से पराजित किया। 50 वर्ष से अधिक वर्ग में विशाल अरोरा ने चमन अजहर को 3-0 तथा अनिल जैन ने सोमेश झवर को 3-2 से हराया। 55 वर्ष से अधिक वर्ग में किशोर मोटवानी ने प्रभाकर राव को 3-0 तथा मनोज सोनगरा ने अमिताभ श्रीवास्तव को 3-0 से मात दी। 60 वर्ष से अधिक वर्ग में संजय मेहता ने अजय विजय पंडित को 3-0 तथा जितेंद्र ताउरी ने अनिल वैष्णव को 3-2 से हराया। 65 वर्ष से अधिक वर्ग में विभूति शर्मा ने मोहन पंडित को 3-0 तथा विजय दीक्षित ने विजय मालवीय को 3-2 से शिकस्त दी। 70 वर्ष से अधिक वर्ग में अशोक मांजरेकर ने अनिल कौठारी को 3-0 तथा अमरसिंह मेक ने प्रमोद तिवारी को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

सनवीर शेर-ए-पंजाब टी20 लीग में सबसे महंगे बिके

मोहाली

ऑलराउंडर सनवीर सिंह आगामी शेर-ए-पंजाब टी20 लीग की नीलामी में सबसे महंगे बिके हैं। सनवीर को फाजिल्का फाल्कन्स ने करीब 13.20 लाख रुपये की मोटी कीमत पर खरीदा है। इसके साथ ही सनवीर को अब भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान और फाजिल्का फाल्कन्स के मार्की खिलाड़ी शुभमन गिल के साथ मैदान साझा करने का अवसर मिलेगा जिससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिलेगा। पंजाब क्रिकेट संघ (पीसीए) द्वारा आयोजित शेर-ए-पंजाब टी20 लीग को राज्य के उभरते खिलाड़ियों को एक मंच उपलब्ध कराने के लिए खोला गया है। पीसीए अध्यक्ष अमरजीत सिंह मेहता ने ए कहा, हमने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मिलकर इस सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की है और अब यह पूरा होने के करीब है। उन्होंने साथ ही कहा कि मोहाली के पीसीए स्टेडियम में खेलना हर क्रिकेटर का सपना होता है, और इस लीग से पंजाब भर के खिलाड़ियों को इस प्रतिष्ठित मैदान पर खेलने, बहुमूल्य अनुभव प्राप्त करने और अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के अवसर मिलेंगे। नीलामी में सनवीर के अलावा भी कई खिलाड़ियों पर बड़ी बोलियां लगीं, जिन्होंने अपनी प्रतिभा और क्षमता के आधार पर टीमों का ध्यान खींचा है। वहीं नमन धीर को अमृतसर सूरमाज ने 10.80 लाख रुपये में खरीदा। वहीं मोहाली किंग्स ने अमोलप्रीत सिंह को 8.20 लाख रुपये में जबकि बठिंडा रॉयल्स ने हरनूर सिंह और अश्वनी कुमार को सात-सात लाख रुपये की कीमत पर शामिल किया।

सोने-चांदी के दामों में बढ़ी चमक

सोने का भाव 1,52,200 रुपए और चांदी 2,33,800 रुपए के पार

नई दिल्ली। घरेलू वायदा बाजार में इस सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को सोने और चांदी दोनों के लिए जोरदार तेजी के साथ हुई। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशक उत्साहित दिखे। खबर लिखे जाने तक एमसीएक्स पर सोने का भाव 426 रुपए की बढ़त के साथ 1,52,246 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत में भी 2365 रुपए का बड़ा उछाल आया, और एक किलोग्राम चांदी का भाव 2,33,831 रुपए पर कारोबार कर रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने के लाल निशान और चांदी के हरे निशान पर कारोबार करने के बावजूद घरेलू बाजार में यह तेजी स्थानीय मांग और वैश्विक संकेतों के मिश्रण को दर्शाती है। पिछले कारोबारी सप्ताह के अंत में भी सर्राफा बाजार में सोने में मजबूती देखी गई थी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 200 रुपए बढ़कर 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम (99.9 फीसदी शुद्धता) हो गई थी।

कच्चे तेल में तेजी, ब्रेंट 84 डॉलर के पार

होर्मुज को लेकर अनिश्चितता से बढ़े दाम

नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज की गई। होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर बनी अनिश्चितता और ईरान द्वारा अमेरिका से कुछ शर्तें पूरी करने की मांग ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर चिंता बढ़ा दी है, जिससे ब्रेंट क्रूड 84 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बताया कि ओमान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नए शिपिंग रूट को लेकर समझौता करीब है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका को पहले कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी और फिलहाल सीधी बातचीत की संभावना से इनकार किया। ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जून के अंतरिम शांति समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया है। इस रुख से होर्मुज के जल्द पूरी तरह खुलने की बाजार की उम्मीदें कमजोर हुई हैं, जिससे वैश्विक आपूर्ति सामान्य होने में देरी की आशंका है। क्षेत्रीय स्तर पर भी तनाव बरकरार है। यमन में ईरान समर्थित हूती लड़ाकों ने सऊदी अरब की जजान रिफाइनरी पर हमले की जिम्मेदारी ली है, और होर्मुज में एक टैंकर को भी निशाना बनाया गया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अधिक शांत तरीके से मामले को आगे बढ़ाने का संकेत दिया है। होरमुज के पूरी तरह खुलने के लिए ईरान ने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करने, प्रतिबंध हटाने और युद्ध के नुकसान की भरपाई जैसी शर्तें दोहराई हैं। बाजार फिलहाल ईरान-ओमान समझौते और खाड़ी में स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहा है, क्योंकि तनाव जारी रहने से वैश्विक तेल आपूर्ति पर अनिश्चितता बनी रहेगी और कीमतों पर दबाव देखा जा सकता है।

दवाओं की कीमतों पर लग सकती है नई लगाम, सरकार जांच रही ट्रेड मार्जिन का फॉर्मूला

नई दिल्ली। केंद्र सरकार औषधि मूल्य निर्धारण ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 में ट्रेड-मार्जिन युक्तिकरण (टीएमआर) को शामिल करने के प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार कर रही है। इसका मकसद आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) से बाहर की गैर-अनुसूचित दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करना है। दवा विभाग (डीओपी) ने संसदीय समिति को बताया कि इस नीतिगत निर्णय को अंतिम रूप देने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं है, पर इसकी सक्रिय जांच चल रही है। आंकड़ों से पता चला कि गैर-अनुसूचित दवा बाजार के 87 प्रतिशत हिस्से में औसत मार्कअप 45 प्रतिशत तक था। वहीं केवल 4 प्रतिशत हिस्से में वितरकों को 100 प्रतिशत से अधिक का भारी मार्कअप मिला। विभाग ने स्पष्ट किया कि अत्यधिक मार्जिन क्षेत्र में आम नहीं है, बल्कि यह बाजार के एक छोटे से खंड तक ही सीमित है। फार्मारैक डेटा के अनुसार टैबलेट और कैप्सूल जैसे सामान्य खुराक रूपों के लिए वितरकों से खुदरा विक्रेताओं तक का औसत संयुक्त मार्कअप लगभग 43 प्रतिशत रहा।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना में पायलट पर साइकोएक्टिव पदार्थ के सेवन का संदेह

फुकेत-दिल्ली उड़ान में अचानक 300 फीट ऊंचाई घटने के बाद हुई थी घटना

नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्रालय ने हाल ही में पुष्टि की कि फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान के मुख्य पायलट को साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए शुरुआती जांच में संदिग्ध पाया गया है। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब हवा में विमान की ऊंचाई अचानक 300 फीट घट गई थी। मंत्रालय अब अंतिम परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। एयरबस ए320 उड़ान (संख्या एआई2379) फुकेत से दिल्ली आते समय हवा में लगभग 300 फीट नीचे आ गई थी। हालांकि, बाद में विमान को नियंत्रित कर दिल्ली में सुरक्षित उतार लिया गया। इस घटना के दौरान तीन नवजात शिशुओं सहित 137 यात्री और आठ चालक दल के सदस्य विमान में सवार थे, जिनमें से कुछ यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को चोटें आई थीं। मंत्रालय ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत घटना के बाद उड़ान चालक दल के दोनों सदस्यों की अनिवार्य साइकोएक्टिव पदार्थ की जांच की गई। मुख्य पायलट का नमूना अंतिम पुष्टि के लिए एक तय प्रयोगशाला में भेजा गया है, जिसकी अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। इस बीच नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जांच पूरी होने तक दोनों पायलटों को ड्यूटी से हटा दिया है। इस घटना को गंभीर श्रेणी में रखा गया है और इसकी जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है। जांच के निष्कर्षों और अंतिम रिपोर्ट के नतीजों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शेयर बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 43, निफ्टी 13 अंक ऊपर आया

मुम्बई

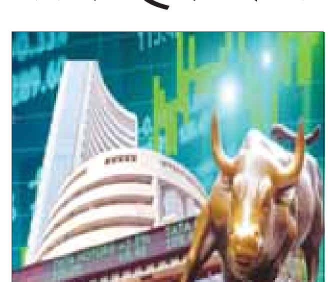

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बाजार पर दबाव बना रहा। अमेरिका और ईरान के बीच समझौते को लेकर संशय के कारण भी बाजार धारणा कमजोर हुई। इसी कारण आज दिनर भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक बढ़कर 78,542.44 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 13.15 अंक ऊपर आकर 24,583.80 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर बनकर उभरा जबकि निफ्टी फार्मा और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। वहीं, निफ्टी रियल्टी ने अच्छा प्रदर्शन किया। निफ्टी50 इंडेक्स में टाइटन, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, ग्रासिम और टाटा स्टील के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही जबकि एसबीआई, इटरनल, आईटीसी, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टीसीएस, विप्रो और कोल इंडिया के शेयरों में गिरावट आई। आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन, बाजाज फाइनेंस, बाजाज फिनसर्व , टाटा स्टील और एशियन पैंटस के शेयरों में रही। दूसरे और एसबआईएन , एनटीपीसी , आईटीसी और टेक महिंद्रा के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सीमित बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.81 अंक बढ़कर 78,676 अंक के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी करीब 50 अंक की बढ़त के साथ 24,620 अंक के स्तर पर पहुंच गया। क्रमजोर मानसून बाजार के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है। आज एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। जापान का निक्कई 225 करीब 1.46 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.65 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों को पिछले सप्ताह अमेरिकी शेयर बाजार में आई तेजी से भी सपोर्ट मिला। पिछले सप्ताह डाउ जोंस इंडस्ट्रीयल एवरेज में 0.28 फीसदी, एसएंडपी 500 में 0.62 फीसदी और नेस्डक कम्पोजित में 1.30 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई थी।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की ग्लोबल मार्केटिंग के करेंगे समस्त प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय समारोह में 15 बुनकरों और शिल्पियों को किया पुरस्कृत और सम्मानित

भोपाल(स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन उद्योगों से जुड़े भारत के सभी बुनकरों, शिल्पकारों, मूर्तिकारों और अन्य कलाकारों के परिश्रम को पूरा सम्मान दिलाने का संकल्प लिया है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिये सभी परिश्रमी किसानों, हुनरमंद बुनकरों, समर्पित शिल्पियों और बेहतरीन ग्रामीण कलाकारों को सम्मानित करने के लिये हरसंभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई कलाकार हुए हैं, जिन्होंने मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को विश्व पटल पर सुशोभित किया है। हमारी सरकार सभी कलाकारों की समृद्धि के लिए सदैव तत्पर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वोकल फॉर लोकल और लोकल टू ग्लोबल का महामंत्र दिया है। हमारी सरकार प्रधानमंत्री के इसी महामंत्र के अनुसार ठोस कदम उठा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में हाथकरघा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित बुनकरों एवं शिल्पियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की हाथकरघा और हस्तशिल्प

परम्परा को समृद्ध करने वाले प्रदेश के 15 श्रेष्ठ शिल्पियों और बुनकर को विभिन्न पुरस्कार श्रेणी में सम्मानित कर उन्हें बधाई दी। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलित कर इस बुनकर-शिल्पी सम्मान समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने बुनकर-हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं मिट्टी से शिवलिंग (पिंडी) भी बनाया।

विभागीय पोर्टल को देश में प्रथम स्थान मिलना उल्लेखनीय उपलब्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी बुनकरों, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग से जुड़े कलाकारों और विशेष तौर पर ओडीओपी उत्पादों को ग्लोबल मार्केट से जोड़ने के लिए 2 ई-कॉमर्स वेब पोर्टल्स की शुरुआत की गई है। इसी पोर्टल को देश में पहला पुरस्कार मिला है। यह राज्य सरकार और कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के लिए बड़ी उपलब्धि है। ई-कॉमर्स पोर्टल से मृगनयनी इंपोरियम के प्रोडक्ट्स की डिलीवरी देश के 16 हजार से अधिक स्थानों पर सुनिश्चित हो रही है। पहले चरण में मृगनयनी पोर्टल पर 460 से अधिक उत्पाद पोर्टल पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंदेरी का कुर्ता, महेश्वर की साड़ी, बाग की शॉल और जरी का बैग सभी वस्तुएं प्रदेशवासियों को गौरव का अनुभव कराती हैं।

युवा पीढ़ी को भी लुभा रहे हैं कुटीर एवं ग्रामोद्योग उत्पाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों के अथक परिश्रम से उपजे से बुनकर कपड़ा, बुटिक और खादी तैयार करते हैं। खादी मध्यप्रदेश की विशेष पहचान रही है। मध्यप्रदेश आज सभी क्षेत्रों में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन हाथकरघा और शिल्पकला को प्रोत्साहन पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है। वे अपने खून-पसीने और अथक परिश्रम से समृद्ध परंपरा और कला को संरक्षित करते हुए आगे कर रहे हैं। शिल्पकार और कलाकारों के हाथों में चमत्कारिक प्रतिभा होती है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर ने लगभग 250 वर्ष पूर्व महेश्वरी साड़ी के माध्यम से देशभर के बुनकरों को संरक्षण प्रदान किया। चंदेरी, इंदौर और उज्जैन प्रत्येक शहर में बुनकर और शिल्प कलाकारों को अनेक अवसर मिल रहे हैं। वर्तमान युवा पीढ़ी भी अब कुटीर एवं ग्रामोद्योग के उत्पादों को अपना रही है। अब भोपाल और इंदौर के प्रमुख बाजारों में ये उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं। अब नए पोर्टल्स के शुभारंभ से यह उत्पाद ऑनलाइन शॉपिंग के लिए युवाओं के लिए उपलब्ध होंगे।

उज्जैन में जल्द शुरू होगा यूनिटी मॉल, मिलेंगे देश के सभी उत्पाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर एवं ग्रामोद्योग उद्योग, स्टार्टअप और स्व-सहायता समूहों के माध्यम से बुनकरों, शिल्पियों और कलाकारों को सभी जरूरी मदद मुहैया करा रही है। हाल ही में उज्जैन में हैंडलूम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की शुरुआत की गई है। यहां पहले बड़ी संख्या में कॉटन मिल संचालित होती थीं। मध्यप्रदेश अब गारमेंट सेक्टर में बड़ी छलांग लगाने के लिए आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धार जिले को पीएम मित्र पार्क की अनुपम सौगात दी है। यहां लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा। खेत से लेकर कारखाने (फार्म टू फैक्ट्री) तक पूरी वैल्यू चेन तैयार होगी। इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन सिटी में 6 जिले - इंदौर, उज्जैन, धार, देवास, शाजापुर और रतलाम को शामिल किया है। इन इलाकों में 3 एयरपोर्ट, 6 रेलवे जंक्शन, 8 से अधिक औद्योगिक क्षेत्र और रोजगार को बढ़ाने वाले टूरिज्म सेंटर उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रतिवर्ष 8 करोड़ से अधिक श्रद्धालु उज्जैन आ रहे हैं। उज्जैन शहर में एक यूनिटी मॉल बनाया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य अगले माह तक पूरा कर लिया जाएगा।

एसडीआरएफ एवं होमगार्ड्स ने बचाईं 98 जिंदगियां

भोपाल(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जारी भारी बारिश एवं नदियों-नालों के उफान से उत्पन्न आपदा की स्थिति में राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल एवं होमगाईस की टीमों ने त्वरित व अदम्य साहस का परिचय देते हुए बड़े पैमाने पर राहत एवं बचाव अभियान संचालित किए हैं। होमगार्ड, सिविल डिफेंस और आपदा प्रबंधन (एसडीईआरएफ) की महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि 10 अगस्त को प्रदेश के कई जिलों से जलभराव एवं बाढ़ में नागरिकों के फंसने की आपातकालीन सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्यालय भोपाल के निर्देशन में क्षेत्रीय टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर तत्परता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए गए। दिनभर चले इन अभियानों के दौरान बहादुर जवानों द्वारा 98 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालकर राहत पहुँचाई गई तथा 7 गोवंश एवं 4 पालतू पशुओं का भी सुरक्षित बचाव किया गया। सीहोर जिले में नाले का जलस्तर अचानक बढ़ने से आपदा की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई। थाना सीहोर अंतर्गत ग्राम जामनी (जिला मुख्यालय से 20 किमी) में नाले के उफान के कारण घर में फंसी 23 वर्षीय गर्भवती महिला श्रीमती गीता राजपूत एवं उनके परिवार के 3 अन्य सदस्यों के फंसे होने की सूचना मिली। स्ठश्वत्र्न और होमगार्ड्स की टीम ने तत्काल मौके पर पहुँचकर रबर बोट की सहायता से अत्यधिक सावधानीपूर्वक गर्भवती महिला एवं तीनों परिजनों को जलभराव से सुरक्षित बाहर निकाला और एम्बुलेंस तक पहुँचाया। इसके अतिरिक्त, सीहोर के थाना अहमदपुर क्षेत्र (मुख्यालय से 60 किमी) में भी जलभराव के बीच फँसे 4 नागरिकों को एसडीआरएफ टीम द्वारा सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। राजधानी भोपाल के थाना सूखी सेवानिया अंतर्गत ग्राम बालमपुर (मुख्यालय से 18 किमी) में डैम की दीवार टूटने के कारण बाढ़ का पानी तेजी से रिहायशी क्षेत्र में प्रविष्ट हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम ने तत्काल मोर्चा संभाला और बढ़ते जलस्तर के बीच फंसे 19 नागरिकों तथा 4 पालतू पशुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। इसी कम में, सूखी सेवानिया क्षेत्र (मुख्यालय से 16 किमी) में नाले के तेज बहाव से उपजे जलभराव में फंसे 4 व्यक्तियों को क्विक रिस्पांस टीम द्वारा त्वरित रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया।

विदिशा जिले के थाना करारिया अंतर्गत ग्राम बामनखेड़ा (मुख्यालय से 70 किमी) में जलभराव की गंभीर स्थिति निर्मित होने से 15 मजदूर फंस गए थे। एसडीआरएफ एवं होमगार्ड्स की संयुक्त टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 2 महिलाओं, 6 बच्चों एवं 7 पुरुषों सहित सभी 15 श्रमिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। वहीं विदिशा के ही ग्राम पथरिया में जलभराव में फंसे 4 नागरिकों (1 महिला एवं 3 पुरुष) के साथ-साथ 7 गोवंश को भी रेस्क्यू टीम द्वारा सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया। खंडवा जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल ओंकारेश्वर स्थित अभयपुरी घाट पर स्नान के दौरान 3 श्रद्धालु अचानक नदी के तेज बहाव में बहने लगे। घाट पर तैनात एसडीआरएफ के जांबाज जवान तेजपाल एवं बलबहादुर ने बिना समय गंवाए अदम्य साहस का परिचय दिया और लाइफ जैकेट की सहायता से उफनती नदी में कूदकर तीनों श्रद्धालुओं को सुरक्षित बहाव से बाहर निकाल लिया। जवानों की इस त्वरित सतर्कता एवं जांबाजी से तीन अमूल्य जानें बचाई जा सकीं।

श्रावण सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

बांदकपुर पहुंचकर एक लाख से अधिक, श्रद्धालुओं ने किए जागेश्वरनाथ के दर्शन

दमोह (स्वतंत्र मत)। आर्द्रा नक्षत्र, प्रदोष एवं पवित्र श्रावण सोमवार के विशेष संयोग पर प्रसिद्ध तीर्थक्षेत्र श्रीदेव जागेश्वरनाथ जी मंदिर बांदकपुर में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत सैलाब उमड़ पड़ा। इस विशेष अवसर पर मध्यप्रदेश सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने जागेश्वरनाथ के दर्शन जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगना प्रारंभ हो गई थीं श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए मंदिर ट्रस्ट एवं जिला प्रशासन द्वारा इस बार विशेष दर्शन एवं जलाभिषेक व्यवस्था बनाई गई थी। व्यवस्था से दर्शनार्थियों को काफी सुविधा मिली और भीड़ का संचालन भी व्यवस्थित रूप से होता रहा।

मंदिर ट्रस्ट, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, मंदिर के कर्मचारियों, स्वयंसेवकों तथा नागरिकों ने श्रद्धालुओं के सहयोग के लिए विशेष व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी क्रम में श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर में चल रहे ग्यारह दिवसीय लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक का आयोजन भी विधिविधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नित्य संपन्न हो रहा है। प्रतिदिन भगवान जागेश्वरनाथ का पंचामृत स्नान एवं पूजन अर्चन संपन्न होने के उपरांत मंदिर की यज्ञशाला में विद्वान ब्राह्मणों द्वारा शुक्ल यजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी के वैदिक मंत्रों के साथ लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक किया जा रहा है। मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक पंडित श्री रामकृपाल पाठक शास्त्री जी महाराज के मार्गदर्शन में लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक का विधिवत आयोजन हुआ जिसमें यजमान के रूप में मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अखिलेश चांदोलकर, भरत पाठक एवं श्री हाकम सिंह शामिल रहे। विधि.विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्रीदेव जागेश्वरनाथ का रुद्राभिषेक संपन्न हुआ।

श्रावण के दूसरे सोमवार पर हटा में गूंजा हर-हर महादेव

अनेक स्थानों पर पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक

हटा (स्वतंत्र मत)। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को नगर में धार्मिक आस्था और भक्ति का माहौल देखने को मिला। नगर के प्राचीन भूतेश्वर मंदिर सहित थाना मंदिरए बस स्टैंड परिसर एवं अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर विधिविधान से रुद्राभिषेक, पूजन एवं आरती की गई। दिनभर पूरा नगर शिवभक्ति में डूबा रहा और जगह-जगह हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। नगर के सर्वप्राचीन भूतेश्वर मंदिर में प्रातःकाल से ही बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंचने लगे। श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया। इसके बाद

वैदिक विधि विधान से शिवलिंगों का रुद्राभिषेक किया गया तथा पूजन-अर्चन और आरती कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि की कामना की गई। इसी प्रकार पुलिस थाना मंदिर और बस स्टैंड परिसर में भी श्रद्धालुओं द्वारा पार्थिव शिवलिंग बनाए गए। यहां भी भक्तिभाव के साथ रुद्राभिषेक, पूजन और आरती का आयोजन हुआ। देव गौरीशंकर मन्दिर में सांध्यकालीन आरती में भारी भीड़ रही। सायंकाल श्रद्धालुओं द्वारा विधिविधान से पार्थिव शिवलिंगों का सुनार नदी में विसर्जन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी इकाइयां हों सक्रिय एवं क्रियाशील

मंत्री श्री परमार की अध्यक्षता में मंत्रालय में राष्ट्रीय सेवा योजना राज्य स्तरीय सलाहकर समिति की बैठक हुई

भोपाल(स्वतंत्र मत)।

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित कर उन्हें समाज एवं राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। राष्ट्रीय सेवा योजना को विश्वविद्यालयों का अभिन्न अंग बनाते हुए इसकी गतिविधियों को अधिक व्यापक, प्रभावी और परिणाममूलक बनाया जाए। सभी इकाइयां सक्रिय एवं क्रियाशील हों तथा विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों में दायित्व सौंपकर उनमें नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित की जाए। मंत्री श्री परमार सोमवार को मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में राष्ट्रीय सेवा योजना की राज्य स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने निर्देश दिए कि प्रदेश के जिन विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अभी राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयां नहीं हैं, वहां राज्य

मद से नई इकाइयों के गठन के लिए कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सांदीपनि विद्यालयों में भी राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाइयां प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों की नियमित समीक्षा करने तथा प्रत्येक इकाई को पूरी तरह सक्रिय एवं क्रि याशील बनाने पर विशेष जोर दिया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। विद्यार्थियों को केवल सहभागी के रूप में नहीं, बल्कि गतिविधियों की योजना, संचालन और क्रियान्वयन में दायित्व एवं नेतृत्व दिया जाए। इससे उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास होगा। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के गोद ग्रामों की संख्या एवं गतिविधियों का विस्तार करने तथा सेवा कार्यों को स्थानीय आवश्यकताओं और जनभागीदारी से जोड़ने के निर्देश दिए।

युवाओं को नशामुक्ति एवं टी.बी. मुक्त अभियान से जोड़ें

मंत्री श्री परमार ने कहा कि जिला एवं तहसील मुख्यालयों के खेल मैदानों में प्रातःकाल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बड़ी संख्या में युवा आते हैं। इन युवाओं को नशामुक्ति एवं टी.बी. मुक्त अभियान से जोड़ने के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जाएं। इस कार्य में खेल शिक्षकों की भूमिका का प्रभावी उपयोग करते हुए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित किया जाए। मंत्री श्री परमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से बाल अधिकार एवं संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्यों की सफलता की कहानियों का मुद्रित एवं डिजिटल रूप में प्रकाशन करने तथा सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

घर से निकले युवक का सिद्ध पहाड़ी के पास मिला शव

पथरिया थाना क्षेत्र की घटना पुलिस ने शुरू की जांच

दमोह (स्वतंत्र मत)

पथरिया थाना पुलिस को सिद्ध पहाड़ी के पास संदिग्ध अवस्था में मिला है। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल के शव ग्रह में रखवा दिया है। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कार्रवाई के बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया। मृतक के पिता ने बेटे की हत्या का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण पता चलेगा। मृतक की पहचान 21 वर्षीय अमित पिता भगवत सिंह लोधी के रूप में हुई है। मृतक के पिता भगवत सिंह लोधी ने बताया कि सुबह 10 बजे अमित घर से पथरिया के लिए निकला था। दोपहर 3 बजे जब हमने फोन लगाया तो उसका मोबाइल रिसीव नहीं हुआ। कुछ देर बाद उनकी मौसी का फोन पथरिया से आया और अमित के बारे में पूछा तो हमने कहा कि वह अभी घर नहीं आया। इसके बाद हम लोगों ने खोजबीन की और शाम तक तलाशते रहे लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं लगी। इसके बाद हम लोग पथरिया थाने पहुंचे तो पुलिस ने कहा कि आप लोग पहले ढूंढ लीजिए उसके बाद हम रिपोर्ट दर्ज कर देंगे। इसके बाद हमने जेरथ के सरपंच को फोन लगाया तो उन्होंने जेरठ पुलिस चौकी में मामले की जानकारी देकर बेटे की मोबाइल की लोकेशन निकलवाई। जो कि पथरिया के सिद्ध पहाड़ी के पास लोकेशन मिल रही थी। इसके बाद हम लोग बेटे को खोजने के लिए निकले वहां देखा तो बेटे की बाइक खड़ी हुई थी। तत्काल हमने डायल 112 को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची तो बेटे का शव पड़ा हुआ था। उसके गले में उसकी शर्ट बंधी हुई थी तथा पास ही जहरीली गोलियो का एक पैकेट भी मिला है। पिता का आरोप है कि उनके बेटे की हत्या की गई है इसलिए पुलिस इस मामले में गंभीरता से जांच करें। मृतक के मोसा डाल सिंह लोधी ने बताया कि अमित सुबह घर आया था, इसके बाद वह कुछ फोटो कॉपी कराने के लिए घर से चला गया लेकिन पूरे दिन उसकी कोई जानकारी नहीं लगी। जब हम लोग रात में उसकी खोज कर रहे थे तो सिद्ध पहाड़ी के पास खाई में उसका शव संदिग्ध अवस्था में मिला।मामले के संबंध में पथरिया थाना प्रभारी नेहा गोस्वामी ने बताया कि मृतक अमित सिंह के पिता भगवत सिंह लोधी ने सूचना दी थी कि उनका बेटा किसी काम से पथरिया आया था और शाम तक घर नहीं लौटा।

8 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा

दमोह (स्वतंत्र मत)

लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेश व्यापी आंदोलन के चरण में जिला इकाई दमोह ने भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की 8 सूत्रीय मांगे को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव भोपाल के नाम से ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को अभिलंब पूर्ण करने का अनुरोध किया है। मांगों में प्रमुख रूप से चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को ई-उपस्थिति से छूट प्रदान किए जाने का अनुरोध किया है क्योंकि कई चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एंड्राइड मोबाइल फोन उपयोग नहीं करते हैं कीपैड मोबाइल उपयोग करने से ई-उपस्थिति लगाना संभव नहीं है एवं अंशकालीन कर्मचारी सफाई कर्मचारी शिक्षा विभाग में लगे लगभग 15-20 सालों से कार्य कर रहे मात्र 3000 रुपए मानदेय दिया जाता है। छात्रावासों में अंशकालीन

कर्मचारियों चौकीदार रसोईया कर्मचारियों को को 5000 दिए जाते हैं अंशकालीन कर्मचारियों को पूर्णकालिक मानते हुए स्थाई कर्मी का दर्जा दिया जाए आदि मांगें शामिल हैं। ज्ञापन सौंपते समय लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष प्रमोद अहिरवार अधिकारी कर्मचारी संयुक्त मोर्चा संरक्षक राकेश सिंह हजारी अधिकारी कर्मचारी सहयोग मोर्चा जिला अध्यक्ष सत्यनारायण तिवारी राज्य कर्मचारी संघ अध्यक्ष सुरेंद्र राय कर्मचारी संघ विवेक दुबे स्थाई कर्मी अध्यक्ष बबलू ठाकुर, संरक्षक शेख हनीफ खान, कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज चौवै, उप संरक्षक धरमदास रोहित, जिला सचिव अभिषेक सिंह राजपूत, सचिव सदन कटारया, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र अहिरवार, कोषाध्यक्ष जयंत गांगरा, उपाध्यक्ष राकेश प्रजापति, कलेक्ट्रेट विभाग अध्यक्ष अमित तिवारी, शिक्षा विभाग अध्यक्ष मुन्नालाल एवं चतुर्थ श्रेणी के सैकड़ो कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

▸▸ जेब में मिला धारदार चाकू, घेराबंदी कर पुलिस ने दबोचा

न्यायालय के गेट पर हथियार खोंसे पकड़ा गया बदमाश

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । जिला न्यायालय के गेट नंबर 3 के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को पुलिस ने धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार जिला न्यायालय गेट नंबर 3 पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने संदिग्ध स्थिति में खड़े एक युवक को देखा और तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही चीता 512 मोबाइल और ओमती थाने की पेट्रोलिंग टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे धर दबोचा गया।

▸▸ गोहलपुर थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपी की तलाश में पुलिस

शराब के लिए रूपए ना देने पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । गोहलपुर थाने में इस्तकार कुरैशी उम्र 29 वर्ष निवासी बहादुर गंज अखाड़ा हनुमानताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह भैंस खरीदने बेचने का धंधा करता है। रात के समय मोह.चांद कुरैशी माँ सुल्ताना के फोन पर कॉल बताया कि उसे अफसर जला ने चाकू मारकर पैर में चोट पहुंचा दी, सूचना पाकर वह भाई चांद के पास पहुंचा जिसने बताया कि वह रद्दी चौकी से मोटरसाइकिल में पेट्रोल डलवाकर घर जा रहा था। रास्ते में अफसर जला ने आवाज लगाकर पास में बुलाया तथा अपने भाई के आफिस में ले जाकर उससे पैसों की मांग करने लगा। पैसे देने से मना करने पर गाली गलौज करते हुये चाकू से हमलाकर पिंडली में चोट पहुंचा दी।

जहां तक नजर जाती, वहां तक कांवड़ ही कांवड़ नजर आई: मुख्यमंत्री

संस्कार कांवड़ यात्रा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, शामिल हुए सीएम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी जबलपुर में सोमवार को संस्कार कांवड़ यात्रा में आस्था का विशाल सैलाब उमड़ा। मां नर्मदा के पवित्र जल को लेकर हजारों कांवड़ यात्री भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने के संकल्प के साथ यात्रा पर निकले। यात्रा का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां तक नजर जाती है, वहां तक कांवड़ ही कांवड़ दिखाई दे रही हैं। इतनी विशाल कांवड़ यात्रा मैंने पहले कभी नहीं देखी। ऐसा लग रहा है मानो आस्था का सैलाब समुद्र की लहरों की तरह आगे बढ़ रहा हो। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कांवड़ यात्री अपनी भक्ति, साधना और संकल्प के बल पर मां

नर्मदा का जल लेकर निकले हैं। मां नर्मदा भी अपने जल के साथ शिव शक्ति की आराधना के इस संकल्प को पूरा कराने के लिए अपने भक्तों के साथ कांवड़ के रूप में समाहित हैं। सावन के पावन महीने में मां नर्मदा की नगरी संस्कारधानी जबलपुर से भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित करने के लिए यह यात्रा निकली है।

मुख्यमंत्री ने उठाई कांवड़

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सरकार के मुखिया के रूप में संस्कार कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कुछ दूरी तक कांवड़ उठाई और कांवड़ यात्रियों का उत्साह बढ़ाया।

प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी इस अवसर पर उनके साथ थे।

मुख्यमंत्री ने संतों का अभिनंदन करते हुए कहा कि उनकी तपस्या और साधना समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि संतों का जीवन केवल सांसारिक सुखों के लिए नहीं, बल्कि पवित्रता के मार्ग पर चलते हुए परमात्मा तक पहुंचने की प्रेरणा देता है।

नर्मदा के हर कंकर में शंकर

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका संबंध बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से रहा है, लेकिन बाबा महादेव कण कण में विद्यमान हैं। विशेष रूप से मां नर्मदा के बारे में कहा जाता है कि नर्मदा के हर कंकर में शंकर दिखाई देते हैं। मां नर्मदा की कृपा से ही भक्त उनकी पवित्र धारा का जल लेकर भगवान भोलेनाथ को अर्पित करने के लिए इस पावन यात्रा पर निकलते हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कांवड़ यात्रियोंए जबलपुर वासियों, प्रदेशवासियों और देशवासियों को संस्कार कांवड़ यात्रा के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा के जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल आदि उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति की धारा मजबूत कर रही सरकार

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए लगातार काम कर रही है। सनातन संस्कृति की धारा को और मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। कांवड़ यात्रियों को यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही प्रदेश के देवस्थलों को उनकी गरिमा और गौरव के अनुरूप विकसित करने तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम भी जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों में सनातन संस्कृति की मजबूत उपस्थिति है। हमारे देवस्थान आत्म अनुशासन और जीवन में उन्नति की प्रेरणा देते हैं। इनसे घर-घर सकारात्मकता, उत्साह, उमंग और उल्लास का वातावरण बनता है तथा जीवन की चुनौतियों से पार पाने के लिए परमात्मा का आशीर्वाद लेने की प्रेरणा मिलती है।

नशे के खिलाफ जिनसार के 152 प्रतिभागियों ने ली शपथ

नशामुक्ति संकल्प महाअभियान के तहत आयोजित हुआ जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च में 10 करोड़ नशामुक्ति संकल्प महाअभियान के अंतर्गत जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिनसार ऑडिटोरियम में दोपहर 3:00 बजे से 4:00 बजे तक किया गया। यह अभियान इंडियन नर्सिंग काउंसिल एवं ब्रह्माकुमारीज मेडिकल विंग के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प लेना था।

कार्यक्रम में जिनसार के समस्त फैकल्टी सदस्यों एवं बी एस सी नर्सिंग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय श्रीमती भानु प्रिया राजक एवं सुश्री प्रियंका गायगोले द्वारा किया गया। प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी, प्राचार्य के नेतृत्व में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त जीवन जीने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर लगभग 152 प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से शपथ ग्रहण की।

प्रतिभागियों ने सभी प्रकार के नशीले पदार्थों से दूर रहने, परिवार एवं मित्रों को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने, नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ एवं खुशहाल समाज के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से नर्सिंग विद्यार्थियों को समाज में स्वास्थ्य शिक्षक, स्वास्थ्य जागरूकता दूत एवं आदर्श नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

यात्री आय में वृद्धि कर पमरे ने कमाया 238.21 करोड़ का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । पश्चिम मध्य रेल द्वारा चालू वित्त वर्ष के जुलाई माह में यात्री यातायात से 238 करोड़ 21 लाख रुपये का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है। अकेले जुलाई माह में आरक्षित टिकटों से 168 करोड़ 44 लाख रुपये तथा अनारक्षित टिकटों से 69 करोड़ 78 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। यह पिछले वित्तीय वर्ष की इसी अवधि में अर्जित 209 करोड़ 58 लाख रुपये की तुलना में 13.66 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में पश्चिम मध्य रेल से कुल 101 लाख 49 हजार यात्रियों ने यात्रा की, जिसमें 27 लाख 31 हजार आरक्षित तथा 74 लाख 18 हजार अनारक्षित यात्री शामिल हैं। यात्रियों की कुल संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.19 प्रतिशत अधिक रही। जुलाई माह में ऑरिजिनेटिंग यात्री राजस्व में भोपाल मंडल का 97 करोड़ 42 लाख रुपये, जबलपुर मंडल का 89 करोड़ 50 लाख रुपये तथा कोटा मंडल का 51 करोड़ 29 लाख रुपये का योगदान रहा। इसी प्रकार वित्त वर्ष 2026-27 के प्रथम चार माह अप्रैल से जुलाई के दौरान पश्चिम मध्य रेल ने यात्री यातायात से अब तक 923 करोड़ 94 लाख रुपये का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है।

देशी पिस्टल और कारतूस के साथ अवैध हथियारों का तस्कर गिरफ्तार

एनएसए में बंद आरोपी से जुड़े तार

लार्डगंज पुलिस ने की कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जबलपुर की लार्डगंज थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सीएसपी अखिलेश गौर के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने एक आरोपी को घेराबंदी कर 3 देशी पिस्टल, 3 जिंदा कारतूस और 1,000 रुपये नगद के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी संगठित रूप से अवैध हथियारों की तस्करी में लिप्त था। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम को 9 अगस्त की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि जेडीए बिल्डिंग शताब्दीपुरम के पास एक युवक अवैध पिस्टल लेकर खड़ा है। पुलिस ने तत्काल मौके पर दबिश देकर हुलिए के आधार पर एक युवक को भागने का प्रयास करते समय घेराबंदी कर धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम प्रेमलाल उर्फ संदीप सोनी (उम्र 21 वर्ष), निवासी शांतिनगर दमोहनाका बताया। तलाशी लेने पर उसके थैले और जींस से 3 देशी पिस्टल, 3 कारतूस और नगदी बरामद हुई।

अपराधी लकी पटेल से खरीदे थे हथियार- कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी प्रेमलाल सोनी ने खुलासा किया कि उसने ये हथियार शातिर अपराधी लकी पटेल से खरीदे थे और वह पहले भी उससे हथियार लेकर बेच चुका है। उल्लेखित है कि लकी पटेल पर हत्या के प्रयास, अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट जैसे 20 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए हाल ही में उसे एनएसए के तहत गिरफ्तार कर केंद्रीय जेल जबलपुर भेजा जा चुका है। पुलिस ने आरोपी प्रेमलाल के कब्जे से हथियार जप्त कर उसके और लकी पटेल दोनों के खिलाफ धारा 25(1), 27 आर्म्स एक्ट के साथ-साथ संगठित अपराध में लिप्त पाए जाने पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 111(1) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्यवाही में थाना प्रभारी प्रभारी लार्डगंज नवल आर्य के नेतृत्व में पुष्पराज परते, एएसआई राजेश वर्मा, आरक्षक पंकज सनोडिया, शुभम पटेल, हुलेश परस्ते, रिषभ बर्मन की सराहनीय भूमिका रही।

निःशुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारत विकास परिषद जबलपुर शाखा द्वारा एकता नगर में रविवार को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान के लिए आवश्यक रक्त जांच उपलब्ध कराना रहा। शिविर का शुभारंभ भारत विकास परिषद के प्रांत संपर्क प्रमुख जितेंद्र कुलकर्णीके मुख्य आतिथ्य और पार्षद विवेकानंद वार्ड सोनिया रंजीत सिंह के और एकता नगर समिति अध्यक्ष रवीन्द्र नागुल के विशिष्ट अतिथि में हुआ। इस अवसर पर डॉ. योगेश दत्त शर्मा, नितिन पालीवाल, अखिलेश बादशा, डॉ. निलेश पाण्डेय सहित क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। शिविर में 30 से अधिक प्रकार की रक्त जांचें निःशुल्क की गईं। कायक्रम का संयोजन रंजीत सिंह द्वारा किया गया।

छत से गिरी महिला की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रांझी थाने में मेडिकल कॉलेज से सूचना मिली कि रामरति चौधारी उम्र 54 वर्ष निवासी नई बस्ती हनुमान नगर रांझी को घर की छत से गिरने से सिर में चोट आने से उपचार हेतु परिजनों द्वारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां पर उपचार के दौरान रामरति चौधरी की मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

जबलपुर रेल मंडल में हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन में जबलपुर रेल मंडल में 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत मंडल के जबलपुर, मदन महल, श्रीधाम, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, सिहोरा, कटनी, सतना, रीवा, सागर, दमोह, ब्यौहारी सहित विभिन्न स्टेशनों पर देशभक्ति गीत चलाए जा रहे हैं। इससे स्टेशन परिसर देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम की

भावना से ओत-प्रोत हो रहे हैं। इसी क्रम में मंडल रेल प्रबंधक, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं वेस्ट सेंट्रल रेलवे सीनियर सेकेंडरी स्कूल न्यू कटनी जंक्शन के प्रभारी प्राचार्य जे. पटेरिया के मार्गदर्शन में आज 10 अगस्त 2026 को विद्यालय में 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर उत्साहपूर्वक रैली में भाग लिया तथा देशभक्ति के नारों से वातावरण को गुंजायमान किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति एवं राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना रहा।

भारी बारिश के बीच सड़क किनारे अंतिम संस्कार करने मजबूर ग्रामीण

पाटन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनी कला का मामला, जिम्मेदार मौन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर से लगभग 35 किलोमीटर दूर पाटन विधानसभा के ग्राम पंचायत कोनी कलां का एक वीडियो सामने आया है, जहां पर शव का अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में नहीं बल्कि सड़क किनारे किया गया। ग्रामीणों का कहना था कि यह पहली बार नहीं,

जब कभी भी किसी की मौत होती है, तो इसी तरह से कार्यक्रम किया जाता है। अब इस मामले को लेकर जनपद सीईओ का कहना है कि शासकीय भूमि ना होने के कारण गांव में मुक्तिधाम नहीं बन पाया है। एसडीएम ने भी माना कि जमीन की आवश्यकता है, जिसे जल्द से जल्द तलाश लिया जाएगा। आने वाले समय में अब इस तरह से शव के अंतिम संस्कार को लेकर परेशानी नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत कोनी कला के बासन में घनश्यान बर्मन नाम के शख्स की मृत्यु हो गई। परिवार वालों के साथ ग्रामीणों ने गांव के बाहर सड़क किनारे ही रिमझिम बारिश के बीच अंतिम संस्कार कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में मुक्तिधाम नहीं है, जिसके चलते सालों से इसी तरह से ही खुले आसमान के नीचे कार्यक्रम किए जा रहे हैं।

पंचायत के पास नहीं है शासकीय जमीन- ग्रामीणों ने बताया कि मजबूर ग्रामवासी सालों से जब कभी किसी की मौत हो जाती है, तो ऐसे ही सड़क किनारे अंतिम संस्कार करने को मजबूर हैं। गांव की सरपंच सकुन बाई और सचिव राजेश से कई बार मुक्तिधाम शेड के लिए कहा है। ग्राम पंचायत सचिव राजेश का कहना है कि पंचायत के पास शासकीय जमीन नहीं है, जिस कारण से मुक्तिधाम का निर्माण नहीं हो रहा है।

जनपद पंचायत सीईओ अखिल सहाय का कहना है कि ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव से बात की गई तो उन्होंने भी जमीन ना होना बताया है। उनसे कहा है कि गांव में मुक्तिधाम के लिए जमीन जल्द से जल्द तलाश की जाए। वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की जा रही है। वहीं एसडीएम मानवेंद्र सिंह का कहना है कि सरपंच, सचिव और ग्राम कोटवार को कार्यालय बुलाया है। जल्द से जल्द मुक्तिधाम के लिए जमीन का आवंटन करवाया जाएगा।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**